नई दिल्ली ■ गुरुवार, 12 जून 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 73 ■ पृष्ठ 12

JBT

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

04 राहुल का चुनाव आयोग पर हमला क्यों | 11 इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में वेस्टइंडीज 37 रन से हराया | आमिर की पत्नी के किरदार में नजर आएंगी जेनेलिया 10

रेलवे के दो मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी

6,405 करोड़ की लागत से होगा 318 किमी नेटवर्क का विस्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को भारतीय रेल के दो अहम मल्टीट्रैकिंग (लाइन दोहरीकरण) परियोजनाओं को मंजूरी दे दी। इससे झारखंड, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में न केवल माल और यात्री परिवहन में तेजी आएगी बल्कि ग्रामीण इलाकों से संपर्क भी बेहतर होगा।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नेशनल मीडिया सेंटर में पत्रकारों को कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने लाइन दोहरीकरण की दो परियोजनाओं को 6,405 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी है। इससे भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में करीब 318 किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी।

उन्होंने कहा कि पहली परियोजना झारखंड राज्य की कोडरमा–बरकाकाना दोहरीकरण परियोजना (133 किमी) है। यह प्रोजेक्ट 3,063 करोड़ रुपये का है। यह लंबी दूरी का प्रोजेक्ट है। यह क्षेत्र देश के प्रमुख कोयला उत्पादक क्षेत्रों

में आता है और यह रेलखंड पटना और रांची के बीच सबसे छोटा रेल मार्ग है। इस लाइन के दोहरीकरण से पटना-रांची के बीच आवागमन आसान हो जाएगा। कोयला परिवहन और अन्य मालगाड़ी संचालन में तेजी आएगी। काफी नई ट्रेन चलाई जा सकेंगी। हजारीबाग, छतरा, कोडरमा और रामगढ़ जिलों को अच्छी कनेक्टिविटी मिलेगी।

मंत्री ने कहा कि दूसरी परियोजना कर्नाटक और आंध्र प्रदेश को जोड़ने वाली बल्लारी-चिकजाजुर दोहरीकरण परियोजना (185 किमी) है। यह परियोजना 3342 करोड़ रुपये की है। यह लाइन बल्लारी और चित्रदुर्ग (कर्नाटक) तथा अनंतपुर (आंध्र प्रदेश) जिलों से होकर गुजरेगी।

इससे क्षेत्रीय विकास को बल मिलेगा और यात्रियों व व्यापारिक गतिविधियों को सुगमता होगी। इन दोनों परियोजनाओं से लगभग 1,408 गांवों की कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिनकी जनसंख्या लगभग 28 लाख है। साथ ही इन कार्यों के पूरा होने के बाद 49 मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) अतिरिक्त माल परिवहन की क्षमता बढ़ेगी।

इसके अतिरिक्त परियोजनाओं से रेलवे संचालन अधिक सुगम और कुशल होगा, जिससे भीड़भाड़ कम होगी और ट्रेनें समय पर चल सकेंगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का यह निर्णय 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में एक ठोस कदम माना जा रहा है। रेलवे अधोसंरचना में इस प्रकार का निवेश ग्रामीण एवं औद्योगिक क्षेत्रों के विकास में सहायक साबित होगा।

वैष्णव ने बीएसएफ को ट्रेन के पुराने डिब्बे उपलब्ध कराने के मामले में चार अधिकारियों को निलंबित किया

कश्मीर में अमरनाथ यात्रा के दौरान तैनाती के लिए त्रिपुरा से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को लाने के लिए जर्जर और गंदे डिब्बों वाली ट्रेन उपलब्ध कराए जाने के विवाद के बीच रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया और जांच के आदेश दिए हैं। रेल मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी बयान के अनुसार, मंत्री ने कहा कि सुरक्षा बलों की गरिमा सर्वोपरि है और इस तरह की लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह कार्रवाई पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे जोन द्वारा 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोपों को खारिज करने के एक दिन बाद की गई, जहां सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने ऑनलाइन सामने आए ट्रेन के वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए डिब्बों की स्थिति को लेकर रेलवे की आलोचना की थी। बीएसएफ की 13 कंपनियों से लगभग 1,200 जवानों को छह जून को त्रिपुरा के उदयपुर से जम्मू तवी के लिए एक विशेष ट्रेन में सवार होना था। ट्रेन का बीच में कुछ स्थानों पर ठहराव था एवं त्रिपुरा, असम और पश्चिम बंगाल में चार स्थानों से जवान सवार होने वाले थे। अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन नौ जून को बीएसएफ को उपलब्ध कराई गई थी और इसकी 'खराब और जर्जर' स्थिति देखी तो जवानों ने एक डिब्बे का निरीक्षण करते हुए वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। ट्रेन के डिब्बों की स्थिति को दर्शाने वाले वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने पर रेलवे को विभिन्न क्षेत्रों से कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा, जिसके बाद रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने इसका संज्ञान लिया।

राजा हत्याकांड: सोनम समेत सभी आरोपी 8 दिन की पुलिस रिमांड पर

शिलांग। मेघालय के सोहरा (चेरापूंजी) पहाड़ियों में हुए राजा रघुवंशी हत्याकांड में गिरफ्तार सोनम रघुवंशी, उसके कथित प्रेमी राज कुशवाहा और तीन भाड़े के हत्यारों आकाश राजपूत, विशालसिंह चौहान और आनंद कुर्मी को शिलांग के पूर्वी खासी हिल्स जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

जिला न्यायाधीश की अदालत में पेश किए जाने से पहले सोनम रघुवंशी ने विशेष जांच दल (एसआईटी) की पूछताछ के दौरान अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या में शामिल होने की बात कबूल की। इसके अलावा सोनम ने कबूल किया है कि अगर 'भाड़े के हत्यारे' उसके पति राजा को मारने में विफल हो जाते, तो उसने उनकी हत्या सुनिश्चित करने के लिए एक वैकल्पिक योजना भी बनाई थी। पुलिस के सवालों का जवाब देते हुए सोनम ने बताया कि उसने सेल्फी लेने के बहाने राजा को पहाड़ी की खाई के किनारे धकेलने की योजना बनाई थी। पूछताछ के दौरान दिए गए बयान को जांच कर रहे पुलिस अधिकारियों ने रिकॉर्ड किया। यह बयान जज के सामने भी रिकॉर्ड किया गया।

मेघालय पुलिस की एसआईटी के समक्ष गिरफ्तार प्रेमी राज कुशवाहा और तीन भाड़े के हत्यारों ने अपने इकबालिया बयान में कहा है कि राजा की हत्या सोनम की योजना के अनुसार की गई। पूछताछ के बाद कोर्ट ने सोनम और उसके चार साथियों को आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

राज्य पुलिस की एक टीम सोनम रघुवंशी को लेकर मंगलवार आधी रात को शिलांग पहुंची थी। उसे बुधवार को मेडिकल जांच के लिए शिलांग शहर के पोलो इलाके में स्थित गणेश दास अस्पताल स्वास्थ्य जांच के लिए ले जाया गया।

इसके बाद सोनम को कड़ी सुरक्षा के बीच जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में पेश किया गया। पुलिस सोनम को दोबारा सोहरा (चेरापूंजी) स्थित घटनास्थल पर लेकर जाएगी और उस दिन के घटनाक्रम को फिर से दोहराएगी।

> राजा रघुवंशी हत्याकांड को इंदौर को कलंकित करने वाली घटना बताते हुए मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि अगर बच्चों को संस्कार नहीं दिए जाएं, तो वे इस मामले की मुख्य आरोपी सोनम की तरह बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को पढ़ाना-लिखाना बहुत अच्छी बात है, पर आप लोग उन्हें संस्कार भी देना। बिना संस्कार के बच्चे सोनम बन जाते हैं। इस बेटी ने हमारे इंदौर को कलंकित कर दिया है। विजयवर्गीय ने कहा कि अगर बच्चों को महज शिक्षा दे दी जाए, लेकिन संस्कार नहीं दिए जाएं तो वे 'पशु' की तरह बन जाते हैं और 'पाशविक जिंदगी' जीने लगते हैं। उन्होंने कहा कि साध्वी कनकेश्वरी देवी ने एक प्रवचन में मुझसे कहा था कि अगर किसी महिला में शर्म, ममता और प्यार नहीं हो, तो वह उस पूतना (राक्षसी) की तरह है जिसने भगवान श्रीकृष्ण को मारने की कोशिश की थी। मेघालय में हनीमून मनाने गए राजा रघुवंशी की साजिशन हत्या में शामिल होने के आरोप में उनकी पत्नी सोनम और उसके कथित प्रेमी राज कुशवाह समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

छत्तीसगढ़: सुकमा मुठभेड़ में पांच लाख का इनामी सहित दो नक्सली ढेर

सुकमा। सुकमा जिले के कुकानार थाना क्षेत्र में बुधवार को हुए पुलिस मुठभेड़ में 5 लाख का इनामी एलएसओ कमांडर सहित दो नक्सली मारे गए। मरने वालों में एक महिला नक्सली है। मुठभेड़ स्थल से बंदूक और विस्फोटक सामग्री बरामद की गयी है। इलाके में अन्य नक्सलियों की तलाश जारी है। पुलिस अधीक्षक एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि सुकमा जिले के थाना कूकानार क्षेत्रांतर्गत डुनमपारा पुसगुन्ना के जंगली पहाड़ी इलाके में कटेकल्याण एरिया कमेटी में सक्रिय माओवादियों की उपस्थिति की सूचना पर आज जिला पुलिस बल एवं डीआरजी की संयुक्त पुलिस पार्टी नक्सल विरोधी सर्च अभियान में रवाना हुई थी। बुधवार दोपहर सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच कई बार मुठभेड़ हुई। सुरक्षा बल के जवानों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए दो नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रारंभिक पहचान के अनुसार, मारे गए नक्सलियों में से एक की पहचान पेदारास एलओएस कमांडर बमन के रूप में हुई है, जिस पर 5 लाख का इनाम घोषित था। एक महिला नक्सली का शव मिला है जिसकी पहचान की प्रक्रिया जारी है। घटनास्थल से इंसास राइफल, 12 बोर राइफल सहित अन्य हथियार, गोला-बारूद एवं विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है।

दो समुदायों में झड़प, पुलिस पर पत्थरबाजी में कई घायल

महेशतला। दक्षिण 24 परगना जिला अंतर्गत महेशतला में बुधवार को दुकान लगाने को लेकर दो समुदायों में झड़प हो गई। इलाके में कई घरों में तोड़फोड़ की गई। रवींद्रनगर थाने के सामने एक बाइक में आग लगा दी गई। भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया जिसमें कई लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह आकड़ा संतोषपुर इलाके में फल की दुकान लगाने को लेकर विवाद शुरू हुआ। पहले कहासुनी हुई। बाद में यह मारपीट में बदल गया। दोनों गुटों के बीच झड़प शुरू हो गई। इलाके में जमकर तोड़फोड़ शुरू हो गई और कई घरों की छतों से पत्थर फेंके गए। खबर मिलते ही भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। एडीजी दक्षिण बंगाल, डीआईजी प्रेसीडेंसी रेंज समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। गुस्से भीड़ ने पुलिस पर ईंट-पत्थर बरसाए। रवींद्रनगर थाने से सटे इलाके में एक बाइक को भी आग के हवाले कर दिया गया। पुलिस वाहन में भी तोड़फोड़ की गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए रैफ तैनात के जवानों की तैनाती की गई।

दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह को कांग्रेस से 6 वर्ष के लिए निष्कासित

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से 6 वर्ष के लिए निलंबित कर दिया है। पार्टी की अनुशासनात्मक मामलों की समिति के महासचिव तारीक अनवर ने एक बयान में इसकी जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने मध्य प्रदेश से पूर्व विधायक लक्ष्मण सिंह को तत्काल प्रभाव से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। ऐसा उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते किया गया है। कांग्रेस की ओर से इस बारे में जानकारी नहीं दी कि आखिर किन गतिविधियों के चलते उन्हें निष्काषित किया गया है लेकिन हाल के समय में उन्होंने कुछ ऐसे बयान दिए थे जिसने कांग्रेस आलाकमान को असहज कर दिया था। उन्होंने पार्टी नेतृत्व के अपरिपक्व होने की बात कही थी। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बाद रॉबर्ट वाड्रा और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर यह टिप्पणी की थी।

भारत-पाक संघर्ष महज पड़ोसियों के बीच टकराव नहीं बल्कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई है: जयशंकर

ब्रसेल्स। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया टकराव महज दो पड़ोसियों के बीच संघर्ष नहीं था, बल्कि यह उस आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई थी, जो अंततः पश्चिमी देशों को भी परेशान करेगा। जयशंकर ने बुधवार को यूरोपीय समाचार वेबसाइट 'यूरैक्टिव' के साथ एक साक्षात्कार में यूरोपीय संघ-भारत मुक्त व्यापार की भी वकालत की तथा इस बात पर बल दिया कि 1.4 अरब की आबादी वाला भारत, चीन की तुलना में कुशल श्रम और अधिक भरोसेमंद आर्थिक साझेदारी प्रदान करता है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के लगभग एक महीने बाद यूरोप की यात्रा पर गए जयशंकर ने कहा कि मैं आपको एक बात याद दिलाना चाहता हूं कि ओसामा बिन लादेन नाम का एक आदमी था। वह पाकिस्तान के एक सैन्य छावनी वाले शहर में वर्षों तक सुरक्षित क्यों महसूस करता था? वह भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए चार-दिवसीय संघर्ष को लेकर पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। 'ऑपरेशन सिंदूर' को परमाणु हथियार वाले दो पड़ोसियों के बीच प्रतिशोध के रूप में पेश करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मीडिया की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि दुनिया समझे कि यह केवल भारत-पाकिस्तान का मुद्दा नहीं है। यह आतंकवाद के बारे में है, और यही आतंकवाद अंततः आपको (पश्चिमी देशों को) भी परेशान करेगा। जब उनसे पूछा गया कि रूस के खिलाफ पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों में भारत शामिल क्यों नहीं हुआ, तो जयशंकर ने कहा कि मतभेदों को युद्ध के जरिये नहीं सुलझाया जा सकता।

उन्होंने कहा कि हम नहीं मानते कि मतभेदों को युद्ध के जरिये सुलझाया जा सकता है, हम नहीं मानते कि युद्ध के मैदान से कोई समाधान निकलेगा। यह तय करना हमारा काम नहीं है कि वह समाधान क्या होना चाहिए।

जयशंकर ने कहा कि भारत के केवल रूस के साथ ही नहीं बल्कि यूक्रेन के साथ भी मजबूत संबंध हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन हर देश, स्वाभाविक रूप से, अपने अनुभव, इतिहास और हितों पर विचार करता है। उन्होंने कहा कि भारत की सबसे पुरानी शिकायत है कि स्वतंत्रता के कुछ ही महीनों बाद हमारी सीमाओं का उल्लंघन किया गया, जब पाकिस्तान ने कश्मीर में घुसपैठियों को भेजा। और कौन से देश इसका सबसे अधिक समर्थन करते थे? पश्चिमी देश।

मुंबई में 52 करोड़ रुपये की ड्रग बरामद, ब्रिटिश नागरिक समेत 6 तस्कर गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस के एंटी-नारकोटिक्स सेल (एएनसी) ने एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 52 करोड़ रुपये की ड्रग सहित 6 तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में एक ब्रिटिश नागरिक भी शामिल है, जो इस गिरोह का सरगना है। वह मोजाम्बिक के रास्ते देश में ड्रग्स की तस्करी करता था।

मुंबई पुलिस के एंटी-नारकोटिक्स सेल (एएनसी) के एक अधिकारी ने बुधवार को पत्रकारों को बताया कि उनकी टीम एक गुप्त सूचना के आधार पर 28 मई को लंदन निवासी कुलदीप सिंह हरजीत सिंह गोजारा को जोगेश्वरी इलाके से गिरफ्तार किया था। उसके पास से ट्रॉली बैग में 5.02 किलोग्राम कोकीन मिली, जिसकी कीमत करीब 52 करोड़ रुपये है। गोजारा जोगेश्वरी ईस्ट में कोकीन की खेप पहुंचाने आया था। गोजारा मूल रूप से पंजाब का रहने वाला है, लेकिन लंदन में रहता है। गोजारा की गिरफ्तारी के बाद एंटी-नारकोटिक्स सेल की वर्ली यूनिट ने उसके खरीदारों और आपूर्तिकर्ताओं का पता लगाने के लिए जांच शुरू की। इसके बाद एएनसी टीम ने दीव द्वीप के रहने वाले महेंद्र प्रेजी को भी गिरफ्तार किया। उससे गहन पूछताछ के बाद पुलिस ने अब्दुल समद अफजल मेमन, परवेज अफाक और ऋषभ एड्रिस को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से हवाला भुगतान से संबंधित कई कोड भी जब्त किए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। पूछताछ के बाद शेख मोहम्मद आरिफ उद्दीन को गिरफ्तार किया, जो पूर्वी अफ्रीका के मोजाम्बिक में रहता है और वह बांग्लादेशी नागरिक है। अब तक की छानबीन में पता चला है कि इन तस्करों ने मोजाम्बिक और दुबई की कई यात्रा की हैं। पूछताछ प्राथमिक चरण में है। इस मामले और गिरफ्तारी होने की संभावना है।

सीबीआई ने साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया, 2.8 करोड़ रुपये की क्रिप्टोकरेंसी बरामद

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को कहा कि सरकारी अधिकारी और तकनीकी सहायता करने वाले कर्मचारी के रूप में खुद को पेश करके अमेरिका और कनाडा में भोलेभाले लोगों को निशाना बनाने वाले साइबर अपराधियों के गिरोह के खिलाफ कार्रवाई के तहत उसने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

सीबीआई के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि मंगलवार को तीन स्थानों पर की गई तलाशी के दौरान आरोपी राहुल अरोड़ा को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से 2.8 करोड़ रुपये की क्रिप्टोकरेंसी और 22 लाख रुपये की बेहिसाब नकदी जब्त की गई है। यह कार्रवाई साइबर अपराधियों के खिलाफ चल रहे सीबीआई के अभियान 'चक्र-पांच' का हिस्सा थी। प्रवक्ता ने कहा कि सीबीआई ने इस मामले में मामला दर्ज किया था, क्योंकि उसे इस गिरोह के बारे में सूचना मिली थी।

सीबीआई को मिली जानकारी के अनुसार, सरकारी अधिकारियों और प्रतिष्ठित तकनीकी सहायता कंपनियों के प्रतिनिधियों के रूप में खुद को पेश करके जालसाज अमेरिका और कनाडा के भोलेभाले व्यक्तियों को निशाना बना रहे थे। सीबीआई ने गिरोह के सदस्यों की गतिविधियों के बारे में खुफिया जानकारी एकत्र करके इस सूचना पर काम किया, जिसके बाद उनके कई परिसर की तलाशी ली गई।

एजेंसी ने बताया कि तलाशी के दौरान गिरोह के संचालन के बारे में अहम साक्ष्य जब्त किए गए, जिनमें कॉलर पहचान छिपाकर अंतरराष्ट्रीय कॉल करने के उपकरण, सामाजिक इंजीनियरिंग रणनीति पर आधारित लीड-जनरेशन तंत्र, वॉयस रिकॉर्डिंग और साइबर अपराध जगत से जुड़ी अन्य चीजें शामिल हैं।

कोरोना के एक्टिव मामलों का संख्या सात हजार के पार, 24 घंटे में 6 की मौत

नई दिल्ली। देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या सात हजार के पार चली गई है। बुधवार को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में 306 नए मामले सामने आए। इसके साथ ही देशभर में सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 7,121 हो गई है। मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटे में छह मौतें दर्ज की गईं। छह मौतों में से तीन केरल से, दो कर्नाटक से और एक महाराष्ट्र से दर्ज की गई। वहीं इस दौरान 929 लोग कोरोना से ठीक भी हुए हैं। अगर बात राज्यों की करें तो केरल में सबसे ज्यादा 2,223 सक्रिय मामले हैं। पिछले 24 घंटे में 170 नए मामलों के साथ यहां सबसे ज्यादा नए संक्रमण मामले भी दर्ज किए गए। गुजरात में 114 नए मामले सामने आए, जिससे यहां सक्रिय संख्या 1,223 हो गई है। दिल्ली में भी कोरोना मामलों में वृद्धि देखी गई और सक्रिय मामले 757 तक पहुंच गए हैं।

जीआरएसई ने जीएसआई के लिए दो तटीय अनुसंधान पोत बनाने के लिए किया समझौता

कोलकाता। भारत सरकार के स्वामित्व वाली अग्रणी युद्धपोत निर्माता कंपनी गार्डनरीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) ने जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जीएसआई) के लिए दो अत्याधुनिक तटीय अनुसंधान पोतों के निर्माण हेतु अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। यह अनुबंध 11 जून को कोलकाता में सम्पन्न हुआ।

इस अनुबंध पर जीआरएसई के निदेशक (शिपबिल्डिंग) कमांडर शांतनु बोस और जीएसआई के उपमहानिदेशक एवं प्रमुख (समुद्री एवं तटीय सर्वेक्षण प्रभाग) डॉ. एन. एम. शरीफ ने हस्ताक्षर किए। कार्यक्रम में जीएसआई के महानिदेशक असीत साहा सहित दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। जीआरएसई की ओर से बुधवार दोपहर जारी बयान में बताया गया है कि अनुबंध पर हस्ताक्षर जीआरएसई की अनुसंधान पोत निर्माण क्षमता को रेखांकित करते हैं। वर्तमान में शिपयार्ड पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय

ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र के लिए एक महासागर अनुसंधान पोत तथा नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल) के लिए एक ध्वनिक अनुसंधान पोत का निर्माण कर रहा है। नए तटीय अनुसंधान पोतों की लंबाई 64 मीटर और चौड़ाई 12 मीटर होगी। इनका डेडवेट 450 टन के आसपास होगा। प्रत्येक पोत में 35 लोगों के रहने की सुविधा होगी, इनकी सहनशक्ति 15 दिनों तक की होगी और अधिकतम गति 10 नॉट रखी गई है। ये पोत समुद्री मानचित्रण, खनिज संसाधनों की खोज (ड्रेजिंग सहित), महासागर पर्यावरण की निगरानी और अन्य वैज्ञानिक अनुसंधानों में सक्षम होंगे। इन जहाजों में उन्नत वैज्ञानिक प्रयोगशालाएं, डेटा प्रोसेसिंग सुविधाएं और नमूना विश्लेषण की व्यवस्था होगी। पोतों में डायनामिक पोजिशनिंग–1 प्रणाली होगी, जिससे वे कठिन समुद्री परिस्थितियों में भी स्थिर रह सकेंगे। डीजल-इलेक्ट्रिक प्रणोदन प्रणाली से संचालित ये पोत पांच मीटर से लेकर हजार मीटर गहराई तक भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र में कार्य करने में सक्षम होंगे। जीआरएसई का अनुसंधान पोत निर्माण में लंबा अनुभव है। वर्ष 1994 में इसने आईएनएस सागरध्वनि नामक समुद्री ध्वनिक अनुसंधान पोत एनपीओएल को सौंपा था।

इसके अलावा 1981 से 1993 के बीच भारतीय नौसेना को छह सर्वेक्षण पोत सौंपे। पिछले दो वर्षों में कंपनी ने नौसेना को संधायक श्रेणी के दो बड़े सर्वेक्षण पोत सौंपे हैं और इस श्रेणी के दो और पोत वर्तमान में निर्माणाधीन हैं। ये अब तक भारत में निर्मित सबसे बड़े और उन्नत सर्वेक्षण पोत माने जाते हैं। वर्तमान में जीआरएसई भारतीय नौसेना के लिए चार श्रेणियों के 16 युद्धपोतों का निर्माण कर रहा है।

गांव-गांव कैंप लगाकर जनता को दी जाए बैंक योजनाओं की जानकारी: विधायक धीरेन्द्र सिंह

❖ जनभावना टाइम्स

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में 11 जून 2025 को आयोजित डीएलआरसी व डीसीसी की बैठक में बैंकिंग योजनाओं और आमजन को उनसे जोड़ने के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह मौजूद रहे। बैठक में विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी शामिल हुए। बैठक में विधायक धीरेन्द्र सिंह ने ग्रामीण इलाकों में बैंकिंग सुविधाओं और सरकार की योजनाओं से जुड़े जमीनी हालात पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी अधिकतर लोगों को सरकार द्वारा संचालित बैंक योजनाओं की जानकारी नहीं है। ऐसे में जरूरी है कि गांव-गांव कैंप लगाकर लोगों को योजनाओं की जानकारी दी जाए, ताकि वे उनका लाभ उठा सकें। विधायक ने आधार कार्ड बनवाने में हो रही समस्याएं और सरकारी ऋण योजनाओं में पारदर्शिता की कमी पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने बैंक और विभागीय अधिकारियों से स्पष्ट रूप से कहा कि ग्रामीण जनता को योजनाओं का लाभ समय पर और बिना भेदभाव मिले, यही प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने भी उपस्थित अधिकारियों को पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध तरीके से योजनाओं का लाभ देने और मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी वी.एन. शुक्ला, आरबीआई के एजीएम जसप्रीत एस कटारिया, नाबार्ड की एजीएम/डीडी अलका, एलडीएम राजेश सिंह कटारिया, एलडीएम कार्यालय नोएडा से केनरा बैंक की मुख्य प्रबंधक इंदु जयसवाल, केनरा बैंक आरओ नोएडा के मंडल प्रबंधक राजाराम गौतम, एएलडीएम अरुण शर्मा सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य फोकस ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की सुलभता, योजनाओं की जानकारी का प्रचार, और ऋण वितरण की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर रहा। विधायक की यह पहल ग्रामीण समाज को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

मेट्रो अस्पताल और कार में लगी आग, दमकल विभाग ने पाया काबू

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के सेक्टर-11 स्थित मेट्रो अस्पताल में बिजली के शाट सर्किट से आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई।

इस आग से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इसके अलावा थाना फेस-3 क्षेत्र के सेक्टर-61 मेट्रो स्टेशन के पास एक स्विफ्ट डिजायर कार में अज्ञात कारणों से आग लग गई, जो जलकर खाक हो गई। दोनों घटनाओं में मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। दोनों घटना में कोई जनहानि नहीं है। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि सेक्टर-11 स्थित मेट्रो अस्पताल में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई।

प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 3 फायर सर्विस यूनिट घटनास्थल पर रवाना हुई, आग भू-तल पर मुख्य भवन से अलग बने फिजियोथेरेपी यूनिट में लगी थी, जिस कारण धुआं भवन में अंदर नहीं गया, न ही किसी मरीज को शिफ्ट करने की आवश्यकता पड़ी। उन्होंने बताया कि मौके पर उपस्थित मेट्रो हॉस्पिटल के कर्मचारियों द्वारा आग को बुझाने की कोशिश की गई व आग को ज्यादा फैलने नहीं दिया गया। फायर सर्विस यूनिट द्वारा मौके पर पहुंचकर आग को पूर्णरूप से बुझा दिया गया है तथा स्मोक एक्सट्रैक्शन सिस्टम का प्रयोग कर धुएं को बाहर निकाला गया।

संक्षिप्त खबरें

शास्त्रीनगर-महेंद्रा एनक्लेव में पाइप लाइन के ऊपर पौधे लगा रहे

गाजियाबाद। वार्ड- 47 के शास्त्री नगर और महेंद्रा एनक्लेव में कई स्थानों पर पानी की लाइन के ऊपर कुछ स्थान पर लोगों ने पौधे लगा डाले। पानी की लाइन जमीन में तीन फीट नीचे है। पेड़ की जड़ फैलने से पाइप लाइन फट रही है। पार्षद ने लोगों से खाली मैदान या पार्क में ही पौधे लगाने की अपील की है। पार्षद अमित त्यागी ने बताया कि शास्त्रीनगर ए, डी, ई और एफ ब्लॉक की लाइन पहले भी पेड़ों की वजह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। सीवर लाइन के मैनहोल भी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। पार्षद का कहना है कि कुछ लोग गली के बाहर पाइप लाइन के ऊपर पौधे लगा रहे हैं। इससे काफी दिक्कत हो रही है। उन्होंने बताया कि छोटी सड़कों के किनारे पौधे लगाने से यातायात बाधित हो रहा है। छोटी सड़कों पर भी पौधे लगाने ठीक नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील कि जिन स्थानों पर पानी की लाइन डाली जानी है वहां पौधे न लगाए।

गायन्ति क्रिकेट एकेडमी ने 89 रन से एपीएस ग्रुप को शिकस्त दी

गाजियाबाद। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रहे स्पोर्ट्स सन शील मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में बुधवार को गायन्ति क्रिकेट एकेडमी ने एपीएस ग्रुप पर 89 रन से शानदार जीत दर्ज की। गेंदबाजी में बेहतर प्रदर्शन कर पांच विकेट लेने वाले आहान को मैन ऑफ द मैच चुना गया। गायन्ति क्रिकेट एकेडमी बुधवार को मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 38.10 ओवर में 221 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। आदित्य महेश कुमार ने सबसे ज्यादा 52 रन, ऋषित ने 37, कुशाग्र ने 26 रन बनाए। दिनेश को चार विकेट और आदित्य को तीन विकेट मिला। लक्ष्य को हासिल करने मैदान पर उतरी एपीएस ग्रुप की टीम 21 ओवर में 132 रन पर ही ढेर हो गई। आदित्य वर्मा ने 45, अनुराग ने 35 रन बनाए। आहान कुमार ने घातक गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए। आदित्य महेश कुमार को दो विकेट प्राप्त हुआ। मैच में पांच विकेट लेने वाले आहान को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

डीएस एकेडमी ने अथर्व के दम पर वीनस को हराया

गाजियाबाद। एके क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जा रहे गंगाराम मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में बुधवार को डीएस क्रिकेट एकेडमी ने वीनस क्रिकेट एकेडमी को 164 रन के बड़े अंतर से हरा दिया।90 रन की पारी खेलने के लिए अथर्व शर्मा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। राजनगर एक्सटेंशन स्थित क्रिकेट ग्राउंड पर टॉस जीतकर डीएस क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और निर्धारित 40 ओवर में छह विकेट पर 341 रन बनाए। टीम के कप्तान अथर्व शर्मा ने 90 रन की शानदार पारी खेली। अभिनव चौधरी ने 80 और विकास चौहान ने 72 रन का योगदान दिया। समर प्रताप सिंह ने सबसे ज्यादा तीन विकेट झटके। 342 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वीनस क्रिकेट एकेडमी 30.2 ओवर में 177 रन पर सिमट गई। उसकी तरफ से गर्वित ने सबसे ज्यादा 66 रन और आदित्य ने 27 रन का योगदान दिया। विरोधी टीम की तरफ से नमन को तीन विकेट एवं नक्श व विकास चौहान को दो-दो विकेट हासिल हुआ। 90 रन की शानदार पारी खेलने के लिए डीएस क्रिकेट एकेडमी के कप्तान अथर्व शर्मा को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

50 टीबी मरीजों की पुष्टाहार दिया

गाजियाबाद। टीबी पुष्टाहार किट योजना के तहत सिविल डिफेंस ने जिला संयुक्त अस्पताल में 50 मरीजों को पुष्टाहार किट प्रदान की। सीएमओ डॉ. अखिलेश मोहन, एसीएमओ डॉ. अमित विक्रम ने पुष्टाहार किट वितरित की। इस मौके पर डॉ. अनिल यादव, डॉ. नेहा गोस्वामी, डॉ. दीपाली गुप्ता, सिविल डिफेंस से हर्ष वर्मा, दीपक अग्रवाल, सुधीर कुमार, रमाकांत यादव, संजय खन्ना, नवनीत कुमार, संध्या त्यागी, नेहा सेनी, अनिल अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

रालोद ने 68 पदाधिकारियों को जिला कार्यकारिणी में शामिल किया

❖ जनभावना टाइम्स

गाजियाबाद। रालोद जिलाध्यक्ष ने बुधवार को जिला कार्यकारिणी की घोषणा की। इसमें छह जिला उपाध्यक्ष, नौ जिला महासचिव, एक कोषाध्यक्ष, 23 जिला सचिव और 29 सदस्य बनाए हैं। रालोद जिलाध्यक्ष रामपाल चौधरी ने बताया कि कार्यकारिणी में सभी को संगठन मजबूत करने की जिम्मेदारी दी है।

उन्होंने बताया कि जिला उपाध्यक्ष पद पर जिला पंचायत सदस्य रवि वाल्मीकि, अमित त्यागी, योगेश कुमार, मनोज राठी, प्रदीप मुखिया, पूर्व सभासद विनोद गौतम, कोषाध्यक्ष तुषार बंसल, जिला महासचिव-रणजीत सिंह, ललित सैन, प्रदीप त्यागी, इरशाद रंगरेज, चंद्रपाल, जयवीर सिंह नेहरा, दीपू शर्मा, मनवीर बंसल, मुनेन्द्र विनायक बनाए हैं। इश्तखार, मनीष चौधरी, ऋषिपाल, संजय सिंह जाटव, दिनेश शर्मा, आदित्य सिंह बिट्टू, विनोद चौधरी, सत्यपाल चौधरी, विशाल सिंह, विपिन तोमर, वेदप्रकाश प्रजापति, अक्षित त्यागी, लोकेश कटारिया, करण बोबी, विकास नरेश मुंशी, सतबीर प्रजापति, मुहम्मद नफीस, आकाश प्रधान, दीपक चौधरी, देवा, हाजी असलम खां, विनोद चौधरी और रवि हरित को जिला सचिव बनाया है। इनके अलावा जितेन्द्र मोनू, मुन्ना खान, विनोद शर्मा, सत्तार अहमद, रणवीर मलिक, सतवीर प्रजापति, आमिर सैफी, विजय पाल शर्मा, इरफान, राहुल, मुनीवर बिल्ला, प्रेम सिंह यादव, वीरेन्द्र कुमार डागर, दीपक नेहरा, विपिन तोमर राजेन्द्र सिंह जिलेदार, विजेन्द्र सिंह, कोमल चौधरी, आजाद सिंह, जितेन्द्र त्यागी, यशपाल, रहीम कुरैशी, नरेंद्र कुमार खटीक, रामकुमार, करण प्रधान, अमित कुमार प्रधान, राजेश्वरी, आलोक चौधरी, सुशील कुमार प्रजापति को सदस्य बनाया है। बागपत सांसद समेत 37 को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाए राष्ट्रीय लोकदल की जिला कार्यकारिणी में बागपत सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान, त्रिलोक त्यागी, राष्ट्रीय सचिव चौधरी तेजपाल सिंह, विधायक मदन भैया, कुंवर अय्यूब अली, अमरजीत सिंह बिड्डी, अजय पाल सिंह, इंद्रजीत सिंह टीटू, अजय वीर सिंह, रणबीर दहिया, मनोज धामा, रविंद्र चौहान को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया है।

सेवा, सुशासन और संकल्प से भारत बना विश्व शक्ति : सांसद अतुल गर्ग

❖ जनभावना टाइम्स

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में भारतीय जनता पार्टी सरकार के 11 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा महानगर गाजियाबाद ने बुधवार को 'विकसित भारत का अमृतकाल' को लेकर मीडिया को सम्बोधित किया। मुख्य वक्ता सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि मोदी सरकार ने बीते 11 वर्षों में सेवा को संकल्प, सुशासन को संस्कृति और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बनाकर भारत को विश्वसनीय शक्ति के रूप में स्थापित किया है। यह नया भारत अब आतंक के खिलाफ घर में घुसकर वार करता है और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होकर ब्रह्मोस, तेजस, प्रचंड जैसे स्वदेशी शौर्य का निर्माण और निर्यात कर रहा है।

सांसद गर्ग ने बताया कि जनकल्याण मोदी सरकार की प्रत्येक नीति के मूल में है। 44 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थियों को मिली, 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले और 55 करोड़ से अधिक जनधन खाते खुले। टेक्नोलॉजी के जरिए पारदर्शिता लाई गई यूपीआई, कोविन, डीजीलॉकर और आभा जैसे प्लेटफॉर्म्स आज दुनिया के लिए मिसाल हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व की डिजिटल शक्ति है। इंटरनेट यूजर्स 97 करोड़ हो चुके हैं, डेटा सबसे सस्ता है और यूपीआई ट्रांजैक्शन 24 लाख करोड़ रुपये पार कर चुका है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में भारत ने 142वीं से 63वीं रैंक तक छलांग लगाई है। भारत की युवा शक्ति पर उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3, गगनयान, और 1.6 लाख से अधिक स्टार्टअप्स के माध्यम से भारत की नई पीढ़ी वैश्विक मंच पर नेतृत्व कर रही है। यही 'विकसित भारत का अमृतकाल' है, यही 'विश्व का विश्वास' है।

गर्ग ने केंद्र सरकार की नीतियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने प्रदर्शन आधारित राजनीति की नई परंपरा स्थापित की है। शासन अब उत्तरदायी, जवाबदेह और जनसहभागिता आधारित बन गया है। जनधन, उज्ज्वला, आयुष्मान भारत, जल जीवन मिशन, पीएम किसान निधि जैसी योजनाओं ने 27 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया है।

इस अवसर पर एमएलसी दिनेश गोयल, महामंत्री सुशील गौतम, आयाम की संयोजिका रनिता सिंह, सह संयोजक गौरव चोपड़ा, गुंजन शर्मा, विनोद कसाना, और मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी उपस्थित रहे। पत्रकार वार्ता का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन भाजपा महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी ने किया।

संजीवनी से कम नहीं पीएम मोदी के 11 वर्ष : मनोज तिवारी

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्षों के कार्यकाल की तारीफ की। उन्होंने देश के लिए इसे संजीवनी करार दिया है। बुधवार को मीडिया से बातचीत के दौरान भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि 11 वर्ष के कार्यकाल की अगर हम समीक्षा करे तो यह भारत के लिए संजीवनी है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में सफलता हासिल हुई बै। आज देश हर क्षेत्र में कीर्तिमान बना रहा है। मनोज तिवारी ने कहा कि पीएम मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल में चलाई गई लाभकारी योजनाओं ने गरीबों को लाभ मिला है। आज गांवों में किसानों को सम्मान निधि का पैसा सीधे उनके बैंक खाते में पहुंच रहा है। पहले की सरकारों में दिल्ली से भेजा गया पैसा लोगों तक नहीं पहुंच पाता था। लेकिन, पीएम मोदी की सरकार में दिल्ली से भेजा गया पैसा सीधे उनके बैंक खाते में पहुंचता है। कहीं भी कोई कटौती नहीं होती है। पहले की सरकारों का रवैया ठीक नहीं था।

आयुष्मान योजना के बारे में मनोज तिवारी ने कहा कि पहले की सरकारों में बुजुर्ग बीमार पैसी की तंगी के चलते इलाज नहीं करा पाता था। लेकिन, पीएम मोदी की ओर से चलाई जा रही आयुष्मान योजना से बुजुर्गों को पांच लाख रुपये का इलाज मिल रहा है। इसके साथ ही गरीबों-वंचितों तक मुफ्त में राशन मुहैया कराया जा रहा है। पीएम मोदी के कार्यकाल में गांव-गांव पक्की सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। कांग्रेस की सरकार में जहां पीने के जल के लिए महिलाओं को कई किलोमीटर पैदल चलकर जल लाना पड़ता था, ऐसी समस्याओं से छुटकारा मिला है। पीएम मोदी के नेतृत्व में हर घर जल पहुंचाने का मिशन शुरू किया गया।

आज महिलाओं के घरों में नल से जल पहुंचाया जा रहा है। अब तक 15 करोड़ घरों में नल पहुंचाया जा रहा है। गांव-गांव में गैस कनेक्शन दिया जा रहा है। इनकम टैक्स में मध्यम वर्ग को छूट दी गई है। तिवारी ने कहा कि पीएम मोदी के कार्यकाल में हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बने हैं। राष्ट्र सुरक्षा को लेकर पीएम मोदी का विजन साफ है। 2026 तक हम देश से नक्सलवाद का सफाया कर देंगे। मनोज तिवारी ने कहा कि पीएम मोदी के 11 साल की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही है कि सभी दलों के सांसद ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को बेनकाब करने के लिए विदेशी दौरे पर गए। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि भारत शांति के रास्ते पर चलता है और इस रास्ते पर चलकर तरक्की करना चाहता है।

गोविंदपुरी थाने में तैनात एएसआई रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की विजिलेंस यूनिट ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए गोविंदपुरी थाने में तैनात सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) सुशील शर्मा को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। उनके साथ ही एक निजी व्यक्ति (चाय वाले) को भी पकड़ा है, जो उनके लिए रिश्वत की राशि ले रहा था। पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता परिवार के साथ गोविंदपुरी इलाके में रहता है और दैनिक मजदूरी करता है।

पीड़ित ने विजिलेंस यूनिट को दी गई शिकायत में बताया कि एक पारिवारिक झगड़े और मारपीट के मामले में उसके परिवार के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। इस केस की जांच एएसआई सुशील शर्मा कर रहे थे। शिकायत के अनुसार, आरोपित एएसआई ने केस से नाम हटाने के बदले 10 हजार रुपये की मांग की थी। पीड़ित ने पहले ही पांच हजार रुपये दे दिए थे और अब बचे हुए पांच हजार देने का दबाव डाला जा रहा था। इस पर परेशान होकर शिकायतकर्ता ने दिल्ली पुलिस की विजिलेंस यूनिट से संपर्क किया। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसीपी की देखरेख में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

इधर एएसआई सुशील ने शिकायतकर्ता को बताया कि शेष पांच हजार रुपये वह एक चायवाले को पुलिस स्टेशन के बाहर दे दे। विजिलेंस टीम की सतर्क निगरानी में जैसे ही चायवाले ने रिश्वत की रकम ली और उसे पुलिस स्टेशन के अंदर एएसआई सुशील शर्मा को सौंपा, टीम ने तुरंत दोनों को धर दबोचा। एएसआई सुशील के पास से रिश्वत की राशि बरामद की गई।

सभी कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत पुलिस स्टेशन विजिलेंस में केस दर्ज किया गया। जांच में पता चला है कि एएसआई सुशील शर्मा 1990 में दिल्ली पुलिस में भर्ती हुआ था और पिछले दो वर्षों से थाना गोविंदपुरी में तैनात थे। दोनों आरोपितों को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है। दिल्ली पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी पुलिसकर्मी द्वारा अधिकारों का दुरुपयोग या रिश्वत मांगने की शिकायत हो, तो विजिलेंस हेल्पलाइन नंबर 1064, 011-23417995 या व्हाट्सएप नंबर 9910641064 पर संपर्क करें। शिकायतकर्ता की पहचान को पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा। नागरिक चाहे वे केस के पीड़ित हों या आरोपित, न्यायपूर्ण और निष्पक्ष व्यवहार के अधिकार रखते हैं। कानून के दुरुपयोग की स्थिति में तुरंत विजिलेंस यूनिट को सूचित करें।

सामाजिक समरसता और अंत्योदय की प्रेरणा देती है कबीर वाणी : मंत्री इंद्राज

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। समाज कल्याण, एससी/एसटी कल्याण, चुनाव और सहकारिता मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि कबीर की वाणी सामाजिक समरसता और अंत्योदय की प्रेरणा देती है। अंत्योदय की मूल भावना ही केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार की कार्यशैली है। यह बातें मंत्री ने कबीर जयंती समारोह के अवसर पर बुधवार को दिल्ली सचिवालय में बतौर मुख्य अतिथि कही। कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली सरकार के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा किया गया।

मंत्री रविंद्र इंद्राज ने संत कबीर के जीवन और विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दिल्ली सरकार की समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचना प्राथमिकता है। विशेषकर वे योजनाएं जो अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए चलाई जा रही हैं। एससी/एसटी कल्याण मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार सामाजिक समरसता और संत परंपरा की चेतना को बनाए रखने के लिए निरंतर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी।

आयोजन में भजन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसमें संत कबीर की शिक्षाओं को संगीत और काव्य के माध्यम से जनमानस तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम में एससी/एसटी कल्याण विभाग के सचिव ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि कबीर दास की जयंती पर ऐसा आयोजन पहली बार दिल्ली सचिवालय में किया गया है।

नोएडा पुलिस ने अवैध शराब और चोरी की कार के साथ 7 बदमाशों को गिरफ्तार किया

नोएडा। गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट पुलिस ने चोरी की कार, अवैध रूप से शराब बेचने तथा विभिन्न अपराधों में शामिल 7 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बदमाशों के पास से चोरी की स्विफ्ट डिजायर कार, भारी मात्रा में शराब व असलहा बरामद किया है। थाना दादरी के प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि थाना पुलिस ने आज एक सूचना पर वाहन चोर सौरभ मावी पुत्र कृष्ण मावी को कोट नहर के बराबर वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया है। उन्होने बताया कि अभियुक्त के कब्जे से चोरी की स्विफ्ट डिजायर कार व अवैध तंमचा बरामद हुआ है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पता चला है कि अभियुक्त व उसके साथी ने मिलकर यह स्विफ्ट डिजायर टैक्सी बीते दिनों लुहारली टोल के पास से चोरी की थी। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि उपनिरीक्षक सुशील कुमार ने एक सूचना के आधार पर तरुण राजपूत पुत्र राम अवतार को निराला स्टेट के पास से गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि यह एक स्कूल के सामने खाली पड़े प्लाट में खड़ा होकर अवैध रूप से मदिरा बेच रहा था।

दिल्ली में 2025 में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा नहीं होगी : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सरकार द्वारा पूरी तैयारी किये जाने का उल्लेख करते हुए बुधवार को लोगों को आश्वासन दिया कि राष्ट्रीय राजधानी में 2025 जैसी बाढ़ की स्थिति उत्पन्न नहीं होगी। गुप्ता ने यहां दिल्ली सचिवालय में बाढ़ नियंत्रण उपायों के संबंध में आयोजित एक बैठक के बाद यह बात कही। बैठक के बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा कि दिल्ली सरकार पूरी तरह से तैयार है। दो साल पहले, दिल्ली में बाढ़ आई थी। उस समय बैराज के गेट भी नहीं खुले थे। लेकिन मैं आपको आश्वस्त कर सकती हूं कि इस बार बाढ़ की स्थिति पैदा नहीं होगी। सरकार और सभी विभाग पूरी तरह से तैयार हैं। बैठक में मंत्री आशीष सूद और प्रवेश वर्मा के साथ-साथ भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी और बांसुरी स्वराज भी शामिल हुए। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), राजस्व, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया। उन्होंने कहा, ₹हमने गाद निकालने का काम किया है। बड़े नालों से करीब 20 लाख मीट्रिक टन गाद निकाली गई है। दिल्ली में 2023 में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई थी, जब भारी बारिश के कारण कई इलाके जलमग्न हो गए थे। इसके कारण 25,000 से अधिक निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा था कि कोई झुग्गी नहीं गिराई जाएगी
फिर बुलडोजर क्यों चलाया जा रहा है: विपक्ष की नेता आतिशी

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता आतिशी ने बुधवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से पूछा कि दिल्ली के भूमिहीन कैंप में झुग्गियों को क्यों तोड़ा जा रहा है, जबकि उन्होंने कुछ दिन पहले कहा था कि कोई भी झुग्गी नहीं तोड़ी जाएगी। बुधवार की सुबह भारी पुलिस बल की तैनाती के बीच अधिकारियों ने दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के गोविंदपुरी में भूमिहीन कैंप में ध्वस्तीकरण अभियान शुरू किया।

एक अधिकारी ने बताया कि गोविंदपुरी में सरकारी जमीन पर बनी 300 से अधिक झुग्गियों को तोड़ा जाएगा। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सुबह 5 बजे से ही भूमिहीन कैंप में भाजपा का बुलडोजर चलना शुरू हो गया। (दिल्ली की मुख्यमंत्री) रेखा गुप्ता, आपने तीन दिन पहले कहा था कि एक भी झुग्गी नहीं तोड़ी जाएगी, फिर भूमिहीन कैंप पर बुलडोजर क्यों चल रहे हैं? दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा झुग्गी-झोपड़ी कैंप में घरों को खाली करने के नोटिस चिपकाए जाने के कुछ दिनों बाद बुधवार को यह कार्रवाई हो रही है।

नोटिस में 'अतिक्रमणकारियों' को तीन दिन के भीतर जगह छोड़ने या कार्रवाई का सामना करने की चेतावनी दी गई। कैंप में रहने वाले अधिकतर लोग प्रवासी श्रमिक हैं। यहां पिछले एक साल में तीन बार तोड़फोड़ अभियान चलाया गया है। आतिशी ने मंगलवार को भूमिहीन कैंप का दौरा किया। आप ने दावा किया कि आतिशी को क्षेत्र के निवासियों से मिलने के दौरान हिरासत में ले लिया गया, हालांकि पुलिस ने इससे इनकार किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा था कि अधिकारी अदालतों द्वारा जारी किए गए ध्वस्तीकरण आदेशों के खिलाफ नहीं जा सकते हैं और विस्थापित निवासियों को आवास प्रदान किए गए हैं। उनकी टिप्पणी दक्षिणी दिल्ली में बारापुला के पास मद्रासी कैंप झुग्गी बस्ती को ढहाने और शहर के अन्य हिस्सों में इसी तरह के विध्वंस अभियान को लेकर आप की आलोचना के बीच आई है।

संक्षिप्त खबरें

ड्रग्स तस्करी के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस की नारकोटिक्स स्क्वाड ने ड्रग्स तस्करी के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से 165 गांजे के पाउच (कुल वजन लगभग 850 ग्राम) बरामद किए हैं। यह कार्रवाई जहांगीरपुरी इलाके में की गई, जहां आरोपित लंबे समय से गांजे की तस्करी में लिप्त था। गिरफ्तार आरोपित की पहचान जहांगीरपुरी निवासी शेख साहिल (25) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपित ने खुलासा किया कि वह पिछले छह महीनों से गांजे की तस्करी कर रहा था। पूछताछ में आरोपित बताया कि यह अपराध आसानी से पैसे कमाने की लालच में करना शुरू किया था। उत्तर-पश्चिम जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि पुलिस द्वारा क्षेत्र में नशा तस्करों पर लगाम कसने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में एच-ब्लॉक, जहांगीरपुरी क्षेत्र में एक तस्कर की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिली। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए टीम ने 10 जून को छापा मार कार्रवाई की और मौके से आरोपित शेख साहिल को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से 165 गांजे के पाउच बरामद किए गए, जिनका कुल वजन लगभग 850 ग्राम पाया गया। पूछताछ के दौरान आरोपित ने बताया कि वह मांग के अनुसार ग्राहकों को गांजा सप्लाई करता था।

सदर बाजार में तीन वाहन चोर गिरफ्तार

नई दिल्ली। सदर बाजार थाना पुलिस की टीम ने तीन वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से चोरी का एक ई-रिक्शा बरामद हुआ है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान ब्रह्मपुरी के अरमान, गौतम विहार के फिरोज और सीलमपुर के मोहम्मद फैजान के रूप में हुई है। उपायुक्त राजा बांठिया के मुताबिक, दो जून को पहाड़गंज के चंद्रभान पांडे ने ई-रिक्शा चोरी होने की शिकायत सदर बाजार थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस टीम ने घटनास्थल के पास लगे कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें तीनों आरोपित ई-रिक्शा चोरी करते कैद हुए। टीम ने उनके घरों पर छापेमारी की लेकिन वे फरार थे। इसके बाद अरमान और फिरोज को नौ जून को और तीसरे आरोपित फैजान को दस जून को आसपास के इलाकों से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपितों ने बताया कि वे अनपढ़ हैं और मजदूरी करते हैं। उन्हें महंगे मोबाइल फोन, जूते आदि रखने का शौक है। इसलिए, वे अपराध करने में शामिल हो गए। उन्होंने ई-रिक्शा को डीडीए पार्क इंजीनियरिंग कॉलेज के पास, शास्त्री पार्क में रखा था। जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया।

ओखला के बाटला हाउस में अनधिकृत निर्माण गिरेंगे, हाई कोर्ट का रोक लगाने से इनकार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने ओखला के बाटला हाउस के अनाधिकृत निर्माणों को गिराने के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। जस्टिस गिरीश कथपलिया की अध्यक्षता वाली वेकेशन बेंच ने कहा कि जनहित याचिका पर सामान्य आदेश पारित करना निजी पक्षकारों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। हाई कोर्ट ने उन सभी पक्षकारों को तीन दिन के अंदर याचिका दायर करने को कहा, जिन्हें ध्वस्त करने का नोटिस मिल चुका है।

सुनवाई के दौरान डीडीए ने कहा कि बाटला हाउस का पूरा इलाका पीएम-उदय योजना के तहत आता है। डीडीए ने कहा कि खसरा नंबर 279 में 43 बीघा भूमि है, जिसमें से नौ बीघे की भूमि पर अवैध कब्जा किया गया है। इस पर याचिकाकर्ता और आम आदमी पार्टी के नेता अमानतुल्लाह खान की की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सलमान खुर्शीद ने कहा कि बाकी भूमि पीएम-उदय का हिस्सा क्यों नहीं है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सलमान खुर्शीद से पूछा कि आपकी जनहित याचिका सुनवाई योग्य कैसे है, ये बताएं। तब खुर्शीद ने कहा कि याचिकाकर्ता अमानतुल्लाह खान जनप्रतिनिधि हैं। उन्होंने उन लोगों के लिए याचिका दायर की है, जो खुद याचिका दायर नहीं कर सकते हैं। खुर्शीद ने कहा कि ध्वस्तीकरण पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पूरी तरह पालन नहीं किया जा रहा है।

तब कोर्ट ने कहा कि कोई पीड़ति व्यक्ति ही याचिका दाखिल कर सकता है, हम सामान्य आदेश जारी नहीं कर सकते हैं। तब खुर्शीद ने तीन दिनों की मोहलत मांगी और कहा कि पीड़ितों को तीन दिनों के अंदर कानूनी विकल्प आजमाने का मौका दिया जाए। तब कोर्ट ने तीन दिनों के अंदर उन सभी पीड़ित लोगों को तीन दिन के अंदर याचिका दाखिल करने का निर्देश दिया। हाई कोर्ट ने 30 मई को बाटला हाउस के खीजर बाबा कॉलोनी के 115 निवासियों की संपत्तियों पर बुलडोजर कार्रवाई पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी थी। जस्टिस सचिन दत्ता की बेंच ने उत्तर प्रदेश के सिंचाई विभाग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया था। इसके पहले हाई कोर्ट ने जंगपुरा के मद्रासी कैंप की झुग्गियों को हटाने का आदेश दिया था, जिसके बाद वहां से झुग्गियों को हटाया गया।

दिल्ली सरकार ने 3.45 लाख से ज्यादा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए : स्वास्थ्य मंत्री

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि आयुष्मान भारत 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' (पीएमजेएवाई) 'स्वस्थ दिल्ली, सशक्त दिल्ली' की दिशा में ऐतिहासिक कदम साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार ने अब तक 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' और 'वय वंदना योजना' (वीवीवाई) के तहत 3 लाख 45 हजार से ज्यादा स्वास्थ्य कार्ड जारी कर चुकी है। स्वास्थ्य मंत्री ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इनमें से एक लाख 67 हजार कार्ड 'वय वंदना योजना' के तहत दिल्ली के वरिष्ठ नागरिकों को जारी किए गए हैं। वय वंदना कार्ड से 70 साल से अधिक के सभी बुजुर्गो को मुफ्त और कैशलेस इलाज की सुविधाएं प्रदान की जा रही है। राजधानी दिल्ली में अब तक 85 अस्पतालों को इस योजना से जोड़ा जा चुका है, जिनमें से 60 प्राइवेट और 25 सरकारी अस्पताल शामिल हैं। ये सभी अस्पताल सभी पात्र लाभार्थियों को कैशलेस इलाज की सुविधा प्रदान कर रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के दूरदर्शी नेतृत्व में दिल्ली सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ, सस्ती और समावेशी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाएं हैं। नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवा को मजबूत बनाने की दिशा में सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' और आयुष्मान वय वंदना योजना (वीवीवाई) के तहत बेहद कम वक्त में अब तक कुल 3,45,140 स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जा चुके हैं। इनमें से 1,66,841 कार्ड विशेष रूप से वय वंदना योजना के तहत वितरित किए गए हैं, जो अपनी तरह की अनोखी पहल है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की वय वंदना योजना को बुजुर्गों से सबसे उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है। योजना के तहत अबतक बने कार्ड के आंकड़ों से पता चलता है कि 1,24,215 स्व-पंजीकरण हुए हैं, जिनमें से 11,284 बीआईएस ऑपरेटरों के जरिए और 42 हजार 176 कॉमन सर्विस सेंटर्स (सीएससी) ऑपरेटरों के माध्यम से हुए हैं।

जो हमारी सरकार के कुशल और समावेशी पंजीकरण की सुलभ प्रकिया की सफलता को दर्शाता है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के निर्माण की दिशा में भी बेहद तेजी से काम कर रही है। हमारी सरकार आयुष्मान भारत मिशन के तहत आयुष्मान आरोग्य केंद्र को जमीनी स्तर पर आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वाले आधुनिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के रूप में विकसित करने का काम करने में जुटी है। राजधानी दिल्ली में 1139 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का निर्माण कर रही है। हमारी सरकार की प्राथमिकता यह है कि दिल्ली के 70 विधानसभा क्षेत्रों में समुचित संख्या में आरोग्य मंदिर बनाए जाएं, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं हर गली-मोहल्ले से लेकर लोगों के और करीब पहुंच सके।

प्रवेश वर्मा ने दरियागंज में जल एटीएम का उद्घाटन किया, हजार जल एमटीएम लगाने की घोषणा

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के लोक निर्माण एवं जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बुधवार को दरियागंज स्थित सर्वोदय कन्या विद्यालय में 'निःशुल्क शुद्ध जल सेवा' का उद्घाटन किया। यह सुविधा प्रतिदिन सैकड़ों छात्राओं एवं स्थानीय निवासियों को निःशुल्क, स्वच्छ व ठंडा पेयजल उपलब्ध कराएगी। यह कदम हीट एक्शन प्लान 2025 के तहत उठाया गया है।

इस अवसर पर प्रवेश साहिब सिंह ने घोषणा की कि सरकार का लक्ष्य अगले वर्ष तक स्कूलों और प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर लगभग 1000 जल एटीएम लगाने का है, जिससे प्रतिदिन 8 से 10 लाख लोगों को लाभ पहुंचेगा। प्रवेश साहिब सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह केवल पानी की सुविधा नहीं, बल्कि जीवन, स्वास्थ्य और सार्वजनिक सेवा को सम्मान देने की पहल है। यह योजना गर्मी से संबंधित समस्याओं का समाधान करने के साथ-साथ आम जनता, विशेषकर दिहाड़ी मजदूरों, विद्यार्थियों और राहगीरों के लिए स्वच्छ जल की सुलभता सुनिश्चित करती है। इन जल एटीएम में उन्नत जल शुद्धिकरण प्रणाली, तापमान नियंत्रण सुविधा एवं उच्च गर्मी के मौसम में अधिक उपयोग की क्षमता होती है।

ये इकाइयां ऊर्जा-कुशल होती हैं और इनका रखरखाव भी बेहद सरल है। इससे पहले कश्मीरी गेट आईएसबीटी, शालीमार बाग के स्कूलों, दिल्ली सचिवालय जैसे प्रमुख स्थानों पर जल एटीएम लगाए जा चुके हैं। कार्यक्रम के समापन पर प्रवेश साहिब सिंह ने दिल्लीवासियों के कल्याण हेतु सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि दिल्ली में कोई भी व्यक्ति प्यासा न रहे, विशेषकर गर्मी के इस कठोर मौसम में। हमारी सरकार एक जल-सुरक्षित और गर्मी-प्रतिरोधी राजधानी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

दिल्ली के चिड़ियाघर ने पशु देखभाल और कर्मचारी प्रशिक्षण के लिए वनतारा के साथ साझेदारी की

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली में राष्ट्रीय प्राणी उद्यान, पशु कल्याण संगठन 'वनतारा' के साथ साझेदारी में चिड़ियाघर में पशुओं की देखभाल, कर्मचारियों के प्रशिक्षण और समग्र प्रबंधन में सुधार की दिशा में काम करेगा।

वनतारा के सीईओ विवान करणी ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य चिड़ियाघर के संचालन को मजबूत करना और इसे दिल्ली के लोगों के लिए अधिक सार्थक और समृद्ध अनुभव में बदलना है। अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि सहयोग का उद्देश्य साझा संसाधनों, वैज्ञानिक विशेषज्ञता और आधुनिक सुविधाओं के माध्यम से पशु देखभाल का समर्थन करना है। इसमें कहा गया है कि इसे चिड़ियाघर को पशु कल्याण में वनतारा के विशेष ज्ञान के साथ जोड़ने के लिए डिजाइन किया गया है। इस समझौते को लेकर कुछ वर्गों ने आलोचना की है, तो कुछ ने आरोप लगाया है कि यह निजीकरण की ओर एक कदम है। हालांकि, वनतारा के एक बयान में कहा गया है कि इस साझेदारी में किसी भी स्वामित्व या प्रशासनिक नियंत्रण को हस्तांतरित नहीं किया जा रहा और यह पूरी तरह सहयोगात्मक प्रयासों पर केंद्रित है। करणी ने कहा कि यह दिल्ली सरकार द्वारा प्राणी विज्ञान और पशु कल्याण में विशेषज्ञता लाने के लिए एक दूरदर्शी कदम को दर्शाता है, ऐसे क्षेत्र जिनके लिए समर्पित, प्रशिक्षित पेशेवरों की आवश्यकता होती है।

उन्होंने कहा कि यह सहयोग भारत में पशु देखभाल के लिए एक नया मानक स्थापित करने की आकांक्षा रखता है, साथ ही राजधानी को ज्ञान, करुणा और देखभाल पर आधारित विश्व स्तरीय वन्यजीव पर्यावरण तक पहुंच प्रदान करता है।' बयान में कहा गया है कि समझौते के तहत दिल्ली चिड़ियाघर के कर्मचारियों को पशु देखभाल में अपने तकनीकी कौशल को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त होगा। इसमें कहा गया है कि चिड़ियाघर के कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए उनके समग्र कल्याण का समर्थन करने के लिए बीमा कवरेज भी प्रदान किया जाएगा। संगठन ने कहा कि जानवरों को संरक्षित स्थान देने के साथ-साथ, वनतारा का लक्ष्य चिड़ियाघर के कर्मचारियों को पशु कल्याण के क्षेत्र में विशेषज्ञ बनाना है। वनतारा ने कहा कि दिल्ली चिड़ियाघर के साथ इस साझेदारी के माध्यम से, वनतारा एक ऐसे भविष्य की कल्पना करता है जहां विशेषज्ञता, करुणा और सह-अस्तित्व भारत को पशु संरक्षण के क्षेत्र में वैश्विक रूप से अग्रणी बनने में मदद करता है।

दिल्ली में पारा 45 डिग्री के पार, कल से गर्मी से मिलेगी थोड़ी राहत

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी भीषण गर्मी की चपेट में है और कई इलाकों में तापमान 45.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया जिसके मद्देनजर भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है। बुधवार को जारी 'रेड अलर्ट' अगले दो दिन तक चरम स्थितियों के जारी रहने के पूर्वानुमान के बीच आया है। हालांकि, 13 जून की रात और 14 जून को कुछ राहत मिल सकती है और पश्चिमी विक्षोभ के कारण हल्की बारिश होने की संभावना है।

दोपहर दो बजे जारी आईएमडी के दैनिक मौसम बुलेटिन के अनुसार, 'दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में कई जगहों पर लू चलने की संभावना है' और तापमान 44 डिग्री सेल्सियस एवं 46 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। दिल्ली में बुधवार की सुबह गर्म रही और न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सफदरजंग मौसम केंद्र में तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि आयानगर में सबसे अधिक 45.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

दोनों ही मौसम केंद्रों पर दर्ज तापमान सामान्य से काफी अधिक हैं। राजधानी में सुबह के समय नमी का स्तर 39 प्रतिशत के मध्यम स्तर पर रहा, लेकिन गर्मी और शुष्क दक्षिण-पश्चिमी हवाओं के संयोजन ने परेशानी और बढ़ा दी है। 'रेड अलर्ट' में 'कार्रवाई करें' की चेतावनी होती है। इसमें निवासियों से गर्मी के संपर्क से बचने, शरीर में पानी की कमी नहीं हो इसके लिए पानी पीते रहने और बाहरी गतिविधियों को सीमित करने का आग्रह किया जाता है। इसमें सभी उम्र के लोगों को गर्मी से होने वाली बीमारियों और लू लगने की बहुत अधिक संभावना की चेतावनी दी जाती है और कमजोर लोगों को अत्यधिक देखभाल की सलाह दी जाती है।

आईएमडी में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ नरेश कुमार ने कहा कि दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान सहित उत्तर-पश्चिम भारत में भीषण गर्मी 12 जून तक जारी रहने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि 13 जून से एक पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से गरज के साथ हल्की बारिश आंशिक राहत ला सकती है और 'रेड अलर्ट' की जगह 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया जा सकता है।

कुमार ने बताया कि उत्तर-पश्चिम भारत में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। अगले तीन से चार दिन में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तरी मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में लू चलने की संभावना है। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के लिए अगले तीन दिन तक 'रेड अलर्ट' जारी रहेगा। कुमार ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में आज और कल के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया गया है। इसके बाद 13 जून को 'ऑरेंज अलर्ट' रहेगा। पश्चिमी विक्षोभ के कारण 13 जून की रात हल्की बारिश और गरज के साथ बारिश की संभावना है, जिससे कुछ राहत मिल सकती है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, अपराह्न दो बजे दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में दर्ज की गई और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 225 रहा। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार, एक्यूआई को शून्य से 50 के बीच 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है।

आईएमडी ने 12 जून और 13 जून को आंशिक रूप से बादल छाए रहने और गरज के साथ बारिश तथा 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी हवाएं चलने का अनुमान जताया है। अधिकारियों ने नागरिकों खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों जैसे संवेदनशील समूहों से एहतियाती उपाय करने का आग्रह किया है। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, 14 जून के बाद तापमान में थोड़ी गिरावट आने की उम्मीद है, हल्की से मध्यम बारिश के कारण तपती गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। तब तक, राष्ट्रीय राजधानी में 'हाई अलर्ट' रहेगा क्योंकि अत्यधिक तापमान स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा करता रहेगा।

संपादकीय

आदित्य वशिष्ठ

'अच्छे दिन' का इंतजार है

प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार ने 9 जून को सत्ता में 11 साल पूरे कर लिए हैं। लोकतंत्र में यह महत्वपूर्ण जनादेश और सरकारी स्थिरता का प्रतीक है। प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाद प्रधानमंत्री मोदी का कार्यकाल सबसे लंबा है। उनके मौजूदा कार्यकाल के अभी चार साल शेष हैं। भारत में प्रत्येक प्रधानमंत्री प्रशंसा और साधुवाद का पात्र है, क्योंकि आबादी 50 करोड़ रही हो अथवा अब 146 करोड़ से अधिक, विश्व में सर्वाधिक आबादी है, उनकी अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को संतोषजनक रूप से संबोधित करना, हल करने का प्रयास करना, बेहद मुश्किल काम है। बहरहाल मौजूदा मोदी सरकार का प्रथम द्रष्ट्या आकलन करें, तो यकीनन ये बदलाव, विकास और विस्तार के 11 साल हैं। कांग्रेस का इन्हें 'नाकामियों के 11 साल' करार देना स्वाभाविक है, क्योंकि वह प्रमुख विपक्षी दल है, लेकिन इतने लंबे सालों के बाद आज भी 'अच्छे दिनों' का इंतजार है। मोदी सरकार के अनुच्छेद 370 निरस्त करने, तीन तलाक का कानून बनाने, उज्ज्वला योजना, हर नल में जल, महिला वंदन अधिनियम, कश्मीर में दुनिया का सबसे ऊंचे, 359 मीटर, केबल स्टे रेलवे पुल बनवाने और चांद पर सफलता से उतरने से लेकर नोटबंदी, कोरोना तालाबंदी, तीन कृषि कानून, आर्थिक असमानताओं, बेरोजगारी, महंगाई, कुपोषण आदि तक सरकार ने सफलताएं भी अर्जित की हैं और नाकाम भी साबित हुई है, लेकिन सरकार की सक्रियता निरंतर रही है। यकीनन घर-घर शौचालय बनवाना सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक बदलाव का प्रतीक है। भारत 1947 में आजाद हुआ था। तब से 2014 तक देश की जीडीपी 2 ट्रिलियन डॉलर थी, लेकिन इन 11 सालों के दौरान कुल जीडीपी 4.187 ट्रिलियन डॉलर हो गई और भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। यह मोदी सरकार का करिश्मा नहीं है, बल्कि देश की बढ़ती आबादी का 'आउटपुट' है। जीडीपी का बुनियादी आधार जनसंख्या होती है, लेकिन चौथी अर्थव्यवस्था वाले देश की प्रति व्यक्ति आय 2.31 लाख रुपये है। विश्व की सर्वोच्च 10 अर्थव्यवस्था वाले देशों में भारत की प्रति व्यक्ति आय सबसे कम है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की हालिया रपटों में खुलासा किया गया है कि भारत में करीब 27 करोड़ लोग 'अत्यधिक गरीबी' से बाहर आए हैं। नतीजतन गरीबी की औसत दर 5 फीसदी से कुछ ज्यादा तक लुढ़क आई है। जो रोजाना 250 रुपये के करीब खर्च कर सकता है, उसे 'गरीब घर' आंका गया है। आईएमएफ और विश्व बैंक की रपटों को नकारा नहीं जा सकता, लेकिन बार-बार यह सवाल उठता रहा है कि यदि भारत सरकार करीब 81 करोड़ 'गरीब भारतीयों' को हर माह 'मुफ्त राशन' नहीं बांटेगी, तो क्या वे भूखों मर जाएंगे? भारत में गरीबी-रेखा के आधार और परिभाषाएं भिन्न हैं, लिहाजा आरएसएस का 'स्वदेशी जागरण मंच' अब भी स्वीकार करता है कि देश में करीब 11 करोड़ लोग 'गरीबी रेखा के नीचे' हैं। भारत में यह आर्थिक विरोधाभास कब खत्म होगा? या इसे खत्म किया ही नहीं जा सकता?

राहुल गांधी का चुनाव आयोग पर हमला क्यों

कांग्रेस और विपक्ष के ज्यादातर समर्थक राहुल के लेख के आधार यह मान चुके होंगे कि भाजपा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जीत चुनाव आयोग की मदद से हासिल की है। जिस चुनाव आयोग और संविधान के रहते कांग्रेस 55 साल तक शासन करती रही, अब उसे लगता है कि इसके गलत इस्तेमाल से भाजपा चुनाव जीत रही है जबकि इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत भी नहीं मिला है। इस सवाल का जवाब कांग्रेस और उसके समर्थकों को देना चाहिए कि भाजपा अभी तक बंगाल, केरल और तमिलनाडु में जीत हासिल क्यों नहीं कर पाई है। दूसरा सवाल यह है कि क्या कांग्रेस 55 साल तक चुनाव आयोग की मदद से ही चुनाव जीत रही थी। नेहरू, इंदिरा, राजीव और मनमोहन सिंह इसलिये देश के प्रधानमंत्री बने क्योंकि उन्होंने चुनाव आयोग की मदद ली थी। कांग्रेस क्या अभी तक देश को मूर्ख बनाकर शासन करती आ रही है। इसका दूसरा मतलब यह भी है कि आज तक जो भी सरकारें बनी हैं उन्हें जनता ने नहीं चुना था, वो इसलिए बनी क्योंकि चुनाव आयोग ने मदद की थी। ऐसी बातें राहुल गांधी विदेशों में भी करते हैं जिससे पूरी दुनिया मे संदेश जा रहा है कि भारत में लोकतंत्र नाम का है, जो कुछ है चुनाव आयोग है। वो जिसे चाहे जीता सकता है। ईवीएम से भी चुनाव जीता जा सकता है और भाजपा ईवीएम में छेड़छाड़ करके लगातार शासन कर रही है। राहुल ने अपने लेख को शीर्षक दिया है, ये मैच फिक्स है और चुनाव की चोरी का खेल समझिए। उन्होंने चुनाव आयुक्त के सरकार के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री द्वारा 2-1 के बहुमत से चुने जाने पर सवाल उठाया है।

- राजेश कुमार पासी

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद ऐसा लगता है कि राहुल गांधी बौखला गए हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि भाजपा का मुकाबला कैसे किया जाए, इसलिए वो उल्टे-सीधे बयान दे रहे हैं। पिछले 11 सालों से वो मोदी से लड़ते-लड़ते थक गए हैं और उन्हें आगे कोई उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है। उनकी हालत उस बच्चे जैसी हो गई है जो खिलौना न मिलने पर उसे तोड़ने की हद तक चला जाता है। कुछ ऐसा ही राहुल करते दिखाई दे रहे हैं। उन्हें न तो अब जनता पर भरोसा रहा है और न ही संविधान पर, बेशक वो संविधान को सिर पर उठाये घूम रहे हों। लगातार हार की हताशा में वो अब संवैधानिक संस्थाओं पर हमले कर रहे हैं। आज जो संस्थाएं पहले से कहीं ज्यादा स्वतंत्र और पारदर्शी तरीके से काम कर रही हैं, उन पर वो लगातार सवाल खड़े कर रहे हैं। विपक्षी नेता होने के कारण यह उनका अधिकार है लेकिन भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को बदनाम करने और कमजोर करने का हक किसी को नहीं है। वो केंद्रीय एजेंसियों पर हमला करते हैं जो कि इतना गलत नहीं है क्योंकि वो सीधे सरकार के नियंत्रण में काम करती हैं।

सवाल यह है कि संवैधानिक संस्थाओं पर हमला करना कैसे सही कहा जा सकता है। उन्होंने राष्ट्रीय समाचार पत्रों में एक लेख लिखकर चुनाव आयोग पर बड़ा हमला किया है। वैसे वो आयोग के खिलाफ बयान देते रहते हैं लेकिन इस लेख के माध्यम से उन्होंने यह बताने की कोशिश की है कि चुनाव आयोग भाजपा के साथ मिलकर उसे फायदा पहुंचा रहा है। लगातार तीन लोकसभा और दर्जनों विधानसभा चुनाव हारने के बाद वो अपनी राजनीति बदलने को तैयार नहीं हैं। कांग्रेस भी यह देखने को तैयार नहीं है कि उनका नेता मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा के सामने कहीं नहीं टिकता है, वो अपना नेता बदलने को तैयार नहीं है। वास्तव में कांग्रेस के पास कोई विकल्प ही नहीं है क्योंकि वो गांधी परिवार से आगे देख नहीं सकती। कांग्रेस को आज भी लगता है कि गांधी परिवार के अलावा उसके पास ऐसा कोई नेता नहीं है जो उसका नेतृत्व कर सके। चुनाव आयोग पर राहुल गांधी ने वही सवाल उठाए हैं जो पिछले कई सालों से दोहराते आ रहे हैं। लेख लिखकर उन्होंने चुनाव आयोग के खिलाफ एक मुहिम चलाने की कोशिश की है। ऐसा लगता है कि उन्होंने बिहार में अपनी संभावित करारी हार को सूंघ लिया है इसलिए वो महाराष्ट्र चुनाव में चुनाव आयोग की भूमिका को संदेह के घेरे में लेना चाहते हैं। जैसे आरोप उन्होंने लेख में लगाए हैं, उनके आधार पर वो चुनाव आयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जा सकते थे लेकिन वो मीडिया के माध्यम से उसे घेरना चाहते हैं। इसकी मुख्य वजह यह है कि चुनाव आयोग अब कुछ भी कहे लेकिन चुनाव आयोग की निष्पक्षता तो संदेह के घेरे में आ ही गई है। इस देश में आरोपों के पीछे की सच्चाई कोई देखना नहीं चाहता और सिर्फ आरोपों के आधार पर ही आरोपी को अपराधी मान लिया जाता है।

कांग्रेस और विपक्ष के ज्यादातर समर्थक राहुल के लेख के आधार यह मान चुके होंगे कि भाजपा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जीत चुनाव आयोग की मदद से हासिल की है। जिस चुनाव आयोग और संविधान के रहते कांग्रेस 55 साल तक शासन करती रही, अब उसे लगता है कि इसके गलत इस्तेमाल से भाजपा चुनाव जीत रही है जबकि इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत भी नहीं मिला है। इस सवाल का जवाब कांग्रेस और उसके समर्थकों को देना चाहिए कि भाजपा अभी तक बंगाल, केरल और तमिलनाडु में जीत हासिल क्यों नहीं कर पाई है। दूसरा सवाल यह है कि क्या कांग्रेस 55 साल तक चुनाव आयोग की मदद से ही चुनाव जीत रही थी। नेहरू, इंदिरा, राजीव और मनमोहन सिंह इसलिये देश के प्रधानमंत्री बने क्योंकि उन्होंने चुनाव आयोग की मदद ली थी। कांग्रेस क्या अभी तक देश को मूर्ख बनाकर शासन करती आ रही है। इसका दूसरा मतलब यह भी है कि आज तक जो भी सरकारें बनी हैं उन्हें जनता ने नहीं चुना था, वो इसलिए बनी क्योंकि चुनाव आयोग ने मदद की थी। ऐसी बातें राहुल गांधी विदेशों में भी करते हैं जिससे पूरी दुनिया मे संदेश जा रहा है कि भारत में लोकतंत्र नाम का है, जो कुछ है चुनाव आयोग है। वो जिसे चाहे जीता सकता है। ईवीएम से भी चुनाव जीता जा सकता है और भाजपा ईवीएम में छेड़छाड़ करके लगातार शासन कर रही है। राहुल ने अपने लेख को शीर्षक दिया है, ये मैच फिक्स है और चुनाव की चोरी का खेल समझिए। उन्होंने चुनाव आयुक्त के सरकार के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री द्वारा 2-1 के बहुमत से चुने जाने पर सवाल उठाया है। उनका कहना है कि ऐसे विपक्ष के नेता के वोट को अप्रभावी बना दिया गया है। उनका कहना है कि जिन लोगों ने चुनाव लड़ना है, वही अंपायर तय कर रहे हैं। सवाल यह है कि जो प्रक्रिया 77 सालों तक ठीक थी वो अब कैसे गलत हो गई। 2014 से पहले तो कोई प्रक्रिया ही नहीं थी, जिसे प्रधानमंत्री चाहे चुनाव आयुक्त बना देते थे। सिर्फ प्रधानमंत्री तय करता था कि चुनाव आयुक्त कौन होगा और घोषणा हो जाती थी। राहुल को बताना होगा कि नेहरू, इंदिरा, राजीव और मनमोहन सिंह ने चुनाव आयुक्त चुना तो वो निष्पक्ष कैसे था और अब मोदी सरकार चुन रही है तो वो पक्षपाती कैसे हो गया। तब वो लोकतांत्रिक तरीका था, अब वो अलोकतांत्रिक कैसे हो गया। उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची तैयार करने में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। सच्चाई यह है कि मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया में सभी पार्टियों के कार्यकर्ता शामिल होते हैं। अगर सूची बनाते समय गड़बड़ी की गई तो उनके कार्यकर्ताओं ने शिकायत क्यों नहीं की और अगर की तो उसे देश के सामने क्यों नहीं रखा गया।

दूसरी बात यह है कि यह सूची चुनाव के समय सभी पार्टियों को उपलब्ध करवाई जाती है। अगर उसमें फर्जी वोटर थे तो कांग्रेस पार्टी ने उनके खिलाफ शिकायत क्यों नहीं की। उन्होंने मतदान प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। अब सवाल उठता है कि जब मतदान के समय गड़बड़ी की जा रही थी तो कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों के चुनावी एजेंट क्या कर रहे थे। चुनावी एजेंट तो मतदान की प्रक्रिया पूरी होने तक वही रहता है। मतदान प्रक्रिया खत्म होने के बाद एजेंटों ने फॉर्म सी पर हस्ताक्षर क्यों किये। बड़ा सवाल यह है कि मतदान केंद्र पर सारा दिन बैठने वाले एजेंट कुछ नहीं देख पाये लेकिन राहुल ने घर बैठे सब कुछ देख लिया। उन्होंने फर्जी वोटिंग का मुद्दा उठाया है लेकिन सवाल फिर यह है कि उनके एजेंटों के सामने फर्जी वोटिंग कैसे हो गई जबकि एजेंट अपने इलाके के लोगों को पहचानते हैं। मतदान केंद्र पर गड़बड़ी होने पर एजेंट की शिकायत पर चुनाव आयोग कार्यवाही करता है। एजेंट चुप हैं लेकिन राहुल गांधी बोल रहे हैं। क्या राहुल को अपने कार्यकर्ताओं पर भरोसा नहीं है या उनका मानना है कि वो भाजपा के साथ मिल गए हैं। अगर राहुल मानते हैं कि उन्होंने सच लिखा है तो मामला बहुत गंभीर है, सवाल यह है कि क्या राहुल और कांग्रेस इसे सच मानते हैं। अगर उन्हें पता है कि यह सच है तो उनके पास सबूत और गवाह भी होंगे तो वो अब तक चुप क्यों है, चुनाव आयोग या सुप्रीम कोर्ट क्यों नहीं गए। चुनाव परिणाम घोषित होने से पहले ही कांग्रेस शोर मचा सकती थी। अगर चुनाव परिणाम घोषित होने तक कांग्रेस सो रही थी तो वो सुप्रीम कोर्ट जा सकती थी और चुनावी गड़बड़ी के सारे सबूत वहां प्रस्तुत कर सकती थी। चुनाव आयोग ने कहा है कि वो तभी कार्यवाही करेगा जब इसकी लिखित में राहुल गांधी, उनकी पार्टी या कार्यकर्ता शिकायत करेंगे। वैसे भी परिणाम घोषित होने के बाद चुनाव आयोग कुछ नहीं कर सकता, तब अदालत ही कुछ कर सकती है।

अगर राहुल और कांग्रेस कुछ करना नहीं चाहते तो दो बातें हो सकती है। पहली तो उनके पास कोई सबूत और तर्क नहीं है दूसरी कि जब उनके पास कोई तर्क और तथ्य नही है तो मुद्दे को गर्माते रहो और शोर मचाओ ताकि जनता को लगे कि चुनाव आयोग गड़बड़ कर रहा है। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, उस पर राजनीति के लिए आरोप लगाना मतलब संविधान और लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ करना है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को खत्म करना है। ऐसा लगता है कि राहुल गांधी का मकसद जनादेश को अस्वीकार करना और चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को खत्म करना है। राहुल समझ चुके हैं कि राजनीति करना उनके बस की बात नहीं है इसलिए वो अराजकता पैदा करना, संविधान को खत्म करना, लोकतंत्र को कमजोर करना और देश को बर्बाद करना चाहते हैं। अगर जनता में लोकतंत्र से आस्था खत्म हो गई तो देश बर्बाद हो जायेगा, राहुल गांधी उसी राह पर जाते दिखाई दे रहे हैं।

धर्म के आवरण में दरिंदिगी: कुछ तो गड़बड़ है

- निर्मल रानी

हमारे देश में जितना अधिक धर्म का ढिंढोरा पीटा जा रहा है अधर्म भी उतनी ही तेजी से बढ़ता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों से ऐसे मामलों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। खासतौर से जब से आसाराम, स्वामी चिन्मयानंद, गुरमीत राम रहीम, स्वामी नित्यानंद, दाती महाराज, रामपाल, आसाराम के कुपुत्र नारायण साईं, भीमानंद महाराज उर्फ शिवमूरत द्विवेदी, राम शंकर तिवारी उर्फ स्वामी परमानंद व आशु भाई महाराज जैसे स्वयंभू संतों व डेरा संचालकों से जुड़े मामले सामने आये व इनमें से कई को बलात्कार व यौन शोषण के मामले में जेल जाना पड़ा तब से तो 'धर्म क्षेत्र' में इस तरह के कुकर्मों की गोया झड़ी सी लग गयी। देश में न जाने कितने साधु वेश धारी मंदिर के पुजारी या किसी न किसी रूप में धर्म क्षेत्र से जुड़े लोग यौन हिंसा के शर्मनाक मामलों में पकड़े जा चुके हैं।

पिछले दिनों उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दीपक वर्मा नामक एक बलात्कारी को थाना आलमबाग के अंतर्गत पुलिस ने सूर्योदय से पूर्व ही सुबह सवेरे मुठभेड़ में मार गिराया, यह व्यक्ति भी धर्म का चोला ओढ़े रहता था। स्वयं को माता का भक्त प्रदर्शित करने वाला यह कुकर्मी माता रानी के जागरण समारोहों में झांकियां सजाने व झांकियां निकालने का काम किया करता था। इसने चंद्रनगर मेट्रो स्टेशन के नीचे से ढाई-तीन साल की बच्ची को, जो अपने पिता के साथ लेटी हुई थी, चुपके से उसका अपहरण कर उसे उठा लगाया। बाद में इस व्यक्ति ने उस बच्ची के साथ बड़ी ही बेरहमी के साथ दुष्कर्म किया था। मासूम बच्ची अभी भी गंभीर अवस्था में इलाज करा रही है। पुलिस ने माता भक्त इस आरोपी पर एक लाख का इनाम भी घोषित कर दिया था। उसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की और गत वीरवार को देर रात थाना आलमबाग क्षेत्र के मवैया के निकट एनकाउंटर में ढेर कर दिया।

भारत जैसे धर्म प्रधान देश में में यौन शोषण के मामलों का तेजी से बढ़ना अत्यंत चिंता का विषय है। हालांकि देश में यौन शोषण को लेकर काफी कड़े कानून भी बने हुये हैं फिर भी यह एक प्रमुख सामाजिक समस्या बनी हुई है। खासकर धर्म क्षेत्र में कुकर्मियों व अधर्मियों का प्रवेश कर जाना धार्मिक सीख व शिक्षाओं पर भी सवाल खड़े करता है। एक अनुमान के अनुसार भारत में प्रत्येक 22 मिनट में एक बलात्कार का मामला दर्ज होता है। इसमें वह मामले शामिल नहीं हैं जो भयवश या लाज वाश अथवा सुलह सफाई के बाद या फिर सामाजिक कलंक या कमजोर कानूनी व्यवस्था के कारण दर्ज नहीं होते और वह सरकारी रिकार्ड में नहीं आ पाते। अन्यथा यह

आंकड़े और भी चौंकाने वाले हो सकते हैं। वैसे तो दक्षिण अफ्रीका, स्वीडन, संयुक्त राज्य अमेरिका, इंग्लैंड, मिस्त्र, फ्रांस व इथियोपिया जैसे देश भी महिला शोषण व बलात्कार जैसे मामलों में बदनाम देशों की सूची में शामिल हैं। परन्तु इनमें से कोई भी देश धर्म का उस स्तर पर ढिंढोरा नहीं पीटता जितना भारत में देखने को मिलता है। स्वयं को धर्म प्रधान प्रदर्शित करने वाले भारत जैसे देश में बेशक यह एक अत्यंत गंभीर व संवेदनशील मुद्दा है।

कहीं आश्रमों, मंदिरों व चर्चों में यौन शोषण के मामले सामने आते हैं जहां महंत, पुजारी, पादरी जैसे धर्म के आवरण में छुपे लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगता है। जैसे कुछ समय पूर्व कानपुर में एक पीड़िता को पहले नशीला लड्डू खिलाया गया फिर उसका यौन शोषण कर घटना का वीडियो बनाकर उसे धमकाया गया। चार महीने बाद गोविंद नगर थाने में शिकायत तो दर्ज ज़रूर हुई, लेकिन परन्तु चूंकि महंत, पुजारी, और अन्य रेपिस्ट प्रभावशाली थे इस कारण उनके विरुद्ध पुलिस ने देर से कार्रवाई की। इसी तरह मई 2025 में आगरा के एक मंदिर में 5 साल की बच्ची के साथ बलात्कार की घटना चर्चा में रही। इस मामले में पुलिस ने शुरू में आरोपी को छोड़ दिया था लेकिन वीडियो वायरल होने के बाद उसे फिर से गिरफ्तार किया गया।

इसी तरह अप्रैल 2025 में सीतापुर में एक मंदिर के पुजारी पर नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने और एक पत्रकार की हत्या का आरोप लगा था। ऐसे ही सतना के नादन थाना क्षेत्र में एक कथा वाचक नारायण स्वरूप त्रिपाठी ने तीन नाबालिग बहनों को काल सर्प दोष की पूजा करने के बहाने अपने कमरे में बुलाकर उनका बलात्कार किया। पीड़िता बहनों के परिजनों की शिकायत पर नादन थाना पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। इसी तरह कुछ समय पूर्व दिल्ली के द्वारका में बाबा मसानी नामक एक 'राक्षस' को पुलिस ने गिरफ्तार किया। इसने पहले तो एक महिला से पांच लाख रुपये मांगे। बाद में पैसे न मिलने से खिन्न इस दुष्ट ने उस महिला को नशीला पदार्थ खिलाकर उससे बलात्कार किया। यह बाबा माता मसानी चौकी के नाम से अपना दरबार चलाता है। यह यू ट्यूबर भी है।

ऐसे ही केरल में कैथोलिक चर्च से जुड़े यौन शोषण के मामले चर्चा में रहे। एक नन ने जालंधर के रोमन कैथोलिक चर्च के बिशप पर 14 बार यौन शोषण का आरोप लगाया था। 2019 में तो पोप फ्रांसिस ने भी स्वीकार किया था कि भारत, लैटिन अमेरिका, इटली, और अफ्रीका में बिशप और प्रीस्ट द्वारा ननों का यौन शोषण हुआ है। पटना में 2017 में एक पादरी पर दो महिलाओं के साथ बलात्कार और धर्म परिवर्तन के नाम पर यौन शोषण का आरोप लगा। इसी प्रकार दिसंबर 2024 में संभल, उत्तर प्रदेश, में एक मस्जिद के मौलाना साजिद और उसके भाई पर 13 साल की बच्ची के साथ बलात्कार की कोशिश और तीन घंटे तक बंधक बनाने का आरोप लगा। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया।

एक तथ्य यह भी है कि धार्मिक संस्थानों में यौन शोषण के मामलों को अक्सर दबाने की कोशिश की जाती है। इसकी वजह यह है कि एक तो धार्मिक संस्थान समाज में सम्मानित स्थान माने जाते हैं। दूसरे यह कि वोट बैंक के चलते इनके राजनैतिक रुसूख भी होते हैं। यही वजह है कि ऐसे कई मामलों में, प्रभावशाली व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई में देरी होती है। जैसे कि आगरा और कानपुर की घटनाओं में पुलिस की प्रारंभिक निष्क्रियता की काफी आलोचना हुई थी। धर्मस्थानों में होने वाली व धर्मिकता का लिबादा ओढ़े लोगों द्वारा ऐसे घटनाओं को अंजाम देने की प्रवृति ने धार्मिक सोच धार्मिक शिक्षा व धार्मिक संस्थानों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिये हैं। लिहाजा इस निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई हर्ज नहीं कि धर्म के आवरण में दरिंदिगी फैलाने जैसे अधर्म में कहीं न कहीं कुछ न कुछ गड़बड़ तो जरूर है।

शिव ने बनाया जीवन को मधुमय

सामाजिक क्षेत्र में मनुष्य के बीच जो व्यवधान था, उसे समाप्त कर मानवता के कल्याण के लिए शिव हमेशा प्रयत्नशील रहे। कोमलता व कठोरता के प्रतीक शिव ने मनुष्य को जो सबसे बड़ी वस्तु दी है, वह है धर्मबोध। इस कारण शिव ने मनुष्य को अंतर जगत में ईश्वर की प्राप्ति का रास्ता दिखाया। वह रास्ता परम शांति का रास्ता है। शिव के इसी पथ को शैव धर्म कह कर पुकारा जाता है। शिव ने देखा था कि उस ऋग्वेदीय युग में छंद थे, किन्तु राग-रागिनियों की उत्पत्ति नहीं हुई थी। केवल छंदों के रहने से ही तो गाना नहीं गाया जा सकता। यानी उस काल में मनुष्य छंद के साथ परिचित था, किंतु सात स्वरों से उसका परिचय नहीं हुआ था। इसलिए भगवान शिव ने सात जंतुओं की ध्वनि को केंद्र बना कर सुरसप्तक का आविष्कार किया, जिसने छंदों को ज्यादा मधुर व सरल बनाया। इस तरह सुरसप्तक का आविष्कार कर शिव ने जीवन को और भी मधुमय बना दिया था। यह कम गौरव की बात नहीं है। केवल गीत या संगीत को ही शिव ने नियमबद्ध बनाया हो, ऐसी बात नहीं है। ध्वनि विज्ञान के विविध रूपों से भी परिचय उन्होंने ही कराया। ध्वनि विज्ञान, स्वर विज्ञान पर निर्भर है। मनुष्य के श्वास-प्रश्वास पर निर्भर है। उसी आधार पर शिव ने छंदमय जगत को मुद्रामय बना दिया था। छंद के साथ उन्होंने नृत्य की संगति बैठाई और उसके साथ मुद्रा का योग कर दिया। एक-एक मुद्रा मनुष्य की ग्रंथियों (ग्लैंड्स) को एक-एक प्रकार से प्रभावित करेगी तथा दर्शक व श्रोता का मन भी उससे प्रभावित होगा। ढाक पर लकड़ी का ठोका पड़ने से ही वह वाद्य नहीं कहा जा सकता, वहां भी छंद एवं सुरसप्तक की संयोजना की आवश्यकता है। वह छंद और मुद्रा के साथ संगति रख कर ही बजेगा। नृत्य, गीत और वाद्य का आविष्कार करने के बाद शिव रुक नहीं गए। शिव ने अपने ज्ञान को फैलाया। इससे पहले मनुष्य समाज में विवाह-प्रथा नहीं थी। किंतु शिव ने विवाह-व्यवस्था दी, जिसका अर्थ है-अपने को एक विशेष नियम के अनुसार चलाना। उसका नाम है शैव विवाह। शैव विवाह में पात्र-पात्री पूरा दायित्व लेकर ही विवाह करेंगे और उसमें जाति-कुल को लेकर कोई विचार नहीं किया जायेगा। शिव इतने पर भी नहीं रुके। उन्होंने योग तंत्र के व्यावहारिक पक्ष को भी नियमबद्ध किया। आदर्श पालन में शिव थे कठोर, अति कठोर। किंतु व्यवहार में मनुष्य के साथ वह थे अत्यंत ही कोमल। एक ही आधार में कठोरता और कोमलता का सुंदर मिलन इससे पहले पृथ्वी पर मनुष्यों को देखने को नहीं मिला था।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

1962 – अमेरिका में सैन फ्रांसिस्को की खाड़ी में स्थित कड़ी सुरक्षा वाले कारागार एलकटराज से तीन कैदी भाग निकले। इस जेल को सुरक्षा के लिहाज से अकाट्य माना जाता था। यहां सबसे खूंखार कैदियों को रखा जाता था।

1964 – अफ्रीका में रंगभेद के खिलाफ आंदोलन की अगुवाई करने वाले अश्वेत नेता नेल्सन मंडेला को सरकार के खिलाफ साजिश का दोषी ठहराते हुए उम्र कैद की सजा।

1975 – इलाहाबाद हाई कोर्ट ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को चुनाव में सरकारी मशीनरी के गलत इस्तेमाल का दोषी पाया और उनके निर्वाचन को अमान्य करार दिया।

1987 – ब्रिटेन के आम चुनाव में मार्गरेट थैचर की तीसरी बार ऐतिहासिक विजय।

1998 – भारत और पाकिस्तान को परमाणु परीक्षण के कारण जी-8 के देशों ने ऋण नहीं देने का निर्णय किया।

2001 – सीमा मुद्दे पर भारत-बांग्लादेश वार्ता शुरू।

2002 – बालश्रम निषेध दिवस की शुरुआत। इस दिवस का मकसद लोगों में बालश्रम को लेकर जागरुकता फैलाना था।

2002 – स्वीडन के साथ मैच ड्रा होने के साथ ही अर्जेन्टीना विश्व कप फुटबाल से बाहर।

2004 – तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बुश ने उत्तरी कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जांग द्वितीय के साथ सीधी बातचीत का प्रस्ताव ठुकराया।

2007 – ऑस्ट्रेलिया के स्कूलों में सिख विद्यार्थियों को धार्मिक प्रतीक कृपाण रखने की इजाजत मिली।

2007 – कनाडा में होने वाले जीव विज्ञान ओलम्पियाड में चार भारतीयों का चयन।

शिमला समझौता: सवालों के घेरे में पाकिस्तान की मंशा

- डॉ. ब्रजेश कुमार मिश्र

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में 1972 के शिमला समझौते को 'मृत दस्तावेज' करार देते हुए कहा कि पाकिस्तान अब कश्मीर पर 1948 की स्थिति पर लौट आया है, जहां नियंत्रण रेखा सिर्फ एक संघर्ष-विराम रेखा है। यह बयान पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के स्थगन के पश्चात आया। आसिफ ने कहा कि भारत-पाक द्विपक्षीय ढांचा समाप्त हो चुका है और शिमला समझौता अब लागू नहीं रहा। उन्होंने यह भी जोड़ा कि चाहे सिंधु जल संधि निलंबित हो या नहीं, शिमला समझौते का अंत हो चुका है। वास्तव में ख्वाजा आसिफ के इस बयान के पीछे मकसद क्या है? क्या यह वास्तव में पाकिस्तान की गीदड़ भभकी है या फिर इसके पीछे कुछ यथार्थता भी है? वस्तुतः इसे जानने से पूर्व शिमला समझौता और पाकिस्तान का उस पर क्या स्टैंड है जानना आवश्यक है।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान की सरकारों ने एक दूसरे के खिलाफ ठोस कदम उठाए। भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को एकतरफा रूप से स्थगित करने की घोषणा की जो पाकिस्तान की जीवन रेखा मानी जाती है। इस कदम का सीधा प्रभाव पाकिस्तान पर पड़ा और भारत को कूटनीतिक लाभ मिला। इसके प्रत्युत्तर में पाकिस्तान ने भी भारत जैसी ही प्रतिक्रिया दी और 1972 के शिमला समझौते को एकतरफा निलंबित करने की घोषणा कर दी। शिमला समझौता एक युद्धोत्तर समझौता था, जिसमें यह निर्धारित किया गया था कि 1949 की संघर्ष-विराम रेखा को नियंत्रण रेखा में बदला जाएगा और भारत-पाकिस्तान आपसी विवादों का समाधान शांतिपूर्ण तरीकों से, बिना किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के करेंगे।

भारत और पाकिस्तान के बीच 3 जुलाई 1972 को हुए इस ऐतिहासिक समझौते पर तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के राष्ट्रपति जुल्फिकार अली भुट्टो ने हस्ताक्षर किए थे। यह समझौता 1971 के युद्ध के बाद हुआ, जब पाकिस्तान से विभाजित होकर बांग्लादेश एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में आया। दोनों देशों भारत तथा पाक ने अतीत के संघर्षों और टकरावों को समाप्त कर उपमहाद्वीप में स्थायी शांति और सौहार्दपूर्ण संबंधों की स्थापना का संकल्प लिया। समझौते के तहत, भारत और पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों का पालन करने, आपसी मतभेदों को शांतिपूर्ण द्विपक्षीय वार्ता के माध्यम से हल करने तथा किसी भी विवाद का अंतिम समाधान होने तक यथास्थिति बनाए रखने पर सहमत हुए। दोनों पक्षों ने बल प्रयोग या उसकी धमकी से दूर रहने, एक-दूसरे की क्षेत्रीय अखंडता, राजनीतिक स्वतंत्रता और आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने की प्रतिबद्धता जताई। साथ ही, शत्रुतापूर्ण प्रचार को रोकने और मैत्रीपूर्ण सूचनाओं को प्रोत्साहित करने, डाक, तार, सड़क, समुद्र और वायु संपर्क बहाल करने, नागरिकों की यात्रा सुविधाएँ बढ़ाने तथा विज्ञान व संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग को प्रोत्साहन देने पर सहमति बनी। भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं को अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अपने-अपने स्थानों पर वापस लौटने और जम्मू-कश्मीर में 17 दिसंबर 1971 की युद्धविराम रेखा का सम्मान करने का निर्णय भी लिया गया। यह समझौता दोनों देशों की संवैधानिक प्रक्रियाओं के तहत अनुमोदन के बाद प्रभावी हुआ और भविष्य में प्रतिनिधि स्तर की वार्ताओं और शीर्ष नेतृत्व की बैठकों के माध्यम से संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ने पर इस समझौते के द्वारा सहमति बनी। अंततः, दोनों देश इस बात पर सहमत हुए कि उनके प्रमुख भविष्य में उपयुक्त समय पर फिर मिलेंगे और प्रतिनिधि स्तर की वार्ताओं द्वारा युद्धबंदियों की वापसी, कश्मीर मुद्दे का समाधान और राजनयिक संबंधों की पुनर्बहाली जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी।

इस समझौते के बाद लगभग 93,000 पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों, सैनिकों, अर्धसैनिक बलों के सदस्य और कुछ नागरिकों को जो युद्ध बंदी थे, को 1974 के दिल्ली समझौते के तहत चरणबद्ध तरीके से पाक को सौंप दिया गया। साथ ही भारत ने सद्भावना और शांति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए युद्ध के दौरान सिंधु क्षेत्र में कब्जाए गए 13, 000 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्रफल को पाक को लौटा दिया। यह कदम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की शांति-प्रिय छवि को दर्शाता है। हालांकि, भारत ने सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण चोरबत घाटी के तुरतुक और चालुंका जैसे इलाकों को अपने नियंत्रण में बनाए रखा। ये क्षेत्र न केवल पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र के करीब स्थित हैं, बल्कि सियाचिन ग्लेशियर की ओर भारत की रणनीतिक पकड़ को और भी मजबूत करते हैं। युद्ध के बाद हुए शिमला समझौते (1972) में इन इलाकों की स्थिति पर भारत की स्थिति स्पष्ट रही और यह क्षेत्र आज भी भारत के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं।

यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने शिमला समझौते पर प्रश्न उठाए हैं। उसके द्वारा सियाचीन 1984 और कारगिल 1999 में लाइन ऑफ कंट्रोल को बदलने की कोशिश की गयी थी हालांकि भारत ने पाकिस्तान के दोनों प्रयासों को विफल कर दिया। पिछले कुछ वर्षों से वह इस द्विपक्षीय ढांचे को लेकर असहजता प्रकट करता रहा है। अगस्त 2019 में भारत द्वारा अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद पाकिस्तान ने शिमला समझौते को निलंबित करने की चेतावनी दी थी। पाकिस्तान लगातार इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहा है, जबकि भारत ने स्पष्ट किया है कि जम्मू-कश्मीर भारत का आंतरिक विषय है। भारत का हमेशा यह रुख रहा है कि कश्मीर मसला द्विपक्षीय है और किसी भी तीसरे पक्ष की इसमें कोई भूमिका नहीं हो सकती। इसके विपरीत पाकिस्तान बार-बार इसे अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनाने का प्रयास करता रहा है, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता पर भी असर पड़ता है। पाकिस्तान के इस कदम से यह स्पष्ट होता है कि अब वह द्विपक्षीय समझौतों से पीछे हटने की नीति अपना रहा है, जिससे दक्षिण एशिया की स्थिरता पर प्रश्नचिन्ह लग गया है। हालांकि पाकिस्तान द्वारा शिमला समझौते पर कोई अधिकृत पत्र जारी नही किया गया है जिससे यह ज्ञात हो सके कि पाकिस्तान ने स्वयं को इस संधि से अलग कर लिया हो, जैसा भारत के द्वारा सिंधु नदी संधि पर औपचारिक रूप से ज्ञापन जारी किया गया था।

सिंधु समझौते की समाप्ति से लेकर अब तक पाकिस्तान भारत से इस विषय पर वार्ता करने के लिए चार बार गुजारिश कर चुका है किंतु भारत अभी भी अपने स्टैंड पर कायम है। जहां तक ख्वाजा आसिफ के बयान का सवाल है तो इतना तो यह तय है कि पाकिस्तान अपने पुराने रवैये पर कायम है। मतलब पाक पर कभी भी विश्वास नही किया जा सकता है। हालांकि आसिफ यह भूल चुके है कि यदि शिमला समझौते से पाक वास्तव में पीछे हट गया है तो इसका लाभ भारत को भी मिलेगा। इससे भारत को गुलाम कश्मीर पर अपना वर्चस्व स्थापित करने का अवसर मिल जाएगा। पाकिस्तान वस्तुतः रणनीतिक तौर पर अपने को छद्म तरीके से सर्वोच्च साबित करने में लगा है। वह आज इस स्थिति में इस कारण है क्योंकि चीन और तुर्की से उसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान परोक्ष रूप से मदद मिल रही थी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए है: उपराज्यपाल

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि आगामी वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सिन्हा ने श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए आने की अपील की। सिन्हा ने पवित्र गुफा में 'प्रथम पूजा' कर इस वर्ष की वार्षिक अमरनाथ यात्रा की औपचारिक शुरुआत की।

सिन्हा ने कहा कि प्रथम पूजा संपन्न हो गई। मैं श्रद्धालुओं से अनुरोध करता हूं कि वे बड़ी संख्या में यात्रा के लिए आएं। यह यात्रा तीन जुलाई से शुरू होगी और नौ अगस्त को रक्षा बंधन के दिन समाप्त होगी। उन्हें आना चाहिए और बाबा का आशीर्वाद लेना चाहिए।

उपराज्यपाल ने बाद में 'एक्स' पर कहा, 'हर हर महादेव! मैंने बाबा बर्फानी को नमन किया और पवित्र गुफा में 'प्रथम पूजा' की, जिसके साथ वार्षिक श्री अमरनाथ जी यात्रा की औपचारिक शुरुआत हुई। बाबा अमरनाथ जी हम सभी पर अपना दिव्य आशीर्वाद बनाए रखें।' उन्होंनें कहा कि जम्मू कश्मीर प्रशासन, श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड, सेना, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ), केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ), जम्मू कश्मीर पुलिस और सभी हितधारक पूरी निष्ठा, समर्पण, आपसी सहयोग और स्पष्ट उद्देश्यों के साथ कार्य कर रहे हैं, ताकि श्रद्धालुओं की यात्रा निर्बाध, सुरक्षित और सुगम रहे।

उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर की जनता, नागरिक समाज और सभी सेवा प्रदाताओं का अमूल्य योगदान हमेशा से अत्यंत सराहनीय रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस वर्ष सुविधाओं और सेवाओं में किए गए महत्वपूर्ण सुधारों से यह यात्रा सभी श्रद्धालुओं के लिए यादगार और आध्यात्मिक रूप से अत्यंत संतोषजनक सिद्ध होगी। इससे पहले सिन्हा ने तीर्थयात्रा के बालटाल मार्ग पर यात्रा कार्यों का निरीक्षण किया।

एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि सिन्हा ने कश्मीर के गांदरबल जिले के बालटाल स्थित श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड के आपदा प्रबंधन एवं यात्री निवास परिसर में जारी कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

सिन्हा ने अधिकारियों को 38 दिवसीय यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ाने के लिए विकसित की जा रही बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई को दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के दो स्थलों बालटाल और पहलगाम से शुरू होगी।

लाडकी बहिन योजना के लिए अन्य विभागों से कोई धन नहीं लिया गया: बावनकुले

मुंबई। महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने बुधवार को उन दावों का खंडन कर दिया जिसमें कहा गया है कि राज्य सरकार ने लाडकी बहिन योजना के लिए अन्य विभागों से धनराशि ली है। उन्होंने कहा कि देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार समाज के कमजोर वर्ग की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। हाल में राज्य के सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट ने अजित पवार के नेतृत्व वाले वित्त विभाग पर मनमानी का आरोप लगाया था और इसे उनकी जानकारी के बिना उनके विभाग से धन का अवैध रूप से हस्तांतरण बताया था।

शिवसेना के मंत्री ने स्वीकार किया था कि पिछले साल विधानसभा चुनाव से पहले शुरू की गई महिला-केंद्रित कल्याण योजना के कारण राज्य को वित्तीय दबाव का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा था कि बेहतर होगा कि राज्य सरकार आवंटित धन को समय-समय पर दूसरे कामों में लगाने के बजाय सामाजिक न्याय विभाग को ही बंद कर दे। अगस्त 2024 में शुरू की गई महायुति सरकार की प्रमुख योजना 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' के तहत राज्य की पात्र महिलाओं को 1,500 रुपये की मासिक सहायता दी जाती है। इस योजना का अनुमानित वार्षिक खर्च 40,000 करोड़ रुपये से अधिक है।

सत्तारूढ़ भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के नेता बावनकुले ने शिरसाट के आरोपों से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि एक कानूनी प्रावधान है जो सुनिश्चित करता है कि सामाजिक न्याय और आदिवासी विकास जैसे विभागों के लिए निर्धारित धन को किसी अन्य उद्देश्य के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ये कोष आरक्षित हैं और सरकार के पास उन प्रावधानों को खत्म करने का कोई अधिकार नहीं है। कई बार कोष के वितरण में देरी हो सकती है, लेकिन इसे अन्य विभाग से धनराशि लेने के रूप में गलत नहीं समझा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि फडणवीस सरकार समाज के कमजोर वर्ग के लिए किए गए बजटीय आवंटन की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि यह प्रशासन सामाजिक न्याय और जनजातीय विकास विभागों को आवंटित धनराशि में कभी हस्तक्षेप या इसका दुरुपयोग नहीं करेगा। शिरसाट ने दो मईको दावा किया था कि लाडकी बहिन योजना के वित्तपोषण के लिए सामाजिक न्याय विभाग से 413 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि पुनः आवंटित की गई थी।

नीतीश कुमार ने डबल डेक फ्लाईओवर का लोकार्पण और राजकीय उर्दू पुस्तकालय के नये भवन का किया उद्घाटन

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 422 करोड रुपये लागत से निर्मित अशोक राजपथ पर कारगिल चौक (गांधी मैदान) से साइंस कॉलेज भाया पीएमसीएच डबल डेक फ्लाईओवर का कारगिल चौक के पास आयोजित कार्यक्रम स्थल पर अनावरण कर लोकार्पण किया।

लोकार्पण के पश्चात मुख्यमंत्री ने कारगिल चौक से साइंस कॉलेज और साइंस कॉलेज से कारगिल चौक तक डबल डेक फ्लाईओवर का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने डबल डेक फ्लाईओवर पर रूककर पीएमसीएच से इसके कनेक्टिविटी के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह डबल डेक फ्लाईओवर बहुत अच्छा बना है। इस पथ के निर्माण से अशोक राजपथ में जाम की समस्या से निजात मिलेगी और यातायात व्यवस्था सुगम होगी।

डबल डेक फ्लाईओवर का कार्य प्रारम्भ जनवरी, 2022 में हुआ था, जिसका निर्माण पूर्ण हो गया है। इस पथ का निर्माण अशोक राजपथ के ऊपर दो लेयर (डेक) में किया गया है, जो गांधी मैदान के पास कारगिल चौक से प्रारम्भ होकर पीएमसीएच होते हुए साइंस कॉलेज तक जाता है। एलिवेटेड कॉरिडोर के ऊपरी डेक (टीयर-II) की लम्बाई 2175.50 मीटर है जो गांधी मैदान से साइंस कॉलेज तक जाता है। ऊपरी डेक (टीयर-II) गांधी मैदान से साइंस कॉलेज की तरफ जाने वाले यातायात के लिए है। नीचे के डेक (टीयर-1) की लम्बाई 1449.30 मीटर है जो पटना कॉलेज से गांधी मैदान की तरफ बीएन कॉलेज मेन गेट तक आता है। नीचे के डेक (टीयर-1) पटना कॉलेज से गांधी मैदान की तरफ जाने वाले यातायात के लिए है। डबल डेक पथ से पीएमसीएच को संबद्धता प्रदान करने के लिए (टीयर-1) एवं (टीयर-II) दोनों तलों से प्रावधान किया गया है। इस पथ के डेक की चौड़ाई 8.5 मीटर है।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने 3 करोड 7 साख 31 हजार रूपये की राशि से नवनिर्मित राजकीय उर्दू पुस्तकालय, पटना के नये भवन का उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री ने नये भवन का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि यहां पठन-पाठन हेतु शांत वातावरण एवं मूलभूत सुविधाएं मौजूद है, जिससे अध्ययनकर्ताओं को अध्ययन में सहजता महसूस होती है। पुस्तकालय के इस नये भवन के बन जाने से अब पाठकों एवं शोधकर्ताओं को और सहूलियत होगी। मौके पर शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने मुख्यमंत्री को पुस्तक भेंटकर उनका स्वागत किया। ज्ञातव्य है कि राजकीय उर्दू पुस्तकालय, पटना की स्थापना वर्ष 1938 ई में दो मंजिला भवन में हुई थी, जो अशोक राजपथ के खजांची रोड मोड़ के सामने स्थित है।

इस पुस्तकालय में लगभग 50-60 पाठक एवं शोधकर्ता प्रतिदिन पठन एवं अध्ययन हेतु आते है। यहां उर्दू लिपि के अतिरिक्त हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, फारसी एवं अरबी भाषा में भी किताबें मौजूद हैं। इस पुस्तकालय में लगभग 40 हजार पुस्तकें उपलब्ध हैं। सामान्य प्रतियोगिता परीक्षा से संबंधित कई विषयों की पुस्तकें तथा वर्ग 3 से वर्ग 12 तक एनसीआरटी की पुस्तकें, पुस्कालय विज्ञान, पत्रकारिता आदि की पुस्तकें भी उपलब्ध हैं।

कांग्रेस सांसद व विधायकों के घर और कार्यालयों पर ईडी की छापेमारी

बेंगलुरु। महर्षि वाल्मीकि जनजाति कल्याण बोर्ड घोटाला मामले में ईडी की टीम ने बुधवार सुबह बेंगलुरु और बेल्लारी में कई स्थानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी कांग्रेस के सांसद, विधायकों और नेताओं से जुड़े ठिकानों पर की गई है। ईडी ने कर्नाटक के बेल्लारी और बेंगलुरु में कर्नाटक आदिवासी कल्याण बोर्ड घोटाला से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं के मामले में कई स्थानों पर छापेमारी की। कांग्रेस सांसद और विधायकों के कार्यालयों साथ उनके घरों पर भी छापेमारी की गई है। ईडी की अलग-अलग टीमों ने बेल्लारी के सांसद ई. तुकाराम के संदूर आवास, बेल्लारी के विधायक नारा भारत रेड्डी के नेहरू कॉलोनी आवास, विधायक जे.एन. गणेश के होस्पेट आवास, विधायक डॉ. एनटी श्रीनिवास के कुडलिगी आवास और विधायक बी. नागेंद्र के करीबी गोवर्धन रेड्डी के आवास पर छापेमारी की है। दरअसल, बी. नागेंद्र प्रदेश के पूर्व अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री हैं, जिन्हें ईडी ने 12 जुलाई 2024 को गिरफ्तार किया था।

प्रधानमंत्री के 11 साल विफलताओं और जन विरोधी नीतियों का शानदार स्मारक हैं: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर सभी मोर्चों पर विफल रहने का आरोप लगाया और कहा कि इस सरकार के पिछले 11 साल विफलताओं और जन विरोधी नीतियों का 'शानदार स्मारक' हैं। पार्टी महासचिव और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मोदी सरकार के 11 साल पूरा होने के अवसर पर उसकी '11 विफलताओं' का उल्लेख किया।

बघेल ने संवादाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी के 11 साल- विफलताओं और जन विरोधी नीतियों का शानदार स्मारक हैं। उन्होंने शुरुआत में लोगों को सपने दिखाए और 11 साल पूरे होते-होते सिंदूर उजाड़ने तक पहुंच गए। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता इन 11 वर्षों का खूब ढोल पीट रहे हैं, लेकिन अगर देखें कि 11 साल में आपको क्या मिला है तो पाएंगे कि भाजपा सरकार की सारी योजनाएं विफल हो गई हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी की पूरी राजनीतिक यात्रा विघटन और विभाजन की रही है। बघेल ने कहा कि भाजपा सरकार के 11 साल के कार्यकाल में पूरा देश असुरक्षित महसूस कर रहा है, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी कभी कहते हैं कि लोगों की कपड़ों से पहचान हो जाती है, कभी पंचर बनाने वाली बातें करते हैं, कभी श्मशान और कब्रिस्तान की बात करते हैं, आदिवासी-दलितों पर अत्याचार से वह विचलित नहीं होते, लोगों का अपमान करने में उन्हें मजा आता है और उनके लोग जनता को प्रताड़ित करते हैं, फिर भी किसी के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने सरकार पर विदेश नीति को लेकर भी विफल रहने का आरोप लगाया। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि भारत की अपनी विदेश नीति रही है। जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल से लेकर मनमोहन सिंह तक इस नीति में कभी कोई परिवर्तन नहीं आया, जिसके कारण पूरी दुनिया के लोग भारत की आवाज को गंभीरता से सुनते भी थे और जुड़ते भी थे। लेकिन हाल ही में जो आतंकवादी घटना घटी, पूरी दुनिया ने उसकी आलोचना तो की, लेकिन कोई देश हमारे साथ खड़ा नहीं हुआ।

उन्होंने दावा किया कि जब भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष चल रहा था, तब अमेरिका के राष्ट्रपति ने आधे घंटे पहले कहा कि- मैंने संघर्ष विराम करवा दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस बात को कई बार कहा, जिसके कारण पूरा देश अपमानित महसूस कर रहा है, क्योंकि इसके पहले भारत ने कभी दूसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की थी।

ओडिशा: डायरिया के प्रकोप से दो की मौत, 250 से अधिक लोग प्रभावित

भुवनेश्वर। ओडिशा के जाजपुर जिले में डायरिया से एक और व्यक्ति की मौत की पुष्टि होने के साथ इसके प्रकोप से मरने वालों की संख्या बुधवार को बढ़कर दो हो गई। मंगलवार से अब तक 250 से अधिक लोग इस जल जनित बीमारी से प्रभावित हुए हैं।

जिलाधिकारी पी अन्वेषा रेड्डी ने बताया कि व्यासनगर अस्पताल में 70 वर्षीय एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि दानगादी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 34 वर्षीय एक व्यक्ति की मंगलवार को बीमारी के कारण मौत हो गई। आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार को धर्मशाला इलाके में सबसे पहले इस बीमारी की सूचना मिली थी, जिसके बाद कई मरीजों को जिले के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। धर्मशाला, जाजपुर रोड, दानगड़ी और अन्य जगहों से भी लोगों ने डायरिया से पीड़ित होने की शिकायत की।

जन स्वास्थ्य निदेशक नीलकंठ मिश्रा ने बताया कि प्रभावित लोगों में से 40-50 लोग उपचार के बाद स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। कुछ मरीज तेज दस्त के कारण गंभीर स्थिति में हैं। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से बीमार 20 से ज्यादा मरीजों को कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भेजा गया है। मौतों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कथित तौर पर डायरिया के कारण दो लोगों की मौत हुई है। हालांकि, उनकी मौत के वास्तविक कारण की जांच की जा रही है।

मिश्रा ने कहा कि संदेह है कि यह प्रकोप दूषित भोजन के कारण हुआ क्योंकि दावत के दौरान भोजन करने के बाद लोग बीमार हो गए। निदेशक ने यह भी कहा कि राज्य स्तरीय दो स्वास्थ्य टीम जिले में भेजी गई हैं। मरीजों के इलाज के लिए जाजपुर मेडिकल कॉलेज के कर्मचारियों और डॉक्टरों को तैनात किया गया है, जबकि पर्याप्त दवाएं भी तैयार रखी गई हैं। उन्होंने कहा कि यदि अतिरिक्त डॉक्टरों या नर्सिंग स्टाफ की आवश्यकता होगी तो व्यवस्था की जाएगी। मिश्रा ने कहा कि वह स्थिति की निगरानी के लिए एक अन्य स्वास्थ्य टीम के साथ जिले का दौरा भी करेंगे।

एयर मार्शल ने ऑपरेशन 'सिंदूर' को उभरती चुनौतियों के अनुकूल भारत की तत्परता का प्रदर्शन बताया

नई दिल्ली। वायु सेना के उप प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने हाल के वैश्विक संघर्षों से पाकिस्तान के खिलाफ शुरू किये गए ऑपरेशन 'सिंदूर' से तुलना करते हुए बुधवार को वर्तमान युद्ध परिदृश्यों में निगरानी और इलेक्ट्रो-ऑप्टिक प्रणालियों की रणनीतिक भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध का फायदा उसी को मिलता है, जिसमें पहले देखने, सबसे दूर देखने और सबसे सटीक रूप से देखने की क्षमता होती है। एयर मार्शल ने ऑपरेशन 'सिंदूर' को इन उभरती चुनौतियों के अनुकूल ढलने के लिए भारत की तत्परता का प्रदर्शन बताया।

एयर मार्शल दीक्षित ने बुधवार को नई दिल्ली में निगरानी और इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स इंडिया सेमिनार में ऑपरेशन 'सिंदूर' की समानता आर्मेनिया-अजरबैजान युद्ध, रूस-यूक्रेन संघर्ष और इजरायल-हमास संघर्ष से की। उन्होंने कहा कि जब हम आर्मेनिया-अजरबैजान से लेकर रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास तक के वैश्विक संघर्षों और ऑपरेशन सिंदूर में अपने स्वयं के अनुभवों को देखते हैं, तो एक सच्चाई बिल्कुल साफ तौर पर सामने आती है कि जो पक्ष पहले देखता है, सबसे दूर देखता है और सबसे सटीक रूप से देखता है, वही जीतता है। एयर मार्शल ने ऑपरेशन सिंदूर को इन उभरती वास्तविकताओं के अनुकूल ढलने के लिए भारत की तत्परता का प्रदर्शन बताया।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने समकालीन युद्ध में गहन निगरानी के महत्व को साबित किया है। ऑपरेशन सिंदूर से मिले सबक ने उस बात को पुख्ता किया है कि आधुनिक युद्ध ने प्रौद्योगिकी की बदौलत दूरी और भेद्यता के बीच के रिश्ते को मौलिक रूप से बदल दिया है। युद्ध के मौजूदा सिद्धांतों को चुनौती दी जा रही है और नए सिद्धांत उभर रहे हैं। आज स्कैल्प, ब्रह्मोस और हैमर जैसी सटीक और निर्देशित मिसाइलों ने भौगोलिक बाधाओं को लगभग निरर्थक बना दिया है, क्योंकि बियॉन्ड विजुअल रेंज की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल (बीवीआर एएएम) और सुपरसोनिक हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों के हमले आम हो गए हैं।

एयर मार्शल दीक्षित ने कहा कि जब हथियार सैकड़ों किलोमीटर दूर लक्ष्य पर सटीक निशाना साध सकते हैं, तो सामने, पीछे और पार्श्व युद्ध क्षेत्र और गहराई वाले क्षेत्रों की पारंपरिक अवधारणा अप्रासंगिक हो जाती हैं। हमें संभावित खतरों का पता लगाना, पहचानना और ट्रैक करना चाहिए, न कि जब वे हमारी सीमाओं के पास आते हैं। यह अवधारणा पहले भी मौजूद थी, लेकिन आज हमारे पास इसे साकार करने के साधन हैं। उन्होंने कहा कि जब हाइपरसोनिक मिसाइलें मिनटों में सैकड़ों किलोमीटर की दूरी तय कर सकती हैं और ड्रोन प्रतिक्रिया देने से पहले अपने लक्ष्यों तक पहुंच सकते हैं, तो वास्तविक समय की निगरानी न केवल फायदेमंद हो जाती है, बल्कि अस्तित्व के लिए आवश्यक भी हो जाती है।

उन्होंने कहा कि भविष्य की ओर देखने से स्पष्ट हो जाता है कि अकेले सरकारी प्रयास हमारे सामने आने वाले तकनीकी परिवर्तन की गति को पूरा नहीं कर सकते हैं। हमारा निजी क्षेत्र हमारे निगरानी विकास में एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में उभरता है। उन्होंने कहा कि सियाचिन ग्लेशियर से लेकर गर्म शुष्क रेगिस्तानों से लेकर हिंद महासागर तक हमारी निगरानी प्रणालियों को सभी वातावरणों में प्रभावशीलता बनाए रखनी चाहिए।

भगवान जगन्नाथ के स्नान अनुष्ठान को देखने के लिए पुरी में लाखों लोग एकत्रित

पुरी। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों सहित लाखों श्रद्धालु बुधवार को 12वीं सदी के प्रसिद्ध श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर में एक खुले पंडाल में आयोजित भगवान जगन्नाथ के पारंपरिक स्नान अनुष्ठान को देखने के लिए यहां एकत्र हुए।

श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के अधिकारियों ने बताया कि इस अवसर पर भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा को पारंपरिक 'पहंडी' (शोभायात्रा) के साथ 'स्नान मंडप' (स्नान वेदी) में लाया गया। उन्होंने बताया कि तीनों को (भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा को) स्नान मंडप पर स्नान कराया जाता है, जो ग्रांड रोड के सामने स्थित एक ऊंचा स्थान है, जहां भक्तों को स्नान अनुष्ठान देखने का अवसर मिलता है।

एक अधिकारी ने बताया कि सबसे पहले श्री सुदर्शन को मंदिर से बाहर लाया गया और सुबह पौने छह बजे स्नान मंडप पर ले जाया गया। इसके बाद भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ की मूर्तियों को स्नान मंडप पर ले जाया गया। उन्होंने बताया कि 'पहंडी अनुष्ठान' सुबह आठ बजकर 55 मिनट पर संपन्न हो गया। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि पुरी के सांसद संबित पात्रा के साथ मुख्यमंत्री ने उत्तर द्वार से मंदिर में प्रवेश किया और सुबह की प्रार्थना तथा पारंपरिक शोभायात्रा देखी। इस पर्व को देव स्नान पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है, जो ज्येष्ठ महीने की पूर्णिमा को मनाया जाता है। यह साल में पहली बार होता है जब मंदिर के गर्भगृह से लकड़ी की मूर्तियों को बाहर लाया जाता है और स्नान अनुष्ठान के लिए 'स्नान मंडप' में रखा जाता है। इसे भगवान जगन्नाथ का जन्मदिन भी माना जाता है।

पुरी के पुलिस अधीक्षक विनीत अग्रवाल ने बताया कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए 70 प्लाटून (करीब 2100 जवान) और 450 पुलिस अधिकारियों की तैनाती की गई है। भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और समुद्र किनारे भी सुरक्षा बल तैनात हैं। पहली बार कृत्रिम मेधा-आधारित निगरानी कैमरों का प्रयोग कर एकीकृत नियंत्रण कक्ष के माध्यम से वास्तविक समय में यात्रा की निगरानी की जा रही है।

संतों ने समाज को दिखाई वो राह, जो कैराना व कांधला जैसी घटना नहीं होने देती : मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने मुजफ्फरनगर में विशाल संत समागम और सत्संग कार्यक्रम में किया सहभाग

लखनऊ/मुजफ्फरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संतों ने समाज को एकता और जोड़ने की राह दिखाई। वह राह, जो कैराना व कांधला की घटना नहीं होने देती। यह वही राह है, जो हमें सुरक्षा व संरक्षण की गारंटी देती है और उत्थान का मार्ग प्रशस्त करती है। साथ ही सम-विषम परिस्थितियों में लड़ने की प्रेरणा देती है। स्वामी ज्ञान भिक्षुक दास महाराज दिव्य संत थे। उन्होंने शुकतीर्थ में सतगुरु रविदास महाराज की प्रेरणा को आगे बढ़ाने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को शुकतीर्थ मुजफ्फरनगर में विशाल संत समागम और सत्संग कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम संत स्वामी ज्ञान भिक्षुक दास महाराज की 65वीं पुण्यतिथि एवं सतगुरु समनदास महाराज की पुण्य स्मृति में आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि मध्यकाल में जब देश गुलामी की बेड़ियों से जकड़ा हुआ था, विदेशी आक्रांता भारत की धर्म और संस्कृति को रौंद रहे थे। उस समय ज्योति के पुंज के रूप में काशी के सीरगोवर्धन में सतगुरु रविदास महाराज का अविर्भाव होता है। उन्होंने कर्मसाधना के माध्यम से जो प्रेरणा दी, वह आज भी देश व हर श्रद्धालु के लिए मार्गदर्शक के रूप में काम करती है। पवित्रता व निर्मलता का प्रतीक है रविदास महाराज का कथनसतगुरु रविदास महाराज ने सामाजिक आडंबर व कुरीतियों के खिलाफ समाज को जागरूक किया। कर्म पर विश्वास करने की प्रेरणा दी। आध्यात्मिक चेतना का जागरण किया।

उन्होंने कहा कि मन चंगा तो कठौती में गंगा.. सतगुरु रविदास का कथन जीवन में आंतरिक पवित्रता और निर्मलता का प्रतीक है। उन्होंने समाज को सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की नई प्रेरणा दी। संत रविदास महाराज के गुरु संत रामानंद महाराज ने कहा था कि जाति-पाति पूछे नहीं कोई, हरि को भजे सो हरि का होई...। प्रधानमंत्री ने संत रविदास की बातों को अक्षरशः लागू कियामुख्यमंत्री ने संत रविदास के कथन की चर्चा करते हुए कहा कि उनकी वाणी अत्यंत दिव्य थी। रविदास ने कहा था, मैं तब प्रसन्न रहूंगा, जब बिना भेदभाव सबको समान अधिकार व अन्न मिलेगा। संत रविदास की इन बातों को प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना के माध्यम से इसे अक्षरशः लागू किया। कोरोना जैसी महामारी काल से अब तक 81 करोड़ लोगों को अन्न वितरण कराया जा रहा है और यही संतों की प्रेरणा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रविदास महाराज की पावन जन्मभूमि सीरगोवर्धन की सड़कें 2014 के पहले सिंगल लेन की थीं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से उसे फोरलेन से जोड़ दिया गया। आश्रम को भव्य रूप दे दिया गया है। गुरु रविदास की भव्य प्रतिमा व अन्न क्षेत्र का निर्माण किया गया। सैकड़ों बीघा जमीन को खरीदकर सतगुरु रविदास महाराज के नाम पर पार्क व प्रतिमा की स्थापना हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि शुकतीर्थ पौराणिक तीर्थ है। यह भागवतभूमि है। पांच हजार वर्ष पहले शुकदेव महाराज ने राजा परीक्षित को भागवत की पहली कथा इस धाम पर सुनाकर भक्ति, ज्ञान, मुक्ति के महत्व की प्रेरणा बताई थी।

मां गंगा भारत के सनातन धर्म परंपरा की अविरल धारा है, जो सम-विषम परिस्थितियों में उद्धार का मार्ग प्रशस्त करती है। दुनिया का कोई मत, मजहब और संप्रदाय बताए कि पांच हजार वर्ष का इतिहास कितने लोगों का है। यह दावा केवल आप कर सकते हैं। जिसके उत्तराधिकारी आप और वाहक संतजन हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगली बार समनदास आश्रम के सामने सतगुरु रविदास व संत समनदास महाराज की स्मृति में घाट का निर्माण, सड़कों का चौड़ीकरण, पार्किंग, सुंदरीकरण और सत्संग सभागार की स्थापना करेंगे, जिससे श्रद्धालुओं को किसी समस्या का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब अच्छी सरकार आती है और संतों का मार्गदर्शन मिलता है तो अच्छा ही अच्छा होता है। अच्छा करने के लिए सोच होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्ञान भिक्षुक दास व समनदास महाराज ने सतगुरु रविदास के मिशन को आगे बढ़ाया है। सरकार के गरीब कल्याण के कार्यों को गिनाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के प्रत्येक नागरिक के जीवन में परिवर्तन का कारण बनी सुविधाएं सतगुरु रविदास की प्रेरणा से संभव हो पाईं। कार्यक्रम में आयोजक महंत गोवर्धन दास महाराज, स्वामी ओमानंद महाराज, निर्मल दास महाराज, गुरुदीप गिरि महाराज, केशवनानंद महाराज, सत्यानंद महाराज, सतीश दास महाराज, विज्ञानानंद महाराज के अलावा सांसद चंदन चौहान, योगी सरकार के मंत्री अनिल कुमार, कपिलदेव अग्रवाल, सोमेंद्र तोमर, पूर्व सांसद संजीव बालियान, विधायक राजपाल बालियान, वंदना वर्मा, मिथिलेश पाल, विक्रम सैनी आदि मौजूद रहे।

आतंकियों के मारे जाने पर राहुल गांधी को होती है तकलीफ: पंकज सिंह

बलरामपुर। जब भी आतंकवादी मारे जाते हैं या पाकिस्तान के खिलाफ कोई कार्रवाई होती है, तब राहुल गांधी रोना रोते हैं। उन्हें भारतीय सेना के शौर्य पर गर्व करने की बजाय पाकिस्तान के नुकसान की चिंता अधिक रहती है। उक्त बातें भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं नोएडा के विधायक पंकज सिंह ने बुधवार को केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन के दौरान आयोजित प्रेस वार्ता में कहीं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन 'सिंदूर' हमारे देश की सेना के साहस का प्रतीक है। आज पूरा विश्व भारत के साथ खड़ा है, जबकि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अलग-थलग पड़ा हुआ है।

भाजपा कार्यालय अटल भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने रक्षा क्षेत्र को सशक्त किया है। अधिकतर स्वदेशी मिसाइलों का प्रयोग कर आतंकी शिविरों और पाकिस्तान एयरबेस को निशाना बनाया गया। इससे भारत में बनी हथियार प्रणालियों की मांग विश्व स्तर पर बढ़ी है। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बलरामपुर आगमन पर अटल भवन में उनका भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने तुलसी पार्क में लगी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसके बाद एमएलके पीजी कॉलेज में भाजपा द्वारा आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी देश के प्रधान सेवक के रूप में कार्य कर रहे हैं।

2014 से पहले देश में तुष्टिकरण की राजनीति हावी थी, लेकिन अब सरकार सुशासन को प्राथमिकता दे रही है। आईएमएफ के अनुसार, 2027 तक भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। डिजिटल लेन-देन के मामले में भारत विश्व में अग्रणी है, जहाँ 49 प्रतिशत लेन-देन ऑनलाइन हो रहा है। 116 करोड़ मोबाइल उपयोगकर्ता देश की डिजिटल प्रगति का प्रमाण हैं। मध्यम वर्ग को आयकर स्लैब में बदलाव से राहत मिली है और सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंच रहा है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी ने कहा कि 2014 के बाद देश में व्यापक बदलाव देखने को मिले हैं। 23 शहरों में मेट्रो सेवा चालू हो चुकी है, 160 नए एयरपोर्ट बनाए गए हैं, और 99 प्रतिशत गांवों को सड़क से जोड़ा गया है।

बाराबंकी में सड़क दुर्घटना में लड़की की मौत, दो घायल; वाहन जब्त

बाराबंकी। जिले के टिकैतनगर कोतवाली थाने के ठीक सामने भगत सिंह पार्क के पास तेज गति से जा रहे एक पिकअप ट्रक ने तीन बच्चियों को टक्कर मार दी जिससे सात वर्षीय एक लड़की की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गईं। कोतवाली प्रभारी रत्नेश पांडे ने बताया कि आज सुबह तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने तीन छोटी लड़कियों को टक्कर मार दी। पांडे ने कहा, इनमें से एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गईं।

घायल लड़कियों को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान सरावगी इलाके के निवासी राधे कनौजिया की बेटी पलक (7) के रूप में हुई है। वह अपनी सहेलियों रानी (8) और शिवांशी (9) के साथ थी, जब यह दुर्घटना कोतवाली थाने के ठीक सामने भगत सिंह पार्क के पास हुई। डीजे साउंड उपकरण ले कर जा रहे पिकअप ट्रक ने उन्हें पीछे से कुचल दिया। थाना नजदीक होने के कारण अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और तीनों लड़कियों को टिकैतनगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। थाना प्रभारी ने बताया कि डॉक्टरों ने पलक को मृत घोषित कर दिया, जबकि रानी और शिवांशी को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने भाग रहे वाहन का करीब 12 किलोमीटर तक पीछा किया और बदोसराय थाना क्षेत्र में उसे पकड़ लिया। हालांकि चालक भाग निकला, लेकिन पुलिस ने वाहन के मालिक को हिरासत में लेकर वाहन को जब्त कर लिया। पांडे ने बताया कि पलक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और फरार चालक की तलाश जारी है।

पारिवारिक विवाद में वृद्ध ने कुएं में कूदकर की आत्महत्या

मीरजापुर। कछवां थाना क्षेत्र के बाड़ापुर गांव में बुधवार को पारिवारिक तनाव से तंग वृद्ध ने कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मामले की जांच कर रही है। बाड़ापुर गांव निवासी ध्रुव सिंह (60) का बीते मंगलवार से अपनी पत्नी और बेटों से कहासुनी चल रही थी। गांववालों ने कई बार समझाने की कोशिश की, लेकिन घरेलू विवाद नहीं थमा। बुधवार सुबह भी परिवार में फिर झगड़ा हुआ। इससे आहत होकर वृद्ध ध्रुव सिंह घर से करीब दो सौ मीटर दूर खेत की ओर गए और वहीं एक कुंए में छलांग लगा दी। कुएं के पास घास काट रहीं महिलाओं ने उन्हें कूदते देखा तो शोर मचाया। गांव वाले दौड़े और रस्सी के सहारे किसी तरह वृद्ध को बाहर निकाला। परिजन उन्हें कछवां के क्रिश्चियन अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद वाराणसी रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। कछवां थानाध्यक्ष रणविजय सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के पुत्र की तहरीर पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आगे की जांच होगी।

पौधा नहीं दिखा तो सैलरी नहीं! ग्रीन मिशन पर प्रशासन का सख्त रुख

मीरजापुर। विंध्य और गंगा दोनों अब हरियाली की उम्मीद में हैं। पेड़ लगाना अब सिर्फ औपचारिकता नहीं, प्रशासनिक जिम्मेदारी बन चुका है। गड्ढा खोदोगे, पौधा लगाओगे तो वेतन पाओगे। वरना? हरियाली का यह युद्ध अब सिर्फ धरती के लिए नहीं, इंसान की जिम्मेदारी का भी इम्तिहान है।

जिलाधिकारी ने जिला पर्यावरण एवं गंगा समिति की बैठक में साफ शब्दों में कह दिया कि अब सिर्फ मीटिंग में बैठने से काम नहीं चलेगा, धरातल पर पौधे दिखने चाहिए। इसके लिए गड्ढा भी पहले से खुदा होना चाहिए वरना जिम्मेदार अधिकारियों की सैलरी रोक दी जाएगी। डीएम ने कहा कि पौधरोपण का सीजन आने ही वाला है। ऐसे में हर विभाग को अपना होमवर्क पूरा करना होगा। पौधरोपण के लिए कौन-सी जगह चुनी गई है, कितने गड्ढे खुदे और उनकी देखभाल की योजना क्या है। ये सब दो दिन के अंदर वन विभाग को सौंपना होगा। लापरवाह अफसरों की खैर नहीं! पिछली बैठक में निर्देश मिलने के बावजूद जिन अफसरों ने कोई कार्य योजना नहीं दी और जो बिना सूचना के बैठक से गायब रहे- जैसे लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय और निर्माण खंड के अधिशासी अभियंता व प्राविधिक शिक्षा संस्थान के प्राचार्य, पर डीएम ने सीधी कार्रवाई की और वेतन रोकने के आदेश दिए।

कौन कितने पौधे लगाएगा? वन विभाग के प्रभागीय अधिकारी अरविंद राज मिश्र ने बताया कि इस साल वृक्षारोपण का बड़ा लक्ष्य तय किया गया है। वन विभाग को 44,90,600 पौधे, ग्राम्य विकास विभाग को 24,45,900, पर्यावरण विभाग को 4 लाख, नगर विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सिंचाई आदि सभी विभागों को उनके हिसाब से लक्ष्य दिए गए हैं।

गंगा किनारे भी हरियाली का प्लान डीएम ने कहा कि गंगा घाटों, चबूतरों, तालाबों और बंजर जमीनों पर भी पेड़ लगाने की योजना बने। इस बार सिर्फ पौधा लगाकर फोटो खिंचवाना नहीं, उनकी सुरक्षा और देखभाल की जिम्मेदारी तय की जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में हर ब्लॉक से 5-5 ऐसी जगहें चिन्हित की जाएं जहां बड़े स्तर पर वृक्षारोपण किया जा सके। पिछली हरियाली की भी मांगी रिपोर्ट डीएम ने दो साल पहले लगे पौधों की भी तस्वीरें मंगवाईं, ताकि यह देखा जा सके कि वे पौधे आज भी जिंदा हैं या सिर्फ योजना की फाइलों में हैं।

गंगा समिति की पहलः योग, स्वच्छता और हरियाली गंगा समिति की बैठक में यह भी तय किया गया कि गंगा ग्रामों और घाटों पर योग कार्यक्रम चलाए जाएंगे। साफ-सफाई कराई जाएगी और हरियाली बढ़ाने पर जोर रहेगा।

भाजपा नेता द्वारा फांसी लगाने के मामले में कांस्टेबल लाइन हाजिर

हमीरपुर। हमीरपुर जिले के बीलपुर गांव में भाजपा के मंडल महामंत्री के फांसी के फंदे पर झूलने की घटना को लेकर पुलिस की लापरवाही सामने आई है। एसपी ने दोषी एक सिपाही को लाइनहाजिर कर दिया है जबकि थाने में तैनात एक गार्ड को ड्यूटी से हटा दिया गया है। इस कार्रवाई से पुलिस कर्मियों में हड़कंप मच गया है।

उल्लेखनीय है कि हमीरपुर जिले के थाना जलालपुर के बीलपुर गांव के रहने वाले भाजपा के मंडल महामंत्री शिवेन्द्र कुमार के घर के दरवाजे पर लगा समरसेबिल दबंग लोग उखाड़कर ले गए थे। इस मामले को लेकर थाने में शिकायत की थी। यूपी-112 को घटना की जानकारी दी गई थी लेकिन पुलिस ने एक्शन नहीं लिया था। भाजपा नेता ने पुलिस के रवैये से नाराज होकर पार्टी के नेताओं से भी मदद मांगी थी। इधर गांव के दबंगों उन्हें लगातार धमकी दे रहे थे। जिससे अपमान की पीड़ा ने उन्हें आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर कर दिया। भाजपा नेता ने अपने ही घर में फांसी लगा ली थी। परिजन उन्हें आननफानन सरकारी अस्पताल ले गए थे जहां डॉक्टरों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया था। भाजपा नेता के फांसी लगाकर जान देने की जानकारी होते ही राठ क्षेत्र की विधायक मनीषा अनुरागी तमाम कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंची थी। पुलिस की लापरवाही को लेकर उन्होंने थाना प्रभारी को एक्शन लेने के निर्देश दिए थे। भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील पाठक ने भी पीड़ति परिवार से मिलने बीलपुर गांव गए थे। अपर पुलिस कप्तान मनोज गुप्ता ने भी मामले की जानकारी करने पीड़ित परिवार से मिले थे। मृतक के पिता शिवचरन ने थाना पुलिस पर आरोप लगाया था कि पिछले कई सालों से उसके पुत्र शिवेन्द्र को गांव के लोग परेशान कर रहे है। मगर पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। जिससे बेटे को आत्मघाती कदम उठाना पड़ा।

थाना जलालपुर प्रभारी बृजमोहन ने इस घटना की तहरीर पर गांव के ही संतोष और उसके दो पुत्र सुशील, पंकज व छत्रपाल अनुरागी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सभी को गिरफ्तार कर लिया था। बुधवार को अब सभी आरोपियों को पुलिस ने जेल भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। यहां की एसपी डां.दीक्षा शर्मा ने भाजपा नेता के फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में बड़ा एक्शन लिया है। अपर पुलिस अधीक्षक मनोज गुप्ता के मुताबिक यूपी-112 के सिपाही मनीष पाल को लापरवाही बरतने पर लाइनहाजिर कर दिया गया है। इसके अलावा थाने के गार्ड राजेन्द्र कुमार को भी ड्यूटी से हटाकर कार्रवाई की गई है।

बीते 11 वर्षों में गरीबी से बाहर निकले 27 करोड़ लोग : दयाशंकर मिश्र

सुल्तानपुर। मोदी सरकार के 11 साल पूरा होने पर उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार) दया शंकर मिश्रा 'दयालु' ने बुधवार को जिला पंचायत सभागार में भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया।

उन्होंने केन्द्र सरकार की तमाम उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने कहा कि जहां भाजपा की सरकार है वहां गरीब का कल्याण है। पीएम मोदी के कार्यकाल के ये 11 साल आत्मनिर्भर और विकसित भारत की नींव के रूप में जाने जाएंगे। 2014 से पहले हम एक कमजोर और अस्थिर अर्थव्यवस्था थे। भारत दुनिया में 11वें स्थान पर था। पिछले 11 सालों में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना और 27 करोड़ भारतीय को गरीबी से बाहर निकाला है। पीएम ने भारत को निडर, मजबूत और एकजुट बनाया है। पिछले 11 सालों में मध्यम परिवार के जीवन में बड़ा बदलाव आया है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश अभूतपूर्व वृद्धि और विकास की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इन 11 वर्षों में मेडिकल कॉलेज की संख्या 387 से बढ़कर 780 और एम्स 7 से 23 हो चुके हैं। आज देश में 53 करोड़ धनजन खाते है। चार करोड़ घर, 12 करोड़ शौचालय, 10 करोड़ एलपीजी कनेक्शन, 11 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि, 82 करोड़ को मुफ्त राशन एवं 14 करोड़ घरों तक नल का पानी पहुंच चुका है। 54 करोड़ लोगों को आयुष्मान कार्ड का फ़ायदा मिल रहा है। देश की उपलब्धियां बेमिसाल है। देश बदल रहा है। इतने बड़े स्तर पर समावेशी विकास का उदाहरण हाल के इतिहास में कहीं नहीं मिलता। भारत का आतंकवाद के प्रति नजरिया बदला है। सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट और अब ऑपरेशन सिंदूर में 'मोदी सिद्धांत' झलकता है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक एक संविधान है।

सरकार ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया। मंत्री ने कहा कि रेलवे का बजट नौ गुना बढ़ा है। 130 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। आपरेशन सिन्दूर में मेक इन इंडिया मिसाइलों का पूरी दुनिया में डंका बजा है। अब भारत निर्यातक देश के रूप में जाना जा रहा है। उन्होंने बताया कि देश के हर राज्य में परमाणु बिजली घर लगाए जाएंगे। पिछड़ा व बदहाल उत्तर प्रदेश अब एक्सप्रेस-वें के रूप में जाना जाता है। देश में 90 लाख स्वयं सहायता समूह स्वरोजगार के माध्यम से मजबूत हो रहे हैं। यूपी का लक्ष्य हर जिले में एक विश्वविद्यालय बनाने का है।

मोदी सरकार में किसान राजनीतिक एजेंडे में आया है। पहली बार गरीब शासन की योजना का हिस्सा बन पाया है। अब योजनाएं किसी तुष्टिकरण का शिकार नहीं होतीं, बल्कि बिना भेदभाव समाज के प्रत्येक तबके को उसकी संतुष्टीकरण का आधार देने वाली होती हैं। इससे पहले मंत्री दयालु ने 11 वर्षों की उपलब्धियों पर लगी प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारंभ किया।

इस दौरान उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए सराहना की। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, निवर्तमान जिलाध्यक्ष डॉ आरए वर्मा, शहर विधायक विनोद सिंह, सदर विधायक राजप्रासाद उपाध्याय, लंभुआ विधायक सीताराम वर्मा, कादीपुर विधायक राजेश गौतम, जिला पंचायत अध्यक्ष उषा सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल, मीडिया प्रमुख विजय रघुवंशी, संदीप सिंह, विजय त्रिपाठी, घनश्याम चौहान, धर्मेन्द्र कुमार, आशीष सिंह रानू, बबिता तिवारी, अशोक सिंह, रीना जायसवाल, आकाश जायसवाल, राहुल भान मिश्रा आदि मौजूद रहे।

शॉर्ट सर्किट से लकड़ी के टाल में भीषण आग, 10 लाख की क्षति

बांदा। शहर के कालूकुआं स्थित डिग्री कॉलेज रोड पर बुधवार तड़के करीब 4 बजे एक ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट हो गया। शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी ने पास ही स्थित एक लकड़ी के टाल को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे भीषण आग लग गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरा टाल जलने लगा। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, जिनमें से दो स्थानीय और दो अतर्रा व बबेरू से बुलाई गईं। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। लकड़ी का यह टाल देवी दयाल के नाम से बिजली खेड़ा रोड पर स्थित था, जिसमें बांस-बल्लियों और कीमती लकड़ियों का भंडार था। आग लगने से पीड़ित के मुताबिक करीब 10 लाख रुपये की लकड़ियां और बांस-बल्लियां जलकर राख हो गईं। आग की भयावहता को देखते हुए आस-पास के मकानों में रहने वाले लोगों में भारी दहशत फैल गई। हालांकि, फायर ब्रिगेड और पुलिस बल की तत्परता से आग को रिहायशी इलाकों में फैलने से रोक लिया गया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि आज 11 जून 2025 को समय करीब 4:14 बजे फायर सर्विस कंट्रोल रूम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत सुतरखाना, बिजली खेड़ा, कालूकुआं रोड पर लकड़ी की टाल में आग लगी है। सूचना मिलते ही मैं (सीएफओ), एफएसओ सहित दो फायर टेंडर के साथ मौके के लिए रवाना हुआ। आग की गंभीरता को देखते हुए अतर्रा व बबेरू से अतिरिक्त दमकल वाहन मंगाए गए। कड़ी मशक्कत के बाद आग को काबू में कर लिया गया। सौभाग्य से कोई जनहानि नहीं हुई है। घटना के समय पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा और पूरे इलाके की घेराबंदी कर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी।

प्रधानमंत्री के 11 वर्ष देश के लिए रहे बेमिसाल: मौर्य

सेवा, सुशासन और सुरक्षा को दी सर्वोच्च प्राथमिकता, 27 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 साल पूर्ण होने पर बुधवार को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सरकार की उप लब्धियों को गिनाया।

सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 11 वर्षों में मोदी सरकार ने सेवा को संकल्प, सुशासन को संस्कृति और सुरक्षा को सर्वोच्च बनाया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकसित भारत के अमृत काल में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के विकास की नई यात्रा तय की है। मोदी सरकार की हर योजना के केन्द्र में जनकल्याण और आम नागरिक के जीवन को आसान करने के साथ-साथ देश को वैश्विक स्तर पर नए आयाम देने की भावना रही है।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 11 वर्षों के कार्यकाल की केंद्र सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। कहा कि बीते 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा गठबंधन सरकार ने सीमा सुरक्षित की, अर्थव्यवस्था मजबूत की, और टेक्नोलॉजी को जन-जन तक पहुंचाया। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों और एयरबेस को ध्वस्त कर यह दिखा दिया कि नया भारत शांति की बातें नहीं बल्कि घर में घुसकर आतंक का सफाया करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को स्पष्ट और सख्त संदेश भी दिया कि आतंक, पानी और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते, खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। पूरे विश्व को प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट कर दिया कि भारतीय धरती पर किसी भी हमले को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम, 'ब्रह्मोस, आकाश मिसाइल, आइएनएस विक्रांत, तेजस और, प्रचंड' अटैक हेलीकॉप्टर जैसे स्वदेशी तकनीकों के साथ अब भारत न केवल आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति के रूप में उभर रहा है बल्कि आज रक्षा उपकरणों का निर्यात भी कर रहा है।

संकट काल के दौरान सरकार ने अपने नागरिकों को विश्व भर के हर कोने से सुरक्षित निकालकर यह सिद्ध किया कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार केवल सीमाओं के भीतर नहीं, विश्व भर में भारतीयों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। रूस यूक्रेन युद्ध के दौरान ऑपरेशन गंगा, अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के समय ऑपरेशन देवी शक्ति और कोविड में वंदे भारत मिशन के जरिए मोदी सरकार करोड़ों भारतीयों को विदेशों से सुरक्षित लेकर आई। रूस यूक्रेन युद्ध के दौरान तो अन्य देशों के नागरिक भी भारतीय झंडे को लहराकर अपना बचाव कर रहे थे।

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि एक समय था जब देश के 96 जिले नक्सलवाद की चपेट में थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निर्णायक नीति, सुरक्षा बलों की सशक्त कार्रवाई और विकास की डबल रणनीति के कारण अब नक्सल प्रभावित जिले घटकर गिनती के रह गए हैं। नक्सल घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी आ गई है। आज भारत विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। वैश्विक डिजिटल लेनदेन के 49फीसद लेनदेन भारत में होते हैं। देश का वस्तु और सेवा निर्यात 825 अरब डॉलर तक पहुंचा। देश में यूपीआई लेनदेन 24 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। मोदी सरकार की टेक्नोलॉजी आधारित ई-गवर्नेस प्रणाली ने पारदर्शिता, समयबद्धता और जवाबदेही को नई परिभाषा दी है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत 55.22 करोड़ बैंक खाते खोल कर देश की आम जनता को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा गया है। मोदी सरकार ने इंफ्रा निर्माण की रफ्तार को नई गति दी है। चिनाब ब्रिज जिसका हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन किया, जो विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज है।

इस दौरान दिलीप पटेल, हंसराज विश्वकर्मा, प्रदीप अग्रहरि, अरुण पाठक, पूनम मौर्या, अवधेश सिंह, धर्मेन्द्र राय, सुनील पटेल पटेल, नवरतन राठी, श्रीनिकेतन मिश्र, किशोर सेठ आदि भी मौजूद रहे।

इसके पहले वाराणसी एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उपमुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। तल्ख धूप और तापलहरी के बीच एयरपोर्ट पर स्वागत के लिए जुटे भाजपा नेताओं को देख उपमुख्यमंत्री गदगद नजर आए। बाबतपुर एयरपोर्ट पर भाजपा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप पटेल के नेतृत्व में जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, रोहनिया विधायक सुनील पटेल, शैलेंद्र किशोर पांडेय, आर. पी. कुशवाहा, दिनेश मौर्य, मनीष पटेल, पार्टी के प्रोटोकॉल प्रभारी शैलेश पांडेय आदि ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की अगवानी की।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पहले सदन में पहुंचे, फिर राफेल पर करें टिप्पणी: उपमुख्यमंत्री

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर जमकर तंज कसा। केंद्र सरकार की उपलब्धियों को गिनाने के साथ प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना कर उपमुख्यमंत्री ने कांग्रेस के साथ उसके प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पर हमला बोला। उपमुख्यमंत्री मौर्य ने चुटकी लेते हुए कहा कि बयानवीरता में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का कोई जवाब नहीं है। अजय राय सदन तो आ नहीं सकते हैं। पहले वह सदन तक पहुंचने की क्षमता अर्जित करें, फिर राफेल जैसे मसलों पर टिप्पणी करें। उपमुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर हमलावर राहुल गांधी को निशाने पर लेकर कहा कि वे पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं और चीन के नजरिए से भारतीय राजनीति करते हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की राजनीति राष्ट्रविरोधी प्रवृत्तियों से प्रेरित है। समाजवादी पार्टी अब 'समाप्तवादी पार्टी' बन चुकी है। अखिलेश यादव की नकारात्मक राजनीति को जनता ने नकार दिया है। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान हुए हादसे पर उपमुख्यमंत्री मौर्य ने कहा कि महाकुंभ ऐतिहासिक है, दुखद घटना का हमें खेद है, जिन परिवारों ने हादसे में अपनों को खोया है, उनके प्रति हमारी संवेदना है, प्रधानमंत्री मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी हादसे पर दुख जता चुके हैं। एक सवाल के जबाब में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बनारस के विकास कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध जांच की जाएगी और गड़बड़ी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

संकट और आपदा के वक्त मिलेगी तुरंत आर्थिक मदद: रेखा आर्या

देहरादून। आपदा या किसी आकस्मिक दुर्घटना में अनाथ बेसहारा हुए बच्चों, किशोरियों, आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं और वृद्ध महिलाओं को अब तुरंत आर्थिक मदद मिल सकेगी। इसके लिए कैबिनेट ने बुधवार को मुख्यमंत्री महिला एवं बाल बहुमुखी सहायता निधि की नियमावली को मंजूरी दे दी है।

महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि इस कॉरपस फंड के लिए पैसा शराब बिक्री पर सैस के जरिए जुटाया जाएगा। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि इसके तहत आपदा या दुर्घटना में अनाथ हुए बच्चों, महिलाओं, किशोरियों, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, दिव्यांग किशोरियों और वृद्ध महिलाओं को आर्थिक मदद दी जाएगी। यह आर्थिक मदद जरूरत के अनुसार रहने, खाने की सुविधा जुटाने, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट जैसे उद्देश्यों के लिए दी जाएगी। इसके अतिरिक्त आपदा या दुर्घटना के चलते अगर किसी पात्र का रोजगार संकट में आता है तो उसे भी इसके तहत मदद दी जा सकेगी।

आर्या ने बताया कि इस योजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें तुरंत मदद मिलेगी। नियमावली में इसके तहत आने वाले आवेदनों के निस्तारण की समय सीमा पहले ही निर्धारित कर दी गई है। पात्र से आवेदन मिलने पर ब्लॉक स्तरीय संयुक्त टीम अधिकतम 5000 की धनराशि तुरंत जारी कर सकेगी। इसके बाद 10000 से 25000 तक की सहायता राशि पर जनपद स्तरीय कमेटी निर्धारित 15 कार्य दिवस के भीतर निर्णय लेगी और पीड़ित को डीबीटी के जरिए मदद दी जाएगी। मंत्री आर्य ने बताया कि जिन मामलों में और ज्यादा आर्थिक मदद की जरूरत है। उसके लिए राज्य स्तर पर कमेटी गठित की जाएगी और यह कमेटी 500000 तक की धनराशि के प्रस्ताव को स्वीकृत करेगी।

यह भी मिलेगा लाभ

- पात्र महिलाओं, बच्चों के लिए फूड किट, न्यूट्रिशन किट, मेडिकल किट शौच संबंधी किट की व्यवस्था
- प्राकृतिक आपदा और दुर्घटना में घायल या गर्भवती महिला और बच्चों को हायर सेंटर ले जाने के लिए एंबुलेंस, भोजन, आवास की त्वरित व्यवस्था
- गर्भवती महिला और परिवार के सदस्य के लिए एक सप्ताह की आवासीय और ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था के लिए सहायता
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय हॉस्टल की आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्राओं को कोचिंग के लिए सहायता

संत कबीर साहब के जन्मोत्सव पर निकली भव्य शोभायात्रा, संतों के सत्संग में गूंजी कबीर वाणी

जालौन। संत सम्राट सतगुरु कबीर साहब के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में बुधवार को नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। डीजे, घोड़े-बग्गियों और सजे-धजे वाहनों के साथ कबीर चौराहा स्थित ओवरब्रिज से प्रारंभ हुई शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई पुनः कबीर चौराहे पर पहुंचकर संपन्न हुई, जहां पर संतों-साधुओं के सत्संग एवं बीजक पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

शोभायात्रा घंटाघर, मच्छर चौराहा, अंबेडकर चौराहा, बंबी रोड, कोरी कुटिया, करमेर रोड, टाउनहॉल, स्टेशन रोड होते हुए निकाली गई। रास्ते भर जगह-जगह श्रद्धालुओं ने फूल वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। कोरी चबूतरा पर फ्रूटी, कोल्डड्रिंक और पानी, मच्छर चौराहा पर नरेश वर्मा (रौनक हैंडलूम) एवं अंबेडकर चौराहा पर बहुजन नायक जन्मोत्सव समिति ने शरबत वितरण किया। बंबी रोड पर होरीलाल मास्टर द्वारा बिस्कुट व शर्बत वितरित किया गया। कबीर चौराहा पहुंचने पर समापन कार्यक्रम में सत्संग का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता कोंच आश्रम से पधारे महंत हरदास साहेब ने की। साथ ही उरई आश्रम से लाल दास, बागी आश्रम से निर्मल दास, रहाईया आश्रम से लखनदास, दहगुआ आश्रम से लखन दास, बम्होरी कलां से रामदास एवं मुस्मरिया आश्रम से महताब साहेब उपस्थित रहे। संतों ने कबीर वाणी के माध्यम से सामाजिक समरसता, पाखंड से मुक्ति और संयमित जीवन के संदेश दिए। कार्यक्रम का संचालन प्रमोद वर्मा ऊसरगांव द्वारा किया गया। टीम बदलाव द्वारा साधु-संतों को फल की टोकरी और दक्षिणा भेंट की गई। सांसद नारायणदास अहिरवार ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कबीर साहब की शिक्षाओं को आज की आवश्यकता बताया। कार्यक्रम में अंजनी वर्मा (इंदिरा नगर) व अंकित वर्मा (कोल्ड स्टोर) द्वारा पानी व आम पाना की व्यवस्था की गई।

मुख्य अतिथियों में विनोद वर्मा (संस्थापक अध्यक्ष, कोरी चबूतरा विकास ट्रस्ट), मोतीलाल वर्मा (पूर्व सभासद), रामदास वर्मा, शंभूदयाल (पूर्व कमिश्नर), राजेंद्र वर्मा, रेखा वर्मा, दीपू वर्मा (सभासद, गांधीनगर), सीताराम वर्मा, डॉ. पंकज वर्मा, डॉ. अंशुल वर्मा, पन्ना लाल वर्मा, ओमप्रकाश चरसोनिया, अनिल सिन्दूर, प्रेम वर्मा, चंद्रप्रकाश वर्मा, सुशील राजपूत, हरिशंकर याज्ञिक, संतोष वर्मा, प्रदीप वर्मा, अजय वर्मा, डॉ. शत्रुघ्न राजपूत सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

बच्चों को अच्छे संस्कार उच्च शिक्षा की जरूरत: मीनाक्षी भराला

बागपत। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य मीनाक्षी भराला बुधवार को पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस पहुंची। उन्होंने प्रेस वार्ता करते हुए बढ़ते अपराधों पर चिंता व्यक्त की, कहा कि ऐसे में पुलिस को कठोर कदम उठाने की आवश्यकता है। माता-पिता भी अपने बच्चों को उच्च शिक्षा और अच्छे संस्कार दें जिससे बढ़ते अपराधों पर अंकुश लग सके। उनका कहना था कि दो महिलाओं के अपराध करने से सभी महिलाएं खराब नहीं हो सकती, सोशल मीडिया महिलाओं की छवि को धूमिल मिल करने का काम कर रही है। उन्होंने निवेदन किया कि कोई भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सभी महिलाओं की छवि को खराब करने का काम ना करें क्योंकि कुछ महिलाओं के खराब होने से सभी महिलाएं खराब नहीं हो सकती महिलाओं को सम्मान मिलना चाहिए। इस देश में महिला को सम्मान दिया गया है। सोशल मीडिया को यह ध्यान रखना चाहिये। उन्होंने कहा कि अवैध कब्जे भी एक चिंता का विषय बने हुए हैं क्योंकि जो लोग घर से बाहर रहकर अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे हैं गांव में उनके मकान पर अवैध कब्जे हो जाते हैं पुलिस और राजस्व विभाग की टीम को ऐसे मामलों में गंभीरता से कार्रवाई करते हुए कब्जे को हटवाकर कार्रवाई करनी चाहिए।

मोदी सरकार ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को दी नई दिशा: कृषि मंत्री जोशी

देहरादून/रुद्रपुर। प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने बुधवार को रुद्रपुर स्थित भाजपा जिला कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में देश ने 'विकसित भारत' और 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाए हैं। यह सिर्फ मोदी की सरकार नहीं बल्कि 140 करोड़ देशवासियों के परिश्रम, सपनों और संघर्ष की अभिव्यक्ति है।

उन्होंने कहा कि यह कालखंड भारत के भविष्य की मजबूत नींव रखता है। उन्होंने कहा कि शासन अब सेवा का माध्यम बन गया है, सरकार अब सहभागी बन चुकी है और सुशासन अब भारत की संस्कृति बन रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में भी बड़े बदलाव आए हैं। सरकार ने कृषि बजट को बढ़ाने का काम किया है, जिससे किसानों को सीधा लाभ मिला है। उन्होंने कहा जितनी भी योजनाएं बनाई गई है, वह गरीबों के केंद्रित कर के बनाई गई है।

कृषि मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले लोगों की सोच थी कि 'ये नहीं हो सकता', लेकिन अब सोच है 'ये होगा और जरूर होगा', क्योंकि 'मोदी है तो मुमकिन है'। उन्होंने कहा कि पहले योजनाओं का लाभ बिचौलियों तक सिमट जाता था, जबकि अब डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से लाभार्थियों को सीधे पैसा मिल रहा है। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना, मेक इन इंडिया, उज्जवला योजना, लखपति दीदी, पीएम आवास योजना जनधन योजना और एक्सपोर्ट में भारत की लीडिंग भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि अब भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने बताया कि 57 नकल माफिया जेल भेजे गए और 24 आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई हुई है। भ्रष्टाचार के खिलाफ 1064 टोल-फ्री नंबर को जनसहयोग का माध्यम बनाकर जनता की आवाज को प्रशासन तक पहुंचाने का सशक्त प्रयास हुआ है।

मंत्री जोशी ने कहा कि पहली बार राज्य के इतिहास में एक साथ दो आईएएस, एक पीसीएस और 12 से अधिक अधिकारियों को निलंबित कर यह संदेश दिया गया कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। अब तक 200 से अधिक भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई की जा चुकी है। यह अभियान केवल कार्रवाई नहीं, बल्कि ईमानदार शासन की नींव है। वार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, रुद्रपुर विधायक शिव अरोड़ा, मेयर विकास शर्मा, महामंत्री अमित नारंग उपस्थित रहे।

शिव सैनिकों ने सीएमओ कार्यालय पर प्रदर्शन कर जिला अस्पताल में लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

मुरादाबाद। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट मुरादाबाद के पदाधिकारियों ने जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा के नेतृत्व में बुधवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सीएमओ डॉ कुलदीप सिंह को सौंपा।

शिव सैनिकों ने ज्ञापन में कहा कि जिला अस्पताल में व्याप्त भ्रष्टाचार जारी है। रोगियों का उत्पीड़न कर अवैध वसूली लगातार हो रही है। इसके खिलाफ शिवसेना लंबे समय से

आंदोलन चला रही है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा ने कहा कि मंगलवार 10 जून को थाना मझोला क्षेत्र में सुरेश उत्तेजा व शुभम उत्तेजा द्वारा बिना विवाद के झूठी रिपोर्ट लिखवाने के लिए मझोला थाने गए, लेकिन कोई सुनवाई न होने पर उन्होंने जिला अस्पताल के दलालों के माध्यम से इमरजेंसी वार्ड के डॉक्टर व कर्मचारियों को रिश्वत देकर बिना मारपीट के ही चोट के निशान दिखाकर फर्जी मेडिकल बनवा लिया।

इससे पूर्व भी इमरजेंसी वार्ड में बिना पुलिस अभिरक्षा के मेडिकल रिपोर्ट बनाने की जानकारी लगातार प्राप्त हो रही है जिससे भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। मांग की गई कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ अविलंब कार्रवाई की जाए अन्यथा शिवसेना जिला अस्पताल में भूख हड़ताल के साथ धरना-प्रदर्शन भी करेगी।

इस मामले में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि इस मामले की जांच वह खुद करेंगे और जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इस मौके पर जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा के अलावा कमल राव, मुदित उपाध्याय, अरुण ठाकुर, उमेश ठाकुर आदि शिवसैनिक रहे।

विकास कार्यों में धीमी प्रगति पर सीडीओ ने बीडीओ को दी चेतावनी

पौड़ी गढ़वाल। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) गिरीश गुणवंत ने बुधवार को विकास भवन सभागार में विकास विभाग के कार्यों की मासिक बैठक की समीक्षा की। इस दौरान विकास कार्यों की धीमी प्रगति पर खंड विकास अधिकारियों को चेतावनी दी है।

सीडीओ ने जिले में किसी भी विकासखंड में विकास को लेकर कोई ठोस रुपरेखा/प्रस्ताव तैयार नहीं करने, अमृत सरोवरों, यूएसआरएलएम के तहत बनाए गए ग्रोथ सेन्टरों, क्लस्टरों की खराब स्थिति पर मुख्य विकास अधिकारी की ओर से नाराजगी व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे अधिक से अधिक क्षेत्र भ्रमण कर योजनाओं व कार्यो को गति प्रदान करना सुनिश्चित करें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने खंड विकास अधिकारियों को विकास कार्यो की नियमित रुप से मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान सीडीओ ने खंड विकास अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि विकासखंडों के अन्तर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों पर ध्यान न दिया जाना चिंता का विषय है। उन्होंने चेताया कि आगामी बैठक तक प्रगति नहीं लाने पर आवश्यक कार्यवाही अमल में लायी जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अन्तर्गत आवास प्लस 2024 सर्वे में थलीसैण, कल्जीखाल व नैनीडाण्डा की तुलना में अन्य विकासखण्डों में सर्वे पंजीकरण की कम संख्या पर मुख्य विकास अधिकारी ने आंकड़ों का पुर्नपरीक्षण करने के निर्देश दिए। रोजगार सृजन करने में धीमी प्रगति पर बीरोंखाल, पोखड़ा, थलीसैण, द्वरीखाल, नैनीडाण्डा, एकेश्वर व रिखणीखाल के खंड विकास अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यो में किसी भी प्रकार की लापरवाही के लिए संबंधित खंड विकास अधिकारी को वार्षिक प्रतिकूल प्रविष्टि दी जाएगी। बैठक में परियोजना निदेशके डीआरडीए विवेक कुमार उपाध्याय आदि शामिल थे।

विंध्यधाम: पूर्णिमा पर भक्तों का उमड़ा सैलाब, जयकारों से गूंजा मंदिर परिसर

मीरजापुर। ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा पर बुधवार को विंध्यधाम में आस्था का सागर उमड़ पड़ा। जगत जननी माता विंध्यवासिनी के दरबार में दर्शन-पूजन को सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं।

मंगला आरती और श्रृंगार दर्शन के साथ दिन की शुरुआत हुई, जिसमें देवी के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर भक्त भावविभोर हो उठे। सूरज की पहली किरण के साथ ही मंदिर परिसर 'जय विंध्यवासिनी माता' के उद्घोष से गूंज उठा। गंगा के अखाड़ा घाट, गुदारा घाट, पक्का घाट और दीवान घाट पर हजारों श्रद्धालुओं ने पुण्य स्नान किया, फिर गीले वस्त्रों में ही देवी के दरबार में मत्था टेकने पहुंचे।

त्रिकोण यात्रा पथ पर विराजमान महाकाली और मां अष्टभुजी के दरबार में भी श्रद्धालुओं की अपार भीड़ देखने को मिली। कहीं घंटा-घड़ियाल बजते रहे, तो कहीं शंखनाद और नगाड़ों की गूंज ने माहौल को आध्यात्मिक बना दिया। मंदिर की छतों पर साधक आसन लगाकर मंत्रोच्चार में लीन दिखे, तो अष्टभुजा पहाड़ पर साधु-संतों का जप-तप चलता रहा। गुड़हल, गुलाब और कमल के फूलों से सजे देवी मां के भव्य श्रृंगार ने दर्शनार्थियों को अभिभूत कर दिया। श्रद्धालुओं ने देवी के चरणों में न केवल आस्था अर्पित की बल्कि पूरे परिवार के साथ विंध्य की गलियों में घूमते हुए पूजन सामग्री और पारंपरिक वस्तुएं भी खरीदीं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। पुलिस, जिला प्रशासन और श्री विंध्य पंडा समाज ने मिलकर श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन कराने में पूरा सहयोग किया।

पीयूष गोयल ने स्विट्जरलैंड के प्रमुख उद्योगपतियों से भारत के 11 साल के विकास पर की चर्चा

सभी ने किया निवेश का वादा

बर्न (स्विट्जरलैंड)। भारत के केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योगमंत्री पीयूष गोयल ने स्विटजरलैंड के खूबसूरत शहर बर्न की दो दिवसीय सफल यात्रा का समापन, गर्मजोशी, मधुर यादों और नई साझेदारियों के साथ किया। गोयल ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, '' भारत की विकास कहानी में स्विस उद्योग जगत के नेताओं और प्रमुख हितधारकों की जिज्ञासा, रुचि और विश्वास से बेहद प्रभावित हूं। आगे रोमांचक अवसर हैं। '' पीयूष गोयल ने एक्स पर लिखा, ''स्विसमेम उद्योग दिवस पर अलग-अलग इंडस्ट्री से जुड़े 1,000 से अधिक स्विस उद्यमियों के सम्मेलन को संबोधित करना मेरे लिए सम्मान की बात रही।

मेरे साथ स्विस फेडरल काउंसलर पर्मेलिन जी भी शामिल हुए। उन्होंने पिछले 11 वर्ष में प्रौद्योगिकी, नवाचार और व्यापार के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान करने के मामले में भारत के उल्लेखनीय परिवर्तन को उजागर करने के अवसर का लाभ उठाया। '' केंद्रीयमंत्री गोयल ने लिखा, '' स्विस उद्योग जगत को भारत में विकास और निवेश के लिए अद्वितीय अवसरों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया है। उन्होंने भारत के कुशल और प्रतिभाशाली कार्यबल और सुविधाजनक व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाया। अब भारत-स्विस संबंधों का नया मजबूत अध्याय शुरू हो रहा है। इस सम्मेलन की प्रमुख भागीदार हेलेन बुडलिगर आर्टिडा ने गोयल की एक्स पोस्ट को जस का तस अपने एक्स हैंडल पर साझा किया। उल्लेखनीय है स्विसमेम स्विट्जरलैंड के मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग उद्योगों (एमईएम उद्योगों) और संबंधित प्रौद्योगिकी-उन्मुख क्षेत्रों का प्रमुख संघ है। गोयल ने कहा कि इस दौरे के दौरान दुनिया की सबसे बड़ी कंटेनर शिपिंग कंपनी और परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स में वैश्विक अग्रणी, मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी के सीईओ सोरेन टॉफ्ट के साथ अत्यंत उपयोगी बातचीत हुई। उन्होंने भारत के तेजी से बढ़ते शिपिंग, लॉजिस्टिक्स और बंदरगाह बुनियादी ढांचे के विस्तार करने में निवेश की रुचि दिखाई। निकट भविष्य में महत्वपूर्ण साझेदारी की आशा है। इसके अलावा टिकाऊ पैकेजिंग समाधानों में अग्रणी एसआईजी ग्रुप के सीईओ सैमुअल सिग्रिस्ट के साथ सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि बर्न में विश्वस्तर पर मान्यता प्राप्त फार्मा और लाइफ साइंसेज समूह के प्रतिनिधियों से नोवार्टिस के नेतृत्व के साथ बातचीत उपयोगी रही। चर्चा भारत में उनकी अनुसंधान एवं विकास सुविधा और अत्याधुनिक, किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने और आगे नवाचार करने के अवसरों पर केंद्रित रही। गोयल ने स्विस घड़ी और आभूषण निर्माण कंपनी द स्वैच ग्रुप एजी के सीएफओ थिएरी केनेल से भी मुलाकात की है। गोयल यूरोपीय देशों के साथ व्यापार को बढ़ाने के लिए नौ जून को स्विट्जरलैंड पहुंचे। अब वो वहां स्वीडन की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। दोनों देशों के बीच रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में उनकी यात्रा अहम मानी जा रही है। यह यात्रा यूरोप की दो सबसे इनोवेटिव अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत के गहरे जुड़ाव को रेखांकित करती है।

भारत का निर्यात निश्चित रूप से चालू वित्त वर्ष में 825 अरब डॉलर से अधिक होगा: गोयल

बर्न (स्विट्जरलैंड)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि विश्व व्यापार गंभीर भू-राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, लेकिन भारत ऐसे समय में लगातार विजेता के रूप में उभरा है और देश का वस्तुओं एवं सेवाओं का निर्यात निश्चित रूप से 2025-26 में 825 अरब डॉलर को पार कर जाएगा। रूस-यूक्रेन संघर्ष, इजराइल-हमास युद्ध और लाल सागर संकट के कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद देश का समग्र निर्यात 2023-24 में 778 अरब अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 2024-25 में 825 अरब अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। गोयल ने कहा कि कुछ बहुपक्षीय निकायों के अनुमान के अनुसार, वैश्विक व्यापार में संकुचन होगा। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, दुनिया गंभीर भू-राजनीतिक चुनौतियों से गुजर रही है... इसलिए यह चुनौतीपूर्ण समय है, लेकिन भारत हमेशा चुनौतीपूर्ण समय में विजेता के रूप में उभरा है। हमने 2024-25 में रिकॉर्ड 825 अरब डॉलर का निर्यात किया। इस साल हमें और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। गत वित्त वर्ष के आंकड़े पार करने की संभावना संबंधी सवाल पर उन्होंने कहा, हम निश्चित रूप से इसे पार करने में सक्षम होंगे। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अनुमान के अनुसार, देश के समग्र वस्तु एवं सेवा निर्यात के 2025-26 में सालाना आधार पर 21 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 1000 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। फियो के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय खरीदारों द्वारा अपने स्रोतों में विविधता लाने की चाहत के कारण यह अच्छी वृद्धि संभव हो सकी है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) जैसे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते भी आने वाले महीनों में निर्यात को बढ़ावा देने में मदद करेंगे। भारत-ईएफटीए व्यापार समझौता इस साल एक अक्टूबर से लागू होने की उम्मीद है। गोयल ने कहा कि कांग्रेस के समय में किए गए एफटीए अच्छे नहीं थे और इनका असर घरेलू कंपनियों पर पड़ा।

प्रस्तावित राष्ट्रीय ई-कॉमर्स, खुदरा व्यापार नीतियों पर चर्चा जारी: गोयल

बर्न (स्विट्जरलैंड)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रस्तावित राष्ट्रीय ई-कॉमर्स और खुदरा व्यापार नीतियों पर चर्चा जारी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे से परस्पर जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि ई-कॉमर्स क्षेत्र एक उभरता हुआ और तेजी से बदलता हुआ विषय है इसलिए हमने कुछ विचार सामने रखे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि इसे और अधिक समसामयिक बनाने के लिए हमें नीति में संशोधन करना होगा जिस पर चर्चा जारी है। मंत्री ने कहा कि खुदरा व्यापार नीति पर भी चर्चा जारी है, क्योंकि ये दोनों एक-दूसरे से परस्पर जुड़ी हैं। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड से राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति तैयार करने के लिए सुझाव देने को कहा है। खुदरा व्यापार को सुव्यवस्थित करने तथा खुदरा व्यापार क्षेत्र के सभी स्वरूपों के सामंजस्यपूर्ण तरीके से विकास के लिए खुदरा व्यापार नीति का मसौदा 2021 में तैयार किया गया था। इसका उद्देश्य व्यापार सुगमता बढ़ाना, किफायती ऋण तक आसान एवं त्वरित पहुंच सुनिश्चित करना और खुदरा व्यापार के आधुनिकीकरण व डिजिटलीकरण को सुगम बनाना है।

निवेश आकर्षित करने के लिए भारत में अच्छा नियामक ढांचा महत्वपूर्ण: आर्टिडा

बर्न। स्विट्जरलैंड की आर्थिक मामलों की राज्य सचिव हेलेन बुडलिगर आर्टिडा ने कहा कि स्विट्जरलैंड से निवेश आकर्षित करने के लिए भारत में एक अच्छा नियामक ढांचा तैयार करना और लालफीताशाही को कम करना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यहां के कारोबारियों ने नौकरशाही संबंधी बाधाओं के बारे में चिंता जाहिर की है। भारत और चार यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए ने 10 मार्च 2024 को व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) पर हस्ताक्षर किए। इसके एक अक्टूबर से लागू होने की उम्मीद है। समझौते के तहत, भारत को समूह से 15 वर्ष में 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता हासिल हुई है, जबकि स्विस घड़ियों, चॉकलेट्स और तराशे गए हीरों जैसे कई उत्पादों को कम या शून्य शुल्क पर अनुमति दी गई है।

यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के सदस्य आइसलैंड, लिश्टेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड हैं। उन्होंने कहा कि 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश के लिए, हमें सर्वोत्तम ढांचागत स्थितियों की आवश्यकता है। इस पर (वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष) गोयल की उपस्थिति में व्यापार गोलमेज बैठक पर चर्चा की गई। आर्टिडा ने 10 जून को गोयल से मुलाकात के बाद पत्रकारों से कहा, यह महत्वपूर्ण होगा कि लालफीताशाही को यथासंभव कम किया जाए। यहां तक कि स्विट्जरलैंड में भी कंपनियां हमेशा शिकायत करती हैं कि वहां बहुत अधिक लालफीताशाही है। यह बहुत महत्वपूर्ण होगा कि भारत, स्विट्जरलैंड से निवेश के लिए एक अच्छा ढांचा तैयार करे। गोयल, भारत में निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से व्यवसाइयों से मिलने के लिए दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर यहां पहुंचे थे। स्विट्जरलैंड सरकार के भारत और स्विट्जरलैंड के बीच दोहरे कराधान से बचाव समझौते (डीटीएए) में सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र (एमएफएन) का दर्जा देने वाले खंड को निलंबित करने के मुद्दे पर, आर्टिडा ने कहा कि इसको लेकर गलतफहमी है। उन्होंने कहा, वास्तव में इसका कोई संबंध नहीं है... मुझे लगता है कि यह जानना महत्वपूर्ण है कि भारत और स्विट्जरलैंड दोनों के बीच दोहरे कराधान की संधि है। यह संधि वैध है और इसका मतलब है कि इसको लेकर कोई मुद्दा नहीं होगा। आर्टिडा ने साथ ही कहा कि स्विट्जरलैंड को भारत में 15 वर्षों में 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता हासिल करने का पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि हम इसे हासिल कर लेंगे।

भारत-ईएफटीए द्विपक्षीय व्यापार 2022-23 में 18.65 अरब अमेरिकी डॉलर रहा (इसमें से 17.14 अरब अमेरिकी डॉलर स्विट्जरलैंड के साथ रहा) जबकि 2021-22 में यह 27.23 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। वित्त वर्ष 2024-25 में व्यापार घाटा 14.8 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था। वित्त वर्ष 2024-25 में, ईएफटीए से भारत का आयात 2023-24 में 22 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 22.5 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। पिछले वित्त वर्ष में निर्यात 1.96 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो 2023-24 में 1.94 अरब अमेरिकी डॉलर था। ईएफटीए में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार स्विट्जरलैंड है। उसके बाद नॉर्वे का स्थान आता है। भारत को अप्रैल 2000 से मार्च 2025 के बीच स्विट्जरलैंड से करीब 10.83 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्राप्त हुआ है। स्विट्जरलैंड, भारत में 12वां सबसे बड़ा निवेशक है।

संक्षिप्त खबरें

एयरटेल ने रोक कर्नाटक में 1.80 लाख संदिग्ध लिंक पर लगाई

बेंगलुरु। दूरसंचार सेवाप्रदाता भारती एयरटेल ने बुधवार को दावा किया कि उसने ऑनलाइन धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के मद्देनजर अपनी उन्नत धोखाधड़ी पहचान प्रणाली शुरू करने के महज 25 दिन के भीतर कर्नाटक में 1.80 लाख से अधिक लिंक पर रोक लगाई। कंपनी बयान के अनुसार, यह पहल कृत्रिम मेधा (एआई)-संचालित धोखाधड़ी पहचान प्रणाली के राष्ट्रव्यापी क्रियान्वयन के हिस्से के रूप में की जा रही है। भारती एयरटेल ने कहा, सभी एयरटेल मोबाइल और ब्रॉडबैंड ग्राहकों के लिए स्वचालित रूप से सक्षम व उन्नत प्रणाली..एसएमएस, व्हाट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ई-मेल और अन्य ब्राउजर में लिंक को स्कैन और फिल्टर करती है। यह प्रतिदिन एक अरब अरब से अधिक यूआरएल की जांच करने के लिए खतरे से जुड़ी खुफिया जानकारी का इस्तेमाल करती है और 100 मिलीसेकंड से कम समय में इन संदिग्ध साइट पर रोक लगाती है।

वोडाफोन-आइडिया ने बेंगलुरु में शुरू की 5जी सेवाएं

बेंगलुरु। दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) ने बुधवार से बेंगलुरु में अपनी 5जी सेवाएं शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी बयान के अनुसार, मुंबई, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, पटना और चंडीगढ़ में हालही में 5जी सेवाएं शुरू करने के बाद इसे यहां भी इसे शुरू किया गया। यह इस साल अगस्त तक सभी प्राथमिकता वाले 17 क्षेत्रों में 5जी सेवाएं शुरू करने की कंपनी की रणनीति का हिस्सा है। दूरसंचार कंपनी ने कहा कि बेंगलुरु में वोडाफोन आइडिया के 5जी-सक्षम उपकरण वाले उपयोगकर्ता अब हमारी 5जी सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं... 299 रुपये से शुरू होने वाले प्लान पर उपयोगकर्ताओं को असीमित 5जी डेटा उपलब्ध है।

इरेडा ने पात्र संस्थागत नियोजन के जरिये 2,005 करोड़ रुपये जुटाये

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी लि. (इरेडा) ने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के माध्यम से 2,000 करोड़ रुपये से अधिक जुटाये हैं। कंपनी ने बयान में कहा कि यह निर्गम पांच जून को खुलकर 10 जून को बंद हुआ था। इसे पात्र घरेलू और विदेशी संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) दोनों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। इसमें बीमा कंपनियां, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक शामिल हैं। कंपनी के निदेशक मंडल ने बुधवार को आयोजित अपनी बैठक में पात्र संस्थागत खरीदारों को इक्विटी शेयरों के आवंटन को मंजूरी दे दी है। पात्र संस्थागत नियोजन के तहत जारी 1,500 करोड़ रुपये के निर्गम को 1.34 गुना अभिदान मिला। कुल 2,005.90 करोड़ रुपये की बोलियां मिलीं। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अंतर्गत आने वाला इरेडा ने कहा कि पूंजी 165.14 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 12.15 करोड़ इक्विटी शेयर जारी कर जुटाई गई। यह न्यूनतम मूल्य 173.83 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के मुकाबले पांच प्रतिशत की छूट है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील में फंसा पेंच

अमेरिकी दबाव को मानने से भारत का इनकार

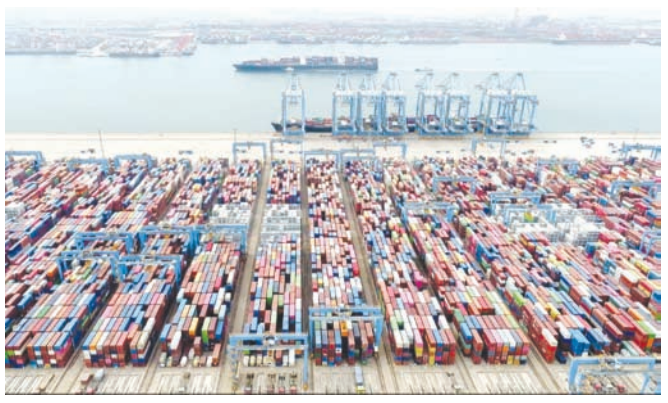

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील में कुछ मुद्दों को लेकर मामला फंसता नजर आ रहा है। भारत और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच 4 से 10 जून के बीच दिल्ली में आपसी व्यापार से जुड़े सभी मुद्दों पर विस्तार से बातचीत हुई। इसके बाद अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्य वापस लौट गए, जबकि कुछ सदस्यों की अभी भी भारतीय प्रतिनिधिमंडल से बातचीत जारी है। बताया जा रहा है कि एग्रीकल्चर, डेयरी, मेडिकल और डिजिटल सर्विसेस को लेकर भारत ने अमेरिका की मांग को पूरी तरह से ठुकरा दिया है। अमेरिका इन सेक्टर्स को ओपन करने का दबाव बना रहा है लेकिन भारत ने ऐसा करने से साफ इनकार कर दिया है।

भारतीय पक्ष का मानना है कि दोनों देशों के बीच होने वाली ट्रेड डील पूरी तरह संतुलित होनी चाहिए, जिससे दोनों देशों के हितों का परस्पर ध्यान रखा जा सके। भारत और अमेरिका दोनों देश डोनाल्ड ट्रंप की सरकार द्वारा शुरू की गई टैरिफ पॉलिसी को ध्यान में रखते हुए ट्रेड डील करना चाहते हैं। फिलहाल डोनाल्ड ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ पर 8 जुलाई तक के लिए रोक लगा दी है।

यही कारण है कि दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल 8 जुलाई के पहले ट्रेड डील को आखिरी रूप दे देना चाहते हैं, ताकि दोनों देशों के बीच होने वाले परस्पर कारोबार पर कोई असर न पड़े। ट्रेड डील को लेकर शुरू हुई बातचीत में अमेरिकी पक्ष पहले से ही डेयरी और एग्रीकल्चर सेक्टर को ओपन करने का दबाव बना रहा है। दूसरी ओर, भारत ने इन क्षेत्रों को संवेदनशील मानते हुए खोलने से इनकार कर दिया है। भारतीय पक्ष का मानना है कि अगर डेयरी और एग्रीकल्चर जैसे सेक्टर्स को पूरी तरह से ओपन कर दिया जाता है, तो इससे इन सेक्टर्स में विदेशी कंपनियों के साथ होने वाली प्रतिस्पर्धा को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाएगा, जिससे भारतीय कारोबारियों को नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। जानकारों का कहना है कि भारत द्वारा इन सेक्टर्स को ओपन करने से साफ-साफ इनकार कर देने की वजह से भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बीच गतिरोध की स्थिति बन गई है। अमेरिका का कहना है कि अगर भारत इन सेक्टर्स को ओपन करने के लिए तैयार नहीं होता है, तो फिर दोनों देशों के बीच ट्रेड डील नहीं हो सकती है। जानकारों के मुताबिक अमेरिकी पक्ष एग्रीकल्चर गुड्स और डेयरी प्रोडक्ट्स पर ड्यूटी में भारत की ओर से तो बड़ी कटौती की मांग कर रहा है, लेकिन इसके बदले वो भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजार में आसान एंट्री देने के लिए तैयार नहीं है। बताया जा रहा है कि बातचीत के दौरान अभी तक दोनों पक्ष ट्रेड डील को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने की बात पर तो सहमति जता रहे हैं, लेकिन जिन मुद्दों पर गतिरोध बना हुआ है, उन पर अभी रास्ता निकलता नहीं दिख रहा है। हालांकि दावा किया जा रहा है कि 8 जुलाई के पहले कोई ना कोई रास्ता निकाल लिया जाएगा, जिससे दोनों देशों के बीच ट्रेड डील को अंतिम रूप दिया जा सके।

अमेरिका, चीन में व्यापार विवादों को सुलझाने के लिए रूपरेखा पर सहमति बनी

लंदन। अमेरिका और चीन के वरिष्ठ वार्ताकारों ने अपनी व्यापार वार्ता को पटरी पर लाने के लिए एक रूपरेखा पर सैद्धांतिक रूप से सहमति बनने की घोषणा की है। यह घोषणा ब्रिटेन की राजधानी लंदन में दो दिन की वार्ता के अंत में की गई। यह वार्ता मंगलवार देर रात समाप्त हुई। दो दिन चलीं बैठकें खनिज एवं प्रौद्योगिकी निर्यात पर विवादों को हल करने का तरीका खोजने पर केंद्रित थीं जिससे पिछले महीने जिनेवा में व्यापार पर हुए नाजुक समझौते को हिला दिया था। यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका के साथ चीन के बड़े व्यापार अधिशेष पर अधिक बुनियादी मतभेदों पर कोई प्रगति हुई या नहीं। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने बैठकों के बाद पत्रकारों से कहा, पहले हमें नकारात्मकता को दूर करना था और अब हम आगे बढ़ सकते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच पिछले सप्ताह फोन पर हुई बातचीत के बाद यह वार्ता हुई। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, वाणिज्य उपमंत्री और चीन के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रतिनिधि ली चेंगगांग ने कहा कि दोनों पक्ष फोन पर बातचीत और जिनेवा में वार्ता के दौरान बनी सहमति को अमलीजामा पहनाने के लिए एक रूपरेखा पर सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गए हैं। अगले दौर की वार्ता की संभावित योजना सहित अन्य विवरण तत्काल उपलब्ध नहीं है।

भारत का कोयला आयात अप्रैल में 4.4% घटकर 2.495 करोड़ टन

नई दिल्ली। भारत का कोयला आयात अप्रैल में 4.4 प्रतिशत घटकर 2.495 करोड़ टन रह गया। अप्रैल 2024 में यह 2.610 करोड़ टन रहा था। बी2बी ई-कॉमर्स कंपनी एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2025 के 2.279 करोड़ टन के मुकाबले अप्रैल में कोयले का आयात 9.48 प्रतिशत अधिक रहा। अप्रैल में कुल आयात में से गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.590 करोड़ टन रहा, जबकि पिछले वर्ष अप्रैल में यह 1.740 करोड़ टन रहा था। कोकिंग कोयले का आयात 54.2 लाख टन रहा, जो अप्रैल 2024 में 49.7 लाख टन रहा था।

देश का घरेलू कोयला उत्पादन अप्रैल में 3.6 प्रतिशत बढ़कर 8.157 करोड़ टन हो गया। अप्रैल 2024 में भारत का घरेलू कोयला उत्पादन 7.871 करोड़ टन रहा था। कोयला मंत्रालय ने बयान में कहा, अप्रैल 2025 के दौरान भारत में कुल कोयला उत्पादन 8.157 करोड़ टन (अस्थायी) तक पहुंच गया, जो अप्रैल 2024 के 7.871 करोड़ टन से अधिक है। इस बीच, कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का कोयला उत्पादन अप्रैल में करीब 6.21 करोड़ टन रहा, जो घरेलू कोयला उत्पादन का 80 प्रतिशत से अधिक है। अप्रैल 2024 में सीआईएल का कोयला उत्पादन 6.18 करोड़ टन रहा था।

सीआईएन ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में कोयला उत्पादन 78.11 करोड़ टन रहा था। यह वित्त वर्ष के लिए कंपनी के 83.8 करोड़ टन के लक्ष्य से करीब सात प्रतिशत कम रहा। कोल इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 के 87.5 करोड़ टन के उत्पादन और 90 करोड़ टन के उठाव का लक्ष्य रखा है।

भारत का एआई बाजार 2027 तक तीन गुना होकर 17 अरब अमेरिकी डॉलर होगा: रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत के कृत्रिम मेधा (एआई) बाजार के उसके वर्तमान आकार से तीन गुना होकर 2027 तक 17 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो जाने की उम्मीद है। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) के अनुसार, ऐसा उद्यम प्रौद्योगिकी में बढ़ते निवेश, एक समृद्ध डिजिटल परिवेश और कुशल पेशेवरों के दम पर मुमकिन होगा। बीसीजी ने अपनी रिपोर्ट 'भारत की एआई छलांग: उभरती चुनौतियों पर बीसीजी परिप्रेक्ष्य' में कहा कि भारत में 6,00,000 से अधिक एआई पेशेवरों, 70 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ताओं और पिछले तीन वर्ष में 2,000 से अधिक एआई स्टार्टअप के साथ एक संपन्न एआई परिवेश है। रिपोर्ट में कहा गया, '' भारत का घरेलू एआई बाजार 2027 तक तीन गुना होकर 17 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जिससे यह एआई के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से वृद्धि करने वालों में से एक बन जाएगा। यह उद्यम प्रौद्योगिकी में बढ़ते निवेश, संपन्न डिजिटल परिवेश और कुशल पेशेवरों के दम पर मुमकिन होगा।'' भारत 2025 में 45 नए डेटा सेंटर जोड़ने की योजना बना रहा है, जिससे 152 सेंटर के मौजूदा नेटवर्क में अतिरिक्त 1,015 मेगावाट क्षमता जुड़ जाएगी। सरकार की इंडियाएआई पहल, 10,000 करोड़ रुपये से अधिक के कोष के साथ, राष्ट्रीय एआई कंप्यूट अवसंरचना स्थापित करेगी जो एआई मॉडल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के लिए 10,000 से अधिक 'ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट' (जीपीयू) तक पहुंच प्रदान करेगी।

एआई से गन्ना उत्पादन में 30% वृद्धि होने की संभावना: विशेषज्ञ

छत्रपति संभाजीनगर (महाराष्ट्र)। गन्ने की खेती में कृत्रिम मेधा (एआई) के इस्तेमाल से पानी की जरूरत के 50 प्रतिशत तक कम होने और प्रति एकड़ उत्पादन में करीब 30 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है। इस क्षेत्र के एक विशेषज्ञ ने बुधवार को यह बात कही। उल्लेखनीय है कि हाल ही में पुणे में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार और पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री शरद पवार की उपस्थिति में एक बैठक हुई थी, जिसमें गन्ने की खेती में एआई के उपयोग पर चर्चा की गई थी। महाराष्ट्र राज्य सहकारी चीनी कारखाना संघ लिमिटेड के निदेशक जयप्रकाश दांडेगांवकर ने पीटीआई-भाषा से कहा, माइक्रोसॉफ्ट ने गन्ने की खेती के लिए एआई के इस्तेमाल पर लंबे समय से काम किया है और गन्ने के उत्पादन में 30 प्रतिशत की वृद्धि और पानी के इस्तेमाल (इसकी खेती में) को आधे तक कम करने का आश्वासन दिया है।

इससे चीनी मिलों को लंबे समय (110 दिन से अधिक) तक चलाने में मदद मिलेगी और घाटा भी कम होगा। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र की 40 (23 सहकारी और 17 निजी) चीनी मिल, जिन पर वीएसआई का कोई ऋण बकाया नहीं है उन्हें इस परियोजना (गन्ने की खेती में एआई के उपयोग) में शामिल किया जाएगा। दांडेगांवकर ने बताया कि शुरुआत में एक किसान को 25,000 रुपए रुपये की जरूरत पड़ सकती है।

यह प्रौद्योगिकी.. पूर्वानुमान, मृदा परीक्षण, सिंचाई अलर्ट, कीटनाशकों के इस्तेमाल को सीमित करने और मिट्टी की गुणवत्ता की सुरक्षा पर काम करेगी। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में गन्ने की पैदावार में कमी आई है। दांडेगांवकर ने कहा, कम बारिश के कारण राज्य में प्रति एकड़ उत्पादन घटकर 73 टन रह गया है। एआई के इस्तेमाल से हम निकट भविष्य में कम से कम 150 टन प्रति एकड़ उत्पादन तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने कहा, किसानों को इसके लिए (सिंचाई के लिए) अपने खेतों में ड्रिप लगाने की जरूरत है। हम उम्मीद कर सकते हैं कि अगस्त के अंत तक या सितंबर के पहले सप्ताह तक इस तरह का पहला स्टेशन (स्वचालित एआई सुविधा) स्थापित एवं चालू हो जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

यमुना एक्सप्रेसवे पर लग्जरी कारों से स्टंटबाजी, ट्रैफिक पुलिस ने की 56-56 हजार रुपये की वसूली

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर के सोशल मीडिया पर दो लग्जरी कार से स्टंट करने का वीडियो वायरल हुआ। वायरल वीडियो यमुना एक्सप्रेसवे का बताया गया है। खतरनाक स्टंटबाजी का वीडियो सामने आने के बाद ट्रैफिक पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लेकर दोनों कारों के 56-56 हजार रुपये के चालान किया है। वाहनों से स्टंटबाजी करने वाले लोगों पर पुलिस की लगातार कार्रवाई के बाद भी सुधार नहीं आ रहा है। सोशल मीडिया पर दो कार से स्टंट करने का एक और वीडियो सामने आया। यह वीडियो ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे का बताया गया है। वायरल वीडियो के मुताबिक एक लग्जरी गाड़ी को सड़क पर बीच में खड़ा किया गया, जबकि दूसरी गाड़ी को गोल घुमाकर स्टंटबाजी की जा रही है। दो युवक गाड़ी के बोनट पर बैठे हैं। खतरनाक स्टंटबाजी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ट्रैफिक पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर 56-56 हजार रुपये का ई-चालान किया है। इस संबंध में ट्रैफिक पुलिस द्वारा संबंधित थाना पुलिस को सूचना दी गई है। पुलिस द्वारा दोनों गाड़ियों के मालिक के बारे में पता लगाया जा रहा है।

ग्रेटर नोएडा में 12वीं की छात्रा से अश्लील हरकत करने वाला शिक्षक गिरफ्तार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के थाना बीटा-2 क्षेत्र के सेक्टर-36 में रहने वाले एक अध्यापक ने 12वीं कक्षा की छात्रा के साथ कोचिंग के दौरान अश्लील हरकत की। पीड़िता ने घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी अध्यापक को गिरफ्तार कर लिया है। थाना बीटा-दो के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि एक व्यक्ति ने को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सेक्टर-36 में परिवार सहित रहता है। पीड़ित के अनुसार सेक्टर-36 में ही रहने वाले हरिओम नामक व्यक्ति के यहां उसकी 12वीं कक्षा में पढ़ने वाली बेटी ट्यूशन पढ़ने के लिए गई थी। पीड़ित के अनुसार अध्यापक ने ट्यूशन पढ़ाते समय बेटी के साथ अश्लील हरकतें करनी शुरू कर दी, विरोध करने पर भी वह नहीं माना। इस पर किशोरी ट्यूशन छोड़कर घर चली आई। घर पर जाकर किशोरी ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्जकर आरोपी अध्यापक को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि उसे आज न्यायालय में पेश किया जाएगा।

युवती को दोस्ती करनी पड़ी मंहगी, युवक ने अश्लील वीडियो किया वायरल

नोएडा। थाना सेक्टर-63 में एक युवती ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि एक युवक से उसकी दोस्ती हुई। उसने उसकी अतरंग समय की अश्लील वीडियो बना ली, तथा उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इस घटना के बाद भी युवक उसे धमकी दे रहा है। वहीं थाना जेवर में एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि एक व्यक्ति उसे रोज नए-नए नंबरों से फोन करके तंग कर रहा है। जान से मारने की धमकी दे रहा है, और गाली-गलौज कर रहा है। दोनों मामलों की पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। थाना सेक्टर-63 के प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि एक युवती ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 3 वर्ष पूर्व उसकी दोस्ती जनपद प्रतापगढ़ के रहने वाले अभय प्रताप सिंह से हुई थी। वह युवती के काफी नजदीक आया। इसी दौरान उसने युवती की अश्लील फोटो खींच ली। पीड़िता के अनुसार आरोपी ने उसकी फोटो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया तथा उससे लगातार जबरन शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव बना रहा है। विरोध करने पर उसने गाली-गलौज की। पीड़िता के अनुसार जब वह आरोपी से बात करने गई तो उसने उसके साथ मारपीट की और धमकी दी। युवती के अनुसार वह उसे बदनाम करने की धमकी दे रहा है। युवती के अनुसार आरोपी ने उसकी आपत्तिजनक फोटो सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया है। उसने उसकी बड़ी बहन के बारे में भी अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए मैसेज लिखा है। थाना प्रभारी ने बताया की युवती की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। दूसरी घटना के बारे में थाना जेवर के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि जेवर क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अरुण नाम का एक लड़का कुछ दिनों से उसे लगातार फोन कर रहा है। वह नए-नए नंबरों से उल्टी सीधी बातें लिखकर उसे मैसेज के साथ फोन करता है। गाली-गलौज करता है, तथा उसके बच्चों को मारने की धमकी दे रहा है। महिला के अनुसार उसने उसके व्हाट्सएप डीपी से उसका फोटो चोरी करके अपने साथ फोटो बना लिया है।

उत्तर प्रदेश लिफ्ट एवं एस्केलेटर अधिनियम-2024 को लेकर डीएम ने की समीक्षा बैठक

अधिनियम के पालन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

- लिफ्ट पंजीकरण अनिवार्य, पंजीकरण में देरी पर लगेगा जुर्माना
- 30 दिन से अधिक विलंब पर बंद होगी लिफ्ट: जिलाधिकारी

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश लिफ्ट एवं एस्केलेटर अधिनियम-2024 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर बुधवार को गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की विभिन्न रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (RWA) और हाउसिंग सोसाइटी प्रतिनिधि शामिल हुए।

जिलाधिकारी ने बैठक में स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि – जनपद में संचालित सभी लिफ्ट एवं एस्केलेटर का अधिनियम-2024 के अंतर्गत पंजीकरण अनिवार्य है।उन्होंने चेताया कि जिन संचालकों और संस्थाओं द्वारा अब तक पंजीकरण नहीं कराया गया है, उनके विरुद्ध जुर्माना एवं विधिक कार्रवाई की जाएगी। अधिनियम में देरी की स्थिति में विलंब शुल्क वसूले जाने का भी प्रावधान है। डीएम मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि यह अधिनियम जनहित और नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लागू किया गया है। सभी भवन स्वामी यह सुनिश्चित करें कि उनकी सोसाइटी या भवन में लगे लिफ्ट व एस्केलेटर पंजीकृत हों और नियमित रूप से परीक्षण कराए जा रहे हों। उन्होंने आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों से अपील की कि वे अधिनियम की जानकारी निवासियों तक पहुंचाएं और लिफ्ट की सुरक्षा व मरम्मत को प्राथमिकता दें। बैठक में सहायक निदेशक विद्युत सुरक्षा रमेश कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश लिफ्ट एवं एस्केलेटर अधिनियम 2024 और नियमावली के तहत, समयसीमा का उल्लंघन करने पर निम्नानुसार विलंब शुल्क वसूला जाएगा।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार ने बताया कि अब तक पंजीकरण न कराने वाले संचालकों को सूचित और जागरूक किया जा चुका है। यदि इसके बावजूद नियमों का पालन नहीं हुआ, तो प्रशासनिक एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस समीक्षा बैठक में जिला पंचायत राज अधिकारी वीरेंद्र सिंह, तकनीकी अधिकारीगण, संबंधित विभागीय प्रतिनिधि, आरडब्ल्यूए सदस्य और हाउसिंग सोसाइटी प्रतिनिधि मौजूद रहे। लिफ्ट और एस्केलेटर के सुरक्षित संचालन को लेकर अब लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। जनहित में बनाए गए इस अधिनियम के तहत सभी संचालकों को जल्द से जल्द पंजीकरण कराना अनिवार्य है, अन्यथा उन्हें भारी आर्थिक दंड के साथ संचालन प्रतिबंध का सामना करना पड़ सकता है।

ग्रेटर नोएडा के अस्तौली और बादलपुर में बनेंगे नए बिजलीघर

जलपुरा गौशाला और महिला उद्यमी पार्क में लगेंगी स्ट्रीट लाइटें

नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने अस्तौली व बादलपुर में 33/11केवी के बिजलीघर बनाने का निर्णय लिया है। इन दो बिजलीघरों को बनाने और लाइन बिछाने में करीब 32 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके साथ ही जलपुरा गौशाला में विद्युतीकरण व हाईमास्ट लाइट और ईकोटेक-3 के उद्योग केंद्र-1, रिजर्व पुलिस लाइन, ट्वॉय सिटी, महिला उद्यमी पार्क पार्ट-1 व टू में हाईमास्ट लाइटें व स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी।

एक समीक्षा बैठक के दौरान प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह ने ओएसडी अभिषेक पाठक के साथ ग्रेटर नोएडा में चल रहे विद्युत कार्यों की समीक्षा की। प्राधिकरण के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग की तरफ से बताया गया कि अस्तौली व बादलपुर में 33/11केवी के बिजली घर का बनाने के लिए कागजी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। दोनों ही सब-स्टेशनों के निर्माण के लिए टेंडर निकाल दिए गए हैं। इसी माह के अंत तक टेंडर खुल जाएंगे। दोनों सब स्टेशनों के निर्माण और लाइन बिछाने के कार्यें पर लगभग 32 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इन बिजलीघरों के निर्माण में लगभग एक साल लग जाएंगे। इन दोनों बिजली घरों के बनने से न सिर्फ अस्तौली और बादलपुर बल्कि आसपास के एरिया में भी बिजली आपूर्ति और बेहतर हो जाएगी। समीक्षा बैठक में एसीईओ प्रेरणा सिंह ने तय समयसीमा में कार्य शुरू कराने और पूरा करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जलपुरा गौशाला का विद्युतीकरण व हाईमास्ट लाइट और इकोटेक-3 के उद्योग केंद्र-1, रिजर्व पुलिस लाइन, ट्वॉय सिटी, महिला उद्यमी पार्क पार्ट-1 व टू में हाईमास्ट लाइटें व स्ट्रीट लाइट भी लगाई जाएंगी। इन दोनों कार्यों पर लगभग 3.91 करोड रुपए खर्च होने का अनुमान है। एसीईओ ने इन कार्यों को भी तय समय में ही पूरा करने को कहा है। उन्होंने विद्युत अभियांत्रिकी विभाग की तरफ से किए जा रहे अन्य कार्यों की भी समीक्षा की। समीक्षा बैठक में तकनीकी कंसल्टेंट आरके जायसवाल, वरिष्ठ प्रबंधक रामचरण, सौरभ भारद्वाज और अश्विनी चतुर्वेदी, मैनेजर निखिल गुप्ता, अजीत भाई पटेल, विपिन बिहारी राय सहित अन्य मौजूद रहे।

नोएडा में मां-बेटे ने आर्थिक तंगी से परेशान होकर की आत्महत्या की कोशिश, बेटा दिल्ली रेफर

नोएडा। नोएडा के थाना फेज-3 क्षेत्र स्थित एक हाई-प्रोफाइल सोसायटी 'क्लियो काउंटी' से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां आर्थिक तंगी से जूझ रही एक महिला और उसके बेटे ने आत्महत्या का प्रयास किया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। बेटे की स्थिति नाजुक बताई जा रही है, जिसे बेहतर इलाज के लिए दिल्ली रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार, घटना 10 जून 2025 की है। पीड़ित महिला के भाई, जो महिला के बेटे के मामा भी हैं, ने थाना फेस-3 पुलिस को सूचना दी कि उनकी बहन और भांजा कई बार कॉल करने के बावजूद फोन नहीं उठा रहे हैं और किसी भी प्रकार का संपर्क नहीं हो पा रहा है। इस पर पुलिस तत्काल हरकत में आई और एक टीम क्लियो काउंटी सोसायटी में स्थित उनके फ्लैट पर पहुंची। स्थानीय सोसायटी स्टाफ की मदद से पुलिस ने फ्लैट का दरवाजा खुलवाया। वीडियो रिकॉर्डिंग करते हुए पुलिस टीम जैसे ही अंदर पहुंची, तो देखा कि महिला (उम्र करीब 55 वर्ष) और उसका बेटा (उम्र करीब 25 वर्ष) बेहोशी की हालत में पड़े हुए हैं। जांच में सामने आया कि दोनों ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। तुरंत दोनों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, महिला की हालत स्थिर बताई जा रही है, जबकि बेटे की हालत गंभीर होने के चलते उसे दिल्ली के एक बड़े अस्पताल में रेफर किया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई।

नोएडा इंटरनेशनल फिल्म सिटी के शिलान्यास की प्रस्तावित तिथि 16 जून रखी गई

नोएडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट "नोएडा इंटरनेशनल फिल्म सिटी" को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। लंबे समय से प्रतीक्षित इस परियोजना का शिलान्यास अब जल्द ही होने जा रहा है। 16 जून 2025 को इसका शिलान्यास प्रस्तावित किया गया है। इस दिन के बाद फिल्म सिटी के निर्माण कार्य की औपचारिक शुरुआत की जा सकती है। नोएडा इंटरनेशनल फिल्म सिटी को उत्तर प्रदेश को एक ग्लोबल फिल्म डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से विकसित किया जा रहा है।

यह प्रोजेक्ट यमुना एक्सप्रेस-वे के किनारे विकसित किया जाएगा और कुल 1000 एकड़ भूमि में फैला होगा। पहले फेज में कुल 230 एकड़ में निर्माण कार्य किया जाना है, जिसे तीन भागों में विभाजित किया गया है। पहले सब-फेज में 80 एकड़ भूमि पर फिल्म स्टूडियोज, प्रशिक्षण संस्थान, प्रोडक्शन हब और अन्य बुनियादी ढांचा सुविधाएं तैयार की जाएंगी। इस चरण का निर्माण कार्य 18 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत निर्माण कार्य में देरी होने की स्थिति में प्रतिदिन 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाने का प्रावधान भी रखा गया है, जिससे काम की रफ्तार बनी रहे। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का निर्माण बेव्यू ग्रुप और भूटानी ग्रुप द्वारा किया जाएगा। दोनों ग्रुप्स को मिलकर फिल्म सिटी का विस्तृत लेआउट प्लान तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, जो अब पूरा हो चुका है। फिल्म सिटी का उद्देश्य न सिर्फ भारतीय सिनेमा को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाना है, बल्कि राज्य में रोजगार के अवसरों को भी बढ़ाना है। इसके निर्माण से हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने की संभावना है। साथ ही यह प्रोजेक्ट पर्यटन और संस्कृति के क्षेत्र में भी राज्य की छवि को निखारने का काम करेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं इस प्रोजेक्ट की निगरानी कर रहे हैं और उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कार्य की गुणवत्ता और समय सीमा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। फिल्म सिटी का निर्माण कार्य शुरू होते ही नोएडा और ग्रेटर नोएडा का फिल्म व मनोरंजन जगत में महत्व तेजी से बढ़ेगा। 16 जून को होने वाले शिलान्यास समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। इस ऐतिहासिक क्षण का प्रदेशवासियों को बेसब्री से इंतजार है।

स्व. राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि पर वैदपुरा में श्रद्धांजलि सभा, सचिन पायलट ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

ग्रेटर नोएडा। किसान नेता, जननायक और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि पर बुधवार को वैदपुरा स्थित उनके समाधि स्थल पर एक भावभीनी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उनके सुपुत्र, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री सचिन पायलट ने वैदपुरा पहुंचकर अपने पिता को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। प्रतिवर्ष की भांति आयोजित इस श्रद्धांजलि समारोह में गौतमबुद्धनगर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धा और सम्मान के साथ स्व. राजेश पायलट के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके योगदान को स्मरण किया। सभा को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा– "स्व. राजेश पायलट केवल एक राजनेता नहीं थे, वे किसानों, मजदूरों, युवाओं और समाज के वंचित वर्ग की आवाज थे। उनका सादा जीवन, स्पष्ट दृष्टिकोण और जनसेवा के प्रति समर्पण हम सभी कांग्रेसजनों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। सचिन पायलट जी आज उन्हीं मूल्यों और सिद्धांतों को आगे बढ़ा रहे हैं, जो उनके पिता की विरासत रहे हैं। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने स्व. पायलट के जीवन और संघर्ष को याद करते हुए कहा कि उनकी राजनीति का मूल आधार था समावेशी विकास, सामाजिक न्याय और ग्रामीण भारत का सशक्तिकरण। वे एक ऐसे नेता थे जो दिल्ली की राजनीति में रहते हुए भी गाँव-देहात की नब्ज़ को पहचानते थे सभा के अंत में सभी उपस्थितजनों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान समाधि स्थल पर जिन प्रमुख कांग्रेसजनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही, उनमें शामिल हैं अजय चौधरी, संदीप नागर, रामकुमार तंवर, मुकेश शर्मा, गौतम अवाना, सतीश शर्मा, महाराज सिंह नागर, अशोक पंडित, कल्पना सिंह, श्रुति, सुबोध भट्ट, रमेश वाल्मीकि, नितीश चौधरी, नीरज शर्मा, रमेश बघेल, शुभम कश्यप, मोहित भाटी, धीरा सिंह, सचिन जीनवाल, गौरव वशिष्ठ, सुनील शर्मा, रवि प्रधान, कपिल बाबा, बिन्दर नागर, गौरव नागर, आशीष शर्मा, अरविंद नागर, आशीष, विनेश, सचिन भाटी, विपिन त्यागी, उदय नागर आदि। इस श्रद्धांजलि सभा ने न केवल स्व. राजेश पायलट को स्मरण किया, बल्कि यह भी दिखाया कि जनमानस के हृदय में उनकी छवि आज भी जीवंत है। यह आयोजन एक श्रद्धा-सुमन अर्पण नहीं, बल्कि विचारों और मूल्यों की पुनर्पुष्टि थी, जो स्व. पायलट ने अपने जीवन से समाज को दी थी।

नोएडा सेक्टर-12 में दिनदहाड़े गोली मारकर युवक की हत्या, पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी

नोएडा। थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के सेक्टर-12 में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस उपयुक्त जोन प्रथम यमुना प्रसाद ने बताया कि बुधवार को प्रदीप कश्यप ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी कि सेक्टर-12 के डब्ल्यू-ब्लॉक में स्थित उसके मकान के एक कमरे में एक व्यक्ति को गोली मार दी गई है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो पता चला कि उक्त व्यक्ति की मृत्यु हो गई है। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान ओमपाल भाटी पुत्र चंद्रपाल भाटी मूल निवासी सिकंदराबाद जनपद बुलंदशहर हाल निवासी निवासी सेक्टर-94 उम्र 40 वर्ष के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। डीसीपी ने बताया कि मकान मालिक ने पुलिस को बताया कि 10 जून को पवन नामक युवक अपने एक साथी के साथ उनके घर पर किराए का कमरा लेने के लिए आया था। मकान पसंद आने के बाद आज पुनः दोनों युवकों ने प्रदीप के घर पर आकर उन्हें टोकन अमाउंट दिया तथा कमरे की साफ-सफाई करने लगे। कुछ देर बाद दोपहर में दोनों द्वारा अपने दोस्तों ओमपाल को मिलने के लिए बुलाया गया। दोनों पक्ष एक दूसरे से पहले से परिचित हैं। उन्होंने बताया कि कुछ देर बाद गोली चलने की आवाज आने पर मकान मालिक ने कमरे में जाकर देखा तो उसने पाया की ओमपाल को गोली लगी है। पवन और उसका साथी अपनी स्कूटी मौके पर छोड़कर भाग गए हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस की चार टीमें गठित कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। डीसीपी ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की सहायता से पुलिस घटना की जांच कर रही है। दिनदहाड़े युवक की हुई हत्या के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। मौके पर भारी संख्या में लोग इकट्ठे हो गए। लोगों ने कानून व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाया है। इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चा है। कुछ लोगों का मानना है कि युवको ने हत्या करने के इरादे से ही एक दिन पहले मकान किराए पर लिया था।

शख्स ने दहेज में मांगी क्रेटा कार, मांग पूरी न होने पर विवाहिता से मारपीट

नोएडा। मेरठ में रहने वाले एक शख्स को शादी के समय स्विफ्ट कार दहेज में दिया गया। अब युवक क्रेटा कार की मांग कर रहा है। मांग पूरी न होने पर पत्नी के साथ मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया। इस मामले में विवाहिता ने थाना रबूपुरा में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसका पति दहेज में क्रेटा कार की मांग कर रहा है। मांग पूरी ना होने पर उसने उसके साथ मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना रबूपुरा के प्रभारी ने बताया कि शालु त्यागी पत्नी अंकुर त्यागी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वर्ष 2016 में उसकी शादी अंकुर त्यागी से हुई थी। पीड़िता के अनुसार अंकुर त्यागी जनपद मेरठ का रहने वाला है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता के अनुसार उसकी छोटी बहन की शादी दो मई वर्ष 2025 को हुई। उसके पिता ने छोटी बहन की शादी में क्रेटा कार दहेज में दिया। जबकि महिला के पिता ने उसकी शादी के समय उसे स्विफ्ट कार दहेज में दिया था। उसके बाद से उसका पति महिला को परेशान करने लगा है। उसने कहा कि तेरी बहन की शादी में तेरे पिता ने क्रेटा कार दिया है, तो मुझे भी क्रेटा कार चाहिए। जब पीड़िता ने मना किया तो उसने उसके साथ मारपीट की। पीड़िता के अनुसार उसके मौसा ने इस मामले में समझौता करवाया, लेकिन उसके बावजूद भी उसका पति अंकुर त्यागी उसका उत्पीड़न करता रहा। महिला के अनुसार 9 जून की रात को उसने उसके ऊपर जानलेवा हमला किया। उसे गंभीर चोट आई है।

नोएडा : स्पेक्ट्रम मॉल की पार्किंग में कार पर गिरा फायर हाईड्रेंट पाइप, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-75 स्थित स्पेक्ट्रम मॉल की बेसमेंट पार्किंग में मंगलवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। मॉल के बेसमेंट में खड़ी एक कार पर अचानक फायर हाईड्रेंट की भारी पाइप गिर पड़ी, जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, गनीमत यह रही कि हादसे के वक्त कार में कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, वरना जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा उस समय हुआ जब बेसमेंट में अचानक फायर हाईड्रेंट सिस्टम की पाइप लटककर नीचे गिर गई और सीधे एक पार्क की गई कार पर जा गिरी। पाइप के गिरने की आवाज सुनते ही आसपास मौजूद सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। बाद में इसकी सूचना थाना सेक्टर-113 पुलिस को भी दी गई। हादसे के बाद कार मालिक ने मॉल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना है कि मॉल पार्किंग शुल्क तो वसूलता है, लेकिन पार्किंग में खड़ी गाड़ियों की सुरक्षा को लेकर कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। उन्होंने यह भी मांग की कि मॉल प्रशासन को क्षतिग्रस्त कार की भरपाई करनी चाहिए और भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचाव के लिए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाना चाहिए। इस घटना ने मॉल की आधारभूत संरचना और नियमित रखरखाव को लेकर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर इसी तरह से भारी उपकरण या संरचनात्मक हिस्से गिरते रहे, तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहला मौका नहीं है जब मॉल में लापरवाही देखने को मिली हो। पूर्व में भी पार्किंग क्षेत्र में पानी भराव और सीलिंग लीक जैसी शिकायतें सामने आती रही हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और मॉल प्रशासन से घटना के बारे में रिपोर्ट मांगी गई है।

फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' में आमिर की पत्नी का किरदार निभाएंगी

जेनेलिया देशमुख

शादी के बाद लिए गए फैसलों पर जेनेलिया देशमुख ने अफ़सोस जताया

बॉलीवुड में इन दिनों जिस फिल्म की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, वह है 'सितारे ज़मीन पर'। इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान एक इंटरव्यू में जेनेलिया ने खुलकर अपने करियर को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि शादी के बाद उन्होंने जो फैसले लिए, उनका उन्हें अफसोस है। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में शादी के बाद उन्हें एक तरह से दरकिनार कर दिया गया, जिसे लेकर उन्हें दुख है। हालांकि, अब 'सितारे ज़मीन पर' के जरिए जेनेलिया फिर से एक मजबूत वापसी करने जा रही हैं। दिए इंटरव्यू में जेनेलिया ने कहा, जेनेलिया ने कहा, जब सबको पता चला कि मैं 'सितारे ज़मीन पर' में काम कर रही हूं, तो सब मुझसे कह रहे थे, 'अरे वाह! तुम कितनी किस्मतवाली हो...तुम्हें आमिर खान की फिल्म में काम करने का मौका मिला है। यह वाकई बहुत बड़ी बात है।' मैं सामने वाले से कहती थी, असल में यह आमिर सर की महानता है कि उन्होंने मुझे यह मौका दिया। उन्होंने मुझ पर भरोसा दिखाया। मैंने इस फिल्म के लिए ऑडिशन दिया था...मैं अभी भी ऑडिशन देती हूँ और आगे से अच्छा काम करने की कोशिश करूँगी। जेनेलिया को पिछले कुछ सालों में इस तरह के लीड रोल ऑफर नहीं किए गए हैं, इसके पीछे की वजह बताते हुए जेनेलिया ने निर्माताओं से कहा, ₹आप (निर्माता) मुझे ऐसे रोल ऑफर कर सकते हैं। लेकिन, हमारी इंडस्ट्री एक निश्चित नियम पर चलती है, हर किसी ने अपनी सीमा तय कर रखी है। फिल्म इंडस्ट्री बदल गई है, लेकिन अब हमारी मानसिकता को भी बदलने की जरूरत है। हो सकता है कि बहुत से लोग सोचते हों कि चूंकि मैं शादीशुदा हूं, इसलिए मुझे ऐसे लीड रोल की जरूरत नहीं है, लेकिन ऐसा नहीं है।₹ अभिनेत्री ने आगे कहा, अगर आप किसी फिल्म में एक निश्चित उम्र के किरदार को पर्दे पर पेश करना चाहते हैं, तो आपको उसी उम्र के अभिनेता या अभिनेत्री को लेना चाहिए, यह बहुत महत्वपूर्ण है। अब मैं इस फिल्म (सितारे ज़मीन पर) में जो भूमिका निभा रही हूँ, वह चालीस के दशक की महिला की है। जब हम ऐसी भूमिकाओं के लिए कम उम्र के अभिनेताओं को लेते हैं, तो वे उन भूमिकाओं की बारीकियों को नहीं समझते हैं। इसलिए सही भूमिका चुनना, किरदार के लिए सही व्यक्ति चुनना बहुत महत्वपूर्ण है। मुझे उम्मीद है कि जीवन में हर किसी को यह अवसर मिले। आरएस प्रसन्ना निर्देशित फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' 20 जून को रिलीज़ होने वाली है। आमिर और जेनेलिया इस समय फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में जेनेलिया आमिर की पत्नी का किरदार निभाती नज़र आएंगी।

पंचायत सीजन 4 का ट्रेलर रिलीज

भारत के सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज़ 'पंचायत सीजन-4' का शानदार और मजेदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है। ट्रेलर ने दर्शकों की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है। इस बार फैंस के लिए एक खास सरप्राइज भी है, शो अब पहले तय तारीख से भी जल्दी, 24 जून से स्ट्रीम होने जा रहा है। 'पंचायत' को प्रोड्यूस किया है द वायरल फीवर ने। इस सीजन की सक्रिप्ट चंदन कुमार ने लिखी है। डायरेक्शन की कमान दीपक कुमार मिश्रा और अक्षत विजयवर्गीय ने संभाली है। सीजन 4 में एक बार फिर से फुलेरा गांव की दिलचस्प कहानियां, भावनाओं से भरे पल और गुदगुदाते दृश्य देखने को मिलेंगे। फुलेरा गांव की पृष्ठभूमि पर आधारित बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज 'पंचायत' एक बार फिर दर्शकों के बीच लौट रही है। नए सीजन में भी छोटे शहर की हलचल, दिल छू लेने वाली भावनाएं और गुदगुदाने वाला हास्य भरपूर देखने को मिलेगा। इस बार कहानी में आएंगी नई चुनौतियां, लेकिन उनके साथ-साथ लौटेंगे पुराने पसंदीदा चेहरे, जो अपनी खास अंदाज में दर्शकों का दिल जीतेंगे। जीतेन्द्र कुमार, नीना गुप्ता, रघुबीर यादव, फैसल मलिक, चंदन रॉय, सान्विका, दुर्गेश कुमार, सुनीता राजवार और पंकज झा जैसे दमदार कलाकार। 'पंचायत सीजन-4' का प्रीमियर 24 जून से प्राइम वीडियो पर होगा। यह शो प्राइम मेंबरशिप में शामिल बहुप्रतीक्षित टाइटल्स में से एक है। पंचायत सीजन-4' की रिलीज़ से पहले इस बार दर्शकों ने केवल इंतज़ार ही नहीं किया, बल्कि इसके लॉन्च में खुद अहम भूमिका निभाई। www.panchayatvoting.com पर एक खास इंटरएक्टिव प्लेटफॉर्म के जरिए फैंस को टीम मंजू देवी और टीम क्रांति देवी के लिए वोट करने का मौका मिला। इस रोमांचक वर्चुअल मुकाबले में कुल 65 लाख वोट डाले गए।

कोई भी इंडस्ट्री बुरी नहीं होती, सिर्फ लोग बुरे होते हैं : कृति खरबंदा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कृति खरबंदा का कहना है कि कोई भी इंडस्ट्री बुरी नहीं होती, सिर्फ लोग बुरे होते हैं। कृति खरबंदा ने हाल ही में सिनेमैटोग्राफर प्रतीक शाह पर लगे कार्यस्थल पर यौन दुर्व्यवहार के आरोपों को लेकर सशक्त बयान दिया है। कृति ने बिना किसी का नाम लिए, इस मुद्दे को एक व्यापक दृष्टिकोण से देखा और यह स्पष्ट किया कि कैसे किसी एक व्यक्ति के गलत आचरण की वजह से पूरी इंडस्ट्री को दोषी ठहरा दिया जाता है। कृति ने कहा, "जैसा मैं देख रही हूँ, वह एक सिनेमैटोग्राफर है, ये उसका पेशा है। लेकिन असली समस्या उसके व्यक्तित्व में है। ऐसा किसी भी क्षेत्र में हो सकता है। कॉर्पोरेट, मीडिया, कहीं भी। हम लोग चूंकि लाइमलाइट में होते हैं, इसलिए बातें ज़्यादा उठती हैं। लेकिन महिलाएं और पुरुष दोनों ही अपने काम की जगहों पर, और कभी-कभी घर पर भी, ऐसी चीज़ों का सामना करते हैं।" कृति ने कहा, जब कोई हमारी इंडस्ट्री के बाहर ऐसा कुछ करता है, तो हम उसका पेशा नहीं, उसका नाम या उम्र बताते हैं। लेकिन जब कोई फ़िल्म इंडस्ट्री से होता है, तो पूरी इंडस्ट्री को बदनाम कर दिया जाता है। ये नाइंसाफ़ी है। कोई भी इंडस्ट्री अच्छी या बुरी नहीं होती। सिर्फ लोग अच्छे या बुरे होते हैं। और ये एक व्यक्तिगत चुनाव होता है, जो उनके मूल्यों पर निर्भर करता है।

लिक्विड लिपस्टिक लगाते समय न करें ये गलतियां

लिक्विड लिपस्टिक यकीनन होंठों पर एक अलग ही लुक देती है और हर लड़की इसे लगाना पसंद करती हैं। लेकिन लिक्विड लिपस्टिक लगाते समय हमेशा एक ही समस्या होती है कि इसे लगाते समय हमेशा कुछ न कुछ गड़बड़ हो जाती है और इसलिए आपको एक परफेक्ट लुक नहीं मिल पाता। तो चलिए आज हम आपको ऐसी कुछ गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिसे अमूमन लड़कियां लिक्विड लिपस्टिक लगाते समय करती हैं...

पहले करें एक्सफोलिएट

अक्सर लड़कियां सीधे ही लिक्विड लिपस्टिक अप्लाई कर देती हैं, लेकिन अगर आप लिप्स को एक्सफोलिएट किए बिना लिक्विड लिपस्टिक लगाती हैं तो इससे आपके होंठ फ्लेकी और रूखे नजर आते हैं। इसलिए हमेशा पहले लिप्स की डेड स्किन सेल्स को निकालने के लिए एक्सफोलिएट करें। लिप्स को एक्सफोलिएट करने के लिए पहले होंठों पर पेटोलियम जेली लगाएं और फिर बच्चों के टूथब्रश की मदद से होंठों को हल्का सा रगड़ें। अंत में वाइप्स की मदद की होंठों को क्लीन करें।

करें लिप्स को तैयार

लिप्स को एक्सफोलिएट करने के बाद जरूरी है कि आप होंठों पर लिप बाम लगाएं। इससे आपकी लिक्विड लिपस्टिक को भी एक स्मूद टेक्सचर मिलता है। चूंकि लिक्विड लिपस्टिक आपके होंठों की नमी को सोख लेती है। इसलिए आप हमेशा हाई क्वालिटी के लिप बाम को लगाएं।

लिपलाइनर से मिलेगा परफेक्ट लुक

अगर आप चाहती हैं कि आपको लिक्विड लिपस्टिक लगाने पर एक परफेक्ट लुक मिले तो आप हमेशा पहले लिपलाइनर का इस्तेमाल करें। आप अपनी लिपस्टिक से मैच करता हुआ लिपलाइनर से पहले होंठों की आउटलाइन बनाएं। इसके बाद ही लिपस्टिक अप्लाई करें। इतना ही नहीं, जब आप लिपस्टिक लगा रही हैं तो कोशिश करें कि आप लिपस्टिक ब्रश से ही उसे लगाएं। इससे लिपस्टिक होंठों पर एकसमान लगती है और इसका लुक भी काफी अच्छा आता है।

चुनें सही प्रॉडक्ट

यह नियम सिर्फ लिक्विड लिपस्टिक के लिए ही नहीं, बल्कि हर तरह के मेकअप प्रॉडक्ट के लिए लागू होता है। कभी भी सस्ते के चक्कर में हल्की क्वालिटी का सामान खरीदने की गलती न करें। अगर आप सस्ते के चक्कर में गलत लिक्विड लिपस्टिक खरीदती हैं तो इससे आपके होंठों को काफी नुकसान होता है। कई बार होंठ काले पड़ जाते हैं। यहां तक कि उनकी नेचुरल ब्यूटी भी खत्म हो जाती है। इसलिए कभी भी अपने स्किन केयर व मेकअप प्रॉडक्ट के साथ किसी तरह का समझौता न करें।

आज का राशिफल

मेष राशि :-आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा मध्यम रहेगा और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

वृषभ राशि :- गुस्से पर काबू और वाणी पर संयम रखना आवश्यक है। कहीं बाहर घूमने-फिरने जा सकते हैं।

मिथुन राशि :-परिजनों के साथ भरपूर मनोरंजन कर सकते हैं। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा।

कर्क राशि :- परिजनों-मित्रों के साथ मांगिलक आयोजनों में शामिल हो सकते हैं। स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहें।

सिंह राशि :-आज का दिन आर्थिक योजना को लागू करने के लिए अच्छा है। खान-पान का ध्यान रखें।

कन्या राशि :- लम्बे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होंगी और जिंदगी सही दिशा की ओर मोड़ लेगी।

तुला राशि :- शारीरिक और मानसिक स्फूर्ति और ताजगी का अनुभव करेंगे। खान-पान का ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि :-मित्रों तथा स्वजनों से मुलाकात होगी। परिवार का वातावरण सुखमय रहेगा।

धनु राशि :-परिजनों के साथ समय आनंद में व्यतीत होगा। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखकर विवाद से बच सकते हैं।

मकर राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में अच्छा मुनाफा और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे।

कुम्भ राशि :- सहकर्मियों और अधिकारियों से भरपूर सहयोग मिलेगा। वाणी पर संयम आपको लाभ दिला सकता है।

मीन राशि :- शुभकार्य करने की प्रेरणा मिलेगी और पठन- लेखन जैसी साहित्यिक प्रवृत्तियों में अभिरुचि बढ़ेगी।

-ज्योतिषाचार्य: पंडित जितेंद्र तिवारी

होम्योपैथी इलाज से मिलता है फायदा

होम्योपैथी का इलाज भले ही थोड़ा लम्बा चलता है, लेकिन यह जड़ से समस्या को दूर करता है। साथ ही इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता, इसलिए अधिकतर लोग होम्योपैथी इलाज को प्राथमिकता देते हैं। हालांकि इन दवाइयों को लेने व स्टोर करने का एक तरीका होता है। होम्योपैथी दवाइयों को तीन साल या उससे भी अधिक समय के लिए स्टोर किया जा सकता है। इनकी मेडिकल स्टेंथ खत्म नहीं होती, बस जरूरत होती है कि आप इन्हें सही तरह से लें और स्टोर करें। तो चलिए आज हम आपको होम्योपैथी दवाइयों को लेने के सही तरीके के बारे में बता रहे हैं...

ऐसे लें होम्योपैथी दवाई

होम्योपैथी दवाई लेते समय आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए। कभी भी दवाई को हाथों में न लें, बल्कि उसे सीधे ही मुंह में लें। होम्योपैथिक गोलियां लेने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप उन्हें जीभ के नीचे रखें या चूसें। कभी भी इन्हें पूरी तरह से न निगलें। जब आप दवाई लें तो उससे बीस मिनट या आधा घंटा पहले तक या बाद में कुछ भी खानेपीने या ब्रश करने से बचें। इससे आपकी दवाई का असर काफी कम हो जाता है। खासतौर से कॉफी को तो आप दवा लेने के कम से कम 45 मिनट पहले तक न पीएं।

जब दें बच्चों को दवाई

कुछ बच्चे इन दवाइयों का सेवन नहीं करते या फिर मुंह में लेकर थूक देते हैं। ऐसे में आप एक साफ व सूखी चम्मच के उपर दवाई रखकर उसे क्रश करें और फिर बच्चे को दें। कभी भी खाने के साथ दवाई खाने को न दें।

इस तरह से करें स्टोर

दवाई लेने का तरीका जानने के बाद यह जरूरी है कि आप इसे स्टोर करने के बारे में भी जान लें। इन दवाइयों को आप कभी भी ऐसी जगह पर न रखें, जहां पर सूरज का प्रकाश आता हो। इसके अतिरिक्त ऐसी जगह पर भी रखने से बचें, जहां पर तेज गंध जैसे परफयूम आदि का इस्तेमाल किया जाता हो। वैसे होम्योपैथी दवाइयों को फ्रिजर में रखने की भी जरूरत नहीं होती। कोशिश करें कि आप इसे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जैसे माइक्रोवेव ओवन, इलेक्टानिक गैजेट्स या कंप्यूटर आदि से दूर रखें। साथ ही दवा की बोतल को कभी भी खुला न छोड़ें।

भूटिया और अन्य ने भारतीय फुटबॉल में आमूलचूल बदलाव की मांग की

कोलकाता। फुटबॉल के मैदान पर भारत के गिरते प्रदर्शन से नाराज करिश्माई पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया ने राष्ट्रीय महासंघ पर खेल को नष्ट करने का आरोप लगाया है जबकि कुछ अन्य हितधारकों ने मौजूदा प्रणाली को 'सड़ी हुई' और 'अहंकार' से भरी बताया। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) और उसके अध्यक्ष कल्याण चौबे पर भूटिया का तीखा हमला एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में निचली रैंकिंग वाली हांगकांग के खिलाफ 0-1 की चौंकाने वाली हार के एक दिन बाद आया है।

भूटिया ने पीटीआई से कहा, ''यह देखना बहुत दुखद है कि हम अब एशिया कप के लिए भी क्वालीफाई करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं जिसके लिए हम नियमित रूप से क्वालीफाई करते रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''उज्बेकिस्तान, इंडोनेशिया और जोर्डन जैसे देश विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं और हम अब भी एशिया कप के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।'' मंगलवार को मिली हार से भारत की 2027 एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को झटका लगा है जबकि टीम इससे पहले लगातार दो एशियाई कप में खेली थी।

पूर्व भारतीय कप्तान ने चौबे के इस्तीफे और भारतीय फुटबॉल में संरचनात्मक बदलाव की मांग की। उन्होंने मैदान पर लचर प्रदर्शन और मैदान के बाहर की अराजकता को गहरी सड़न के लक्षण बताया। मौजूदा भारतीय मुख्य कोच मनोलो मारक्वेज इंडियन सुपर लीग की टीम एफसी गोवा के भी कोच हैं। उन्होंने पिछले साल जुलाई में क्रोएशियाई दिग्गज इगोर स्टिमक की जगह पदभार संभाला था। गुवाहाटी में विश्व कप क्वालीफायर में अफगानिस्तान से हार सहित कई निराशाजनक परिणामों के बाद स्टिमक को बर्खास्त कर दिया गया था। मंगलवार हुए अहम मैच से पहले भारत ने कोलकाता में करीब तीन सप्ताह तक अभ्यास किया था लेकिन उसे विश्व रैंकिंग में अपने से 26 पायदान नीचे की टीम (भारतः 127, हांगकांगः 153) से हार का सामना

करना पड़ा। इस हार से फीफा रैंकिंग में देश के 133वें स्थान पर खिसकने की संभावना है। भूटिया को सितंबर 2022 में एआईएफएफ के अध्यक्ष पद के चुनाव में चौबे ने हराया था। उन्होंने मौजूदा नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार और मनोलो की नियुक्ति सहित अहम निर्णयों में प्रमुख फुटबॉल समितियों को दरकिनार करने का आरोप लगाया। भूटिया ने कहा, ''कल्याण चौबे ने भारतीय फुटबॉल को बर्बाद कर दिया है।

चौबे को इस्तीफा देकर चले जाना चाहिए। उन्होंने इसे पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। ढाई साल में तीन महासचिव - पूरी संरचना, व्यवस्था को बदलना होगा।'' भूटिया ने इंटर काशी और चर्चिल ब्रदर्स के बीच चैंपियनशिप के लिए चल रहे कानूनी झगड़े का जिक्र करते हुए कहा, ''एक के बाद एक विवाद, भ्रष्टाचार के आरोप... महीनों बाद भी हमें नहीं पता कि आईलीग विजेता कौन है।'' उन्होंने चौबे पर तकनीकी समिति को दरकिनार कर मनोलो को नियुक्त करने का आरोप लगाया और स्पेन के इस कोच को एक साथ एफसी गोवा और राष्ट्रीय टीम का कोच बनाने के फैसले की आलोचना की। भूटिया ने करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री की अंतरराष्ट्रीय संन्यास से वापसी कराने के फैसले की भी आलोचना की और कहा कि यह योजना बनाने से ज्यादा हताशा से प्रेरित एक खराब फैसला था। भूटिया ने एआईएफएफ के उस फैसले की भी आलोचना की जिसमें उसने क्वालीफिकेशन से जुड़े इनाम के बजाय हांगकांग मैच के लिए 50,000 अमेरिकी डॉलर का मैच बोनस देने का फैसला किया था। उन्होंने कहा, ''आप एक मैच के लिए 42 लाख रुपये दे रहे हैं। इसे क्वालीफिकेशन से क्यों नहीं जोड़ा गया? यह दिखाता है कि प्रबंधन कितना अनजान है।''

भारत के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी गौतम सरकार ने भूटिया का समर्थन करते हुए टीम के खराब प्रदर्शन और महासंघ की विफलताओं पर निराशा व्यक्त की। सरकार ने कहा, ''हमने एक इंच भी प्रगति नहीं की है। अगर आपके पास सुनील छेत्री का विकल्प नहीं है तो क्या इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण कुछ हो सकता है?'' उन्होंने कहा, ''बेशक, महासंघ पूरी तरह से जिम्मेदार है। वे पूरी तरह से विफल रहे हैं।'' दिग्गज डिफेंडर और कोच सुब्रत भट्टाचार्य ने विदेशी कोचों के प्रति जुनून की आलोचना की और भारतीय प्रतिभाओं पर अधिक भरोसा करने की बात कही।

भट्टाचार्य ने कहा, ''इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि विदेशी कोच आपको सफलता दिलाएंगे। पीके बनर्जी और अमल दत्ता जैसे घरेलू कोचों ने गौरव दिलाया।'' उन्होंने कहा, ''आईएसएल में विदेशी खिलाड़ी भारतीय खिलाड़ियों के विकास में मदद नहीं करेंगे। केवल भारतीय कोच ही हमारे खिलाड़ियों को जानते हैं और उन्हें विकसित कर सकते हैं।'' छेत्री के ससुर भट्टाचार्य ने उनकी वापसी पर कहा, ''यह उनका निजी फैसला है लेकिन अगर यह किसी के निजी हित को पूरा करने के लिए किया गया है तो यह गलत है।'' भारतीय फुटबॉल के दो प्रमुख क्लब हितधारकों बेंगलुरु एफसी के मालिक पार्थ जिंदल और एफसी गोवा के सीईओ रवि पुष्कर ने भी एआईएफएफ और व्यापक फुटबॉल पारिस्थितिकी तंत्र पर तीखा हमला किया और अपमानजनक हार के मद्देनजर गहन आत्मनिरीक्षण और संरचनात्मक सुधार का आह्वान किया। रवि ने व्यवस्था को इस तरह से सड़ा हुआ बताया कि कोई इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''सब कुछ प्रभाव, पक्षपात और अहंकार पर चलता है। हमारे पास उस पारिस्थितिकी तंत्र को प्रबंधित करने की परिपक्वता नहीं है जिसे हम बनाने का दावा करते हैं।

हम असहज सच्चाइयों का सामना करने से पहले ही एक-दूसरे पर हमला कर देते हैं।'' बेंगलुरु एफसी के मालिक पार्थ जिंदल ने भी सोशल मीडिया पर एआईएफएफ पर निशाना साधा और तत्काल सुधार की मांग की। उन्होंने कहा, ''यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है- किसी भी परिस्थिति में यह पर्याप्त नहीं है - एआईएफएफ को गहन आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता है। यह वह नहीं है जिसे देखने के लिए हम सभी भारतीय फुटबॉल प्रेमियों और समर्थकों ने अपनी मेहनत की कमाई और प्रयास खर्च किए हैं। समय आ गया है कि एक प्रबंधक और एक ऐसी प्रणाली लागू हो जो काम करे।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय जूनियर महिला टीम ने बेल्जियम को 2 .1 से हराया

एंटवर्प। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को 2 . 1 से हराकर यूरोप दौरे पर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। लालथांटलुआंगी (35वां मिनट) और गीता यादव (50वां मिनट) ने भारत के लिये गोल किये। पहला हाफ गोलरहित रहा। भारत के लिये पहला गोल लालथांटलुआंगी ने पेनल्टी स्ट्रोक पर किया। बेल्जियम के लिये आखिरी क्वार्टर में वान हेलेमोंट (48वां मिनट) ने बराबरी का गोल दागा। इसके दो मिनट बाद ही हालांकि गीता ने विजयी फील्ड गोल किया। इसके बाद भारत ने आखिरी दस मिनट बेल्जियम के हमलों का जमकर सामना किया और कोई गोल नहीं गंवाया। पहले मैच में भारत ने बेल्जियम को 3 . 2 से मात दी थी। अब भारतीय टीम 12 जून को तीसरा और आखिरी मैच खेलेगी।

भांबरी . गैलोवे की जोड़ी बॉस ओपन से बाहर

स्टटगार्ट। भारत के नंबर एक युगल खिलाड़ी युकी भांबरी और अमेरिका के रॉबर्ट गैलोवे को बॉस ओपन टेनिस प्री क्वार्टर फाइनल में पराजय का सामना करना पड़ा। युकी और गैलोवे की जोड़ी को मैक्सिको के सैंटियागो गोंजालेस और अमेरिका के आस्टिन क्राइसेक के हाथों 6 . 7, 6 . 7 से पराजय मिली। भारत के रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी भी अपने अपने जोड़ीदारों के साथ यह टूर्नामेंट खेल रहे हैं। बालाजी और मैक्सिको के मिगुल रेयेस वारेला का सामना फ्रांस के दूसरी वरीयता प्राप्त सादियो दुम्बिया और फेबियन रेबाउल से होगा। वहीं बोपन्ना और बेल्जियम के सैंडर जाइल की टक्कर जर्मनी के जैकब श्नाइटेर और मार्क वालनेर से होगी।

अभिजीत ने गरीबयान को हराकर एकल बढ़त हासिल की

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर अभिजीत गुप्ता ने उलटफेर करते हुए आर्मेनिया के ग्रैंडमास्टर ममीकोन गरीबयान को पराजित करके दिल्ली इंटरनेशनल ओपन शतरंज टूर्नामेंट में एकल बढ़त हासिल कर ली। इस जीत से अभिजीत के 6.5 अंक हो गए हैं। पिछले दौर तक शीर्ष पर चल रहे ग्रैंडमास्टर एस एल नारायणन और ग्रैंडमास्टर बोरिस सावचेंको के बीच शीर्ष बोर्ड पर मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ, जिससे दोनों के छह अंक हो गए। इन तीनों के अलावा कई अन्य खिलाड़ियों ने भी सातवें दौर में अनुकूल परिणाम हासिल करके खुद को खिताब की दौड़ में बनाए रखा। मिहेल निकितेंको ने एलेक्सी फेडोरोव को हराकर अपने अंकों की संख्या छह पर पहुंचाई। एक अन्य मुकाबले में विटाली सिवुक ने अलेख्या मुखोपाध्याय पर जीत हासिल की जिससे उनके भी छह अंक हो गए हैं।

इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में वेस्टइंडीज 37 रन से हराया

दूसरी बार किया क्लीन स्वीप

साउथम्पटन। इंग्लैंड ने साउथैम्पटन के यूटिलिटा बाउल मैदान पर खेले गए तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 37 रनों से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली। यह इंग्लैंड की 2021 के बाद पहली टी20आई सीरीज में क्लीन स्वीप है। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने सीमित ओवरों के नए कप्तान हैरी ब्रुक के नेतृत्व में लगातार दूसरी सीरीज में क्लीन स्वीप किया। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 3 विकेट पर 248 रन बनाए, जो घरेलू सरजमीं पर उनका अब तक का सर्वोच्च स्कोर है।

ओपनर बेन डकेट ने सिर्फ 20 गेंदों में अपना तीसरा टी20 अर्धशतक जड़ते हुए 84 रनों की धमाकेदार पारी खेली। उनके साथ जेमी स्मिथ ने भी 60 रनों की पारी खेलते हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। दोनों ने मिलकर सिर्फ 9 ओवर में 120 रन जोड़े। जैकब बेथेल ने अंत में 36 रन की नाबाद तेज पारी खेली जिससे इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के सामने 249 रनों का विशाल लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने 14 छक्के जरूर लगाए, लेकिन 8 विकेट पर 211 रन ही बना सकी। रोवमैन पॉवेल ने 45 गेंदों में नाबाद 79 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन बाकी बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सके। इंग्लैंड की ओर से मार्क वुड ने 31 रन देकर 3 विकेट झटके। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में पहली बार 19-18 की बढ़त बना ली है। बेन डकेट ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से एक बार फिर साबित कर दिया कि

वे इंग्लैंड के सबसे भरोसेमंद मल्टी-फॉर्मेट ओपनर हैं। उनकी पारी में शानदार रिवर्स स्वीप, कवर्स के ऊपर से शॉट्स और स्क्वायर लेग के पीछे छक्का शामिल था, जिसने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

डकेट की बल्लेबाजी ने युवा ओपनर स्मिथ को भी आत्मविश्वास दिया, जिन्होंने दोनों फॉर्मेट में इस सप्ताह पहला अर्धशतक जमाया है। पिछले 48 घंटे वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए सबसे निराशाजनक साबित हुए हैं। पहले रविवार को सीरीज हार और फिर मंगलवार को एकतरफा हार। इसके बीच सोमवार को स्टार बल्लेबाज निकोलस पूरन ने सिर्फ 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया। एक समय टी20 क्रिकेट की बादशाह रही वेस्टइंडीज टीम अब संघर्ष करती नजर आ रही है। हाल ही में समाप्त हुई इस सीरीज ने यह साफ कर दिया कि यह टीम अब उतनी प्रभावशाली नहीं रही, भले ही उसने इंग्लैंड से ज्यादा (35) छक्के लगाए हों।

निकोलस पूरन एमआई न्यूयॉर्क एमएलसी टीम के कप्तान बने

न्यूयॉर्क। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले वेस्टइंडीज के स्टार बल्लेबाज निकोलस पूरन को मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के आगामी सत्र के लिये एमआई न्यूयॉर्क का कप्तान बनाया गया है। 29 वर्ष के पूरन ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ली थी। एमएलसी का पहला सत्र जीतने वाली टीम ने एक्स पर लिखा ,'' हमारी टीम का नया कमांडर होगा कप्तान निकोलस पूरन।'' आईपीएल में मुंबई इंडियंस की मालिक रिलायंस इंडस्ट्रीज की टीम ने लिखा ,'' बायें हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज दुनिया के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से है। अपने कैरियर के शिखर पर बैठे पूरन टीम को अपनी कप्तानी से नयी ऊंचाइयों तक ले जायेंगे।'' पूरन ने 2023 एमएलसी सत्र में 388 रन बनाये थे। तीसरा सत्र बृहस्पतिवार से शुरू होगा। एमआई न्यूयॉर्क में क्विंटोन डिकॉक, कीरान पोलार्ड और राशिद खान जैसे सितारे भी हैं। वेस्टइंडीज के लिये 106 टी20 मैच खेल चुके पूरन ने 136 . 39 की स्ट्राइक रेट से 2275 रन बनाये हैं। उन्होंने 61 वनडे खेलकर 99 . 15 की स्ट्राइक रेट से 1983 रन बनाये हैं। पूरन ने लखनऊ सुपर जाइंट्स के लिये इंडियन प्रीमियर लीग का पूरा सत्र खेलने के बाद इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिये खुद को कैरेबियाई टीम में चयन से बाहर रखा था। विश्व कप 2023 क्वालीफायर से वेस्टइंडीज के बाहर होने के बाद से उन्होने वनडे क्रिकेट नहीं खेला है। वेस्टइंडीज के लिये उन्होंने आखिरी मैच दिसंबर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था।

भारतीय शूटिंग को नई उड़ान देगा एसएलआई : एलावेनिल वलारिवन

नई दिल्ली। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) द्वारा हाल ही में लॉन्च की गई शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) को लेकर देशभर में उत्साह का माहौल है। इस बीच भारत की स्टार शूटर एलावेनिल वलारिवन ने एसएलआई को खेल के लिए 'गेम-चेंजर' बताया है। म्यूनिख में आयोजित आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में कांस्य पदक जीतने वाली एलावेनिल ने कहा कि वह इस लीग को लेकर बेहद उत्साहित हैं। एलावेनिल ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ₹यह हमारे खेल के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि ऐसा पहली बार हो रहा है। मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं और मुझे यकीन है कि हर खिलाड़ी इस लीग को लेकर उत्साहित होगा।₹ उन्होंने कहा, ₹इस लीग में प्रतिस्पर्धा का स्तर बहुत ऊंचा होगा और इसका फायदा हमें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देखने को मिलेगा। यह सभी खिलाड़ियों के लिए एक अच्छा माहौल और बड़ा मोटिवेशन साबित होगा। एलावेनिल ने विदेशी खिलाड़ियों की भागीदारी को लेकर भी

अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, ₹मैं हमेशा दूसरे एथलीट्स से सीखने के मौके का इंतजार करती हूं और यह लीग उनके अनुभव को अपनाने का एक बेहतरीन जरिया बनेगी। एक ही टीम में रहकर उनके आइडियाज को समझना और साझा करना आसान होगा। खासतौर पर युवा और नए खिलाड़ी सीनियर एथलीट्स से बहुत कुछ सीख सकेंगे और मैं खुद भी इस अनुभव को लेकर उत्साहित हूं। दो बार की ओलंपियन एलावेनिल का मानना है कि यह लीग शूटिंग को देशभर में नई पहचान दिलाएगी। उन्होंने कहा, ₹यह लीग आम जनता के बीच शूटिंग खेल की समझ और लोकप्रियता को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। जब लोग इस खेल को उसके असली प्रारूप में देखेंगे तो इससे जुड़ाव और बढ़ेगा और उम्मीद है कि ज्यादा युवा इसे पेशेवर रूप में अपनाना चाहेंगे। अंत में उन्होंने कहा, ₹चूंकि लीग बड़े स्तर पर आयोजित की जा रही है और विदेशी खिलाड़ी भी इसका हिस्सा होंगे, तो यह युवाओं को इस खेल के प्रति आकर्षित करने में मदद करेगी। इससे नई पीढ़ी को शूटिंग को जानने और सीखने का बड़ा मौका मिलेगा।

विनिशियस जूनियर के गोल से ब्राजील ने विश्व कप 2026 के लिये क्वालीफाई किया

साओ पाउलो। विनिशियस जूनियर के गोल के दम पर ब्राजील ने पराग्वे को 1 . 0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल 2026 में जगह बनाई और कोच कार्लो एंसेलोट्टी के लिये ब्राजील में पदार्पण के साथ मिली जीत की खुशी दुगुनी हो गई। रीयाल मैड्रिड के स्टार रहे विनिशियस ने मैच में एकमात्र गोल दागा। वहीं कोलंबिया से 1 . 1 से ड्रॉ खेलने वाली गत चैम्पियन अर्जेंटीना ने भी अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले फुटबॉल के महासमर में जगह पक्की की। ब्राजील अंकतालिका में अर्जेंटीना से दस अंक पीछे दूसरे स्थान पर रहा। अभी दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग दौर के दो मैच बाकी हैं। दक्षिण अमेरिका से शीर्ष छह टीमों को 48 टीमों के विश्व कप में जगह मिलेगी। ब्राजील सातवें नंबर की टीम से छह से अधिक अंक से आगे है। चिली को बोलिविया ने 2 . 0 से हराया जिससे वह लगातार तीसरी बार विश्व कप से बाहर रहेगा। उरुग्वे ने वेनेजुएला को 2 . 0 से मात दी और अब उसके 24 अंक हो गए हैं। वेनेजुएला के 18 और बोलिविया के 19 अंक है और सातवें स्थान के लिये दोनों में होड़ है चूंकि उस टीम को अंतर महाद्वीपीय प्लेआफ खेलने का मौका मिलेगा। लियोनेल मेस्सी की अर्जेंटीना को ब्यूनस आयर्स में हुए मुकाबले में कोलंबिया ने ड्रॉ पर रोका। लुईस डियाज ने कोलंबिया के लिये 24वें मिनट में पहला गोल किया। जूलियन अल्वारेज ने 81वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। एंजो फर्नांडिस को 70वें मिनट में लाल कार्ड दिखाये जाने से स्टेडियम में जमा 80000 से अधिक दर्शकों को निराशा हुई।

आस्ट्रेलिया ने सउदी अरब को हराकर विश्व कप के लिये क्वालीफाई किया

मेलबर्न। कोनोर मेटकाफे ने आस्ट्रेलिया के लिये पहला गोल किया और सउदी अरब पर 2 . 1 से जीत के साथ टीम को लगातार छठी बार विश्व कप में जगह दिलवाने में सूत्रधार की भूमिका निभाई। मिचेल ड्यूक ने दूसरा गोल किया। आस्ट्रेलिया को विश्व कप में सीधे जगह बनाने के लिये पांच गोल के अंतर से हार टालनी थी। मेटकाफे ने हाफटाइम से ठीक पहले गोल दागा जबकि ड्यूक ने 48वें मिनट में हेडर लगाया। सउदी अरब के लिये 19वें मिनट में अब्दुल रहमान अल ओबुद ने गोल किया था। आस्ट्रेलिया के लिये सौवां मैच खेल रहे गोलकीपर मैट रियान ने पांच गोल बचाये जिनमें आखिरी क्षणों में मिली पेनल्टी भी थी। इससे पहले जापान ने इंडोनेशिया को 6 . 0 से मात देकर लगातार आठवीं बार विश्व कप में जगह बनाई। वहीं दक्षिण कोरिया ने कुवैत को 4 . 0 से हराकर लगातार 11वीं बार विश्व कप में प्रवेश किया। ओमान से 1 . 1 से ड्रॉ खेलने के बाद फलस्तीन दौड़ से बाहर हो गया। एशिया आस्ट्रेलिया से जापान, ईरान, दक्षिण कोरिया, उजबेकिस्तान, जोर्डन क्वालीफाई कर चुके हैं। एशिया से तीसरे चौथे स्थान पर रही छह टीमों में से दो और क्वालीफाई करेंगी और यह दौर अक्टूबर में खेला जायेगा। ये टीमें ओमान, कतर, ईराक, सउदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात हैं।

अय्यर की मुंबई फाल्कंस का सामना टी20 मुंबई फाइनल में मराठा रॉयल्स से

मुंबई। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली सोबो मुंबई फाल्कंस का सामना टी20 मुंबई लीग के फाइनल में बृहस्पतिवार को मराठा रॉयल्स मुंबई साउथ सेंट्रल से होगा। अय्यर की कप्तानी वाली टीम ने पांच में से चार मैच जीते हैं। सेमीफाइनल में इसने नमो बांद्रा ब्लास्टर्स को पांच विकेट से हराया। अय्यर सेमीफाइनल में एक ही रन बना सके लेकिन फाइनल में इस गलती को सुधारना चाहेंगे। कुछ रोज पहले ही आईपीएल फाइनल हारने वाले पंजाब किंग्स के कप्तान अय्यर खिताब जीतने को बेताब होंगे। दूसरे सेमीफाइनल में मराठा रॉयल्स ने ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स को आठ विकेट से हराया। कप्तान सिद्धेश लाड ने 52 गेंद में नौ चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 74 रन बनाये। रॉयल्स के रोहन राजे ने पांच विकेट चटकाये।

चिली लगातार तीसरे फीफा वर्ल्ड कप से बाहर, कोच रिकार्डो गरेका ने दिया इस्तीफा

साओ पाउलो। चिली की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को एक और बड़ा झटका लगा है। टीम फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रही है और लगातार तीसरे वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है। मंगलवार को एल एल्टो (बोलीविया) में खेले गए मुकाबले में चिली को बोलीविया के हाथों 0-2 से हार झेलनी पड़ी, जिससे वह दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता में सबसे आखिरी स्थान पर ही बनी रही। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम के मुख्य कोच रिकार्डो गरेका ने इस्तीफे की घोषणा कर दी। अर्जेंटीना के 67 वर्षीय इस कोच ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं खिलाड़ियों और अधिकारियों को उनके समर्थन के लिए सार्वजनिक रूप से धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं अब टीम को छोड़ रहा हूं। चिली की 'गोल्डन जनरेशन' जिसने 2015 और 2016 में दो कोपा अमेरिका खिताब जीते थे, अब इतिहास बन चुकी है। टीम के दिग्गज स्ट्राइकर एलेक्सिस सांचेज़ ने हार के बाद कहा, ₹बहुत दुख हो रहा है, मैंने ऐसा पहले कभी महसूस नहीं किया। हमें लोगों से माफ़ी मांगनी

चाहिए। बदलाव की शुरुआत हो चुकी है, गोल्डन जनरेशन अब दफन हो चुकी है – मैं अकेला बचा हूं। बोलीविया ने मैच की शुरुआत में ही पांचवें मिनट में मिगुएल तेरेसेरोस के गोल से बढ़त बना ली थी।

90वें मिनट में एंजो मोंटेरो ने दूसरा गोल कर चिली की उम्मीदों पर पूरी तरह पानी फेर दिया। यह मुकाबला ला पाज़ के बाहरी इलाके स्थित 4,150 मीटर की ऊंचाई पर एल एल्टो स्टेडियम में खेला गया। दूसरी ओर, उरुग्वे ने वेनेजुएला को 2-0 से हराकर क्वालिफाइंग स्टैंडिंग में बड़ी छलांग लगाई है। रोड्रिगो अग्विरे और जॉर्जियन डे अरेस्काएटा के गोलों की बदौलत उरुग्वे ने 16 मैचों में 24 अंकों के साथ शीर्ष छह में जगह मजबूत कर ली है, जो सीधे विश्व कप में एंट्री के लिए जरूरी है। अब सातवें स्थान की इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ की दौड़ बोलीविया (17 अंक) और वेनेजुएला (18 अंक) के बीच रोचक बनती जा रही है। चिली का सपना एक बार फिर अधूरा रह गया है।

यहूदी केंद्र पर हमला करने की साजिश रचने के आरोपी पाकिस्तानी व्यक्ति को अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया

न्यूयॉर्क। कनाडा में रहने वाले एक पाकिस्तानी नागरिक को न्यूयॉर्क सिटी में एक यहूदी केंद्र पर आईएसआईएस के उकसावे में गोलीबारी की साजिश रचने के आरोपों का सामना करने के लिए अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया है।

अमेरिकी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सात अक्टूबर को इजराइल पर हमास के हमले के एक साल पूरे होने के आसपास इस हमले को अंजाम देने की साजिश रची गई थी। न्याय विभाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि 20 वर्षीय मुहम्मद शाहजेब खान को 'सदर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ न्यूयॉर्क' में दायर अभियोग के संबंध में मंगलवार को अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया। खान को शाहजेब जादून के नाम से भी जाना जाता है। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) निदेशक काश पटेल ने कहा कि खान ने कथित तौर पर न्यूयॉर्क शहर में यहूदी समुदाय पर हमला करने के इरादे से अमेरिका में प्रवेश करने की कोशिश की, सात अक्टूबर 2024 को आईएसआईएस के कहने पर सामूहिक गोलीबारी की साजिश रची, जिसे 2023 में इजराइल में हुए हमास आतंकवादी हमले के एक साल पूरा होने के आसपास अंजाम दिया जाना था।

पटेल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बड़ी खबर आज दोपहर को कनाडा में रहने वाले पाकिस्तानी नागरिक मुहम्मद शाहजेब खान को आईएसआईएस को सहायता प्रदान करने और आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने का प्रयास करने के आरोप में अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया। खान को बुधवार को अदालत में पेश किया जाएगा। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि सदर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ न्यूयॉर्क के अमेरिकी अटॉर्नी जे. क्लेटन ने कहा कि खान ने आईएसआईएस का समर्थन करने के लिए स्वचालित हथियारों का उपयोग करके यहूदी समुदाय के अधिक से अधिक सदस्यों को मारने की साजिश रची थी।

गोपनीय तरीके से काम करने वाले 'अंडरकवर' कानून प्रवर्तन अधिकारियों को लिखे एक पत्र में खान

ने दावा किया था कि अगर यह साजिश सफल रही तो यह '9/11 हमले के बाद अमेरिका की धरती पर सबसे बड़े आतंकवादी हमलों में से एक' होगा। इससे पहले उसे सदर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ न्यूयॉर्क में दायर एक शिकायत के आधार पर पिछले साल सितंबर में कनाडा में गिरफ्तार किया गया था। शिकायत के अनुसार, खान ने ब्रुकलिन में यहूदी केंद्र पर गोलीबारी करने के लिए कनाडा से न्यूयॉर्क की यात्रा की कोशिश की थी। नवंबर 2023 के आसपास खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करना शुरू किया और 'एनक्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्लिकेशन' पर अन्य से संवाद करते हुए आईएसआईएस के प्रति अपने समर्थन के बारे में बताया तथा आईएसआईएस के दुष्प्रचार वीडियो और साहित्य वितरित करना शुरू किया। इसके बाद उसने दो 'अंडरकवर' कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ संवाद करना शुरू किया और अमेरिका के किसी शहर में एक अमेरिकी सहयोगी के साथ हमले की साजिश बनाने की पुष्टि की। बातचीत के दौरान खान ने जोर देकर कहा कि 'यहूदियों पर हमला करने के लिए सात अक्टूबर और 11 अक्टूबर का समय सबसे बेहतर होगा' क्योंकि 'सात अक्टूबर को निश्चित रूप से कुछ प्रदर्शन होंगे और 11 अक्टूबर को 'योम किप्पुर' है' जो कि यहूदियों का सबसे पवित्र दिन होता है।

उसने 20 अगस्त के आसपास न्यूयॉर्क सिटी में लक्षित स्थान बदल दिया और ब्रुकलिन में यहूदी केंद्र को निशाना बनाने का फैसला किया। उसने एजेंटों को बताया कि न्यूयॉर्क 'यहूदियों को निशाना बनाने के लिए बिल्कुल उपयुक्त जगह है' क्योंकि यहां अमेरिका में 'यहूदियों की सबसे अधिक आबादी' है। उसने कहा कि भले ही हम किसी आयोजन के दौरान हमला नहीं करें, लेकिन हम आसानी से बहुत सारे यहूदियों को इकट्ठा कर सकते हैं। खान ने 'अंडरकवर' अधिकारियों को बताया कि उसने हमास के हमले के एक साल पूरा होने पर या उसके आसपास इस हमले को अंजाम देने की साजिश रची थी।

अपनी साजिश के तहत खान ने चार सितंबर के आसपास कनाडा से अमेरिका की ओर जाने के लिए तीन अलग-अलग कारों का उपयोग करके अमेरिका-कनाडा सीमा तक पहुंचने का प्रयास किया। कनाडा के अधिकारियों ने उसे सीमा से लगभग 12 मील की दूरी पर ऑर्म्सटाउन में या उसके आसपास रोका। खान पर इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड अल-शाम (आईएसआईएस) आतंकवादी संगठन को सामग्री एवं संसाधन प्रदान करके सहायता करने का प्रयास करने और राष्ट्रीय सीमाओं के पार आतंकवादी कृत्य को अंजाम देने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया गया है। दोषी पाए जाने पर उसे अधिकतम आजीवन कारावास की सजा हो सकती है।

अमेरिका ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को मजबूत समर्थन जताया

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश विभाग ने कहा कि पिछले सप्ताह भारतीय सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल की यात्रा के दौरान अमेरिका ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई और द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी के लिए अपने मजबूत समर्थन की पुष्टि की।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल ने पिछले सप्ताह वाशिंगटन में अमेरिकी उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ से मुलाकात की। विदेश विभाग के प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने मंगलवार को एक प्रेस वार्ता में कहा कि लैंडौ ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी में भारत को अमेरिका के मजबूत समर्थन की पुष्टि की। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार के वैश्विक संपर्क प्रयासों के तहत प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका का दौरा किया। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। एक सवाल के जवाब में ब्रूस ने कहा कि बिलावल भुट्टो जरदारी के नेतृत्व में एक पाकिस्तानी संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने पिछले सप्ताह वाशिंगटन की अपनी यात्रा के दौरान विदेश विभाग के अधिकारियों से मुलाकात की, जिसमें राजनीतिक मामलों की अवर सचिव एलिसन हुकर भी शामिल थीं।

हुकर ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष की समाप्ति के लिए अमेरिका के समर्थन को दोहराया। जब पूछा गया कि क्या अमेरिका को पाकिस्तान से कोई आश्वासन मिला है कि वह आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करेगा, तो ब्रूस ने कहा कि वह उन बातचीत के विवरण पर चर्चा नहीं करने वाली।

संक्षिप्त खबरें

अमेरिका : मिकी शेरिल गवर्नर पद के लिए न्यू जर्सी डेमोक्रेटिक प्राइमरी में जीतीं

ट्रेंटन (न्यू जर्सी)। अमेरिकी सांसद मिकी शेरिल ने न्यूजर्सी में गवर्नर पद के लिए डेमोक्रेटिक प्राइमरी में जीत हासिल की है। इस दौड़ में उनके पांच अनुभवी प्रतिद्वंद्वी भी शामिल थे, लेकिन नौसेना में पूर्व पायलट और पूर्व संघीय अभियोजक होने की उनकी पृष्ठभूमि ने उन्हें स्पष्ट बढ़त दिलाई। शेरिल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुखर आलोचक रही हैं। शेरिल ने अपने पांच प्रतिद्वंद्वियों को हराया, जिनमें एक संसद साथी, राज्य के दो सबसे बड़े शहरों के मेयर, राज्य के एक पूर्व शीर्ष नेता और प्रभावशाली शिक्षक संघ के प्रमुख शामिल हैं। नवंबर में होने वाले आम चुनाव में शेरिल रिपब्लिकन उम्मीदवार का मुकाबला करेंगी।

अलबामा में महिला की हत्या के दोषी को नाइट्रोजन गैस से दिया गया मृत्युदंड

एटमोर (अलबामा)। अमेरिका के अलबामा में एक महिला को पीट पीट कर मार डालने के जुर्म में दोषी ठहराए गए व्यक्ति को मंगलवार शाम नाइट्रोजन गैस के जरिए मृत्युदंड दिया गया। यह अमेरिका में नाइट्रोजन गैस से मौत की सजा का छठा मामला है। अधिकारियों ने बताया कि ग्रेगरी हंट नामक व्यक्ति को शाम छह बजकर 26 मिनट पर साउथ अलबामा की जेल में मृत घोषित कर दिया गया। ग्रेगरी हंट को कैरेन लेन नामक 32 वर्षीय महिला की हत्या के लिए मृत्युदंड की सजा सुनाई गई थी। कैरेन लेन की दो अगस्त 1988 को हत्या कर दी गई थी। वह वॉकर काउंटी में कॉर्डोवा अपार्टमेंट में एक अन्य महिला के साथ रहती थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, हंट गुस्से में लेन के अपार्टमेंट में घुसा, उसका यौन उत्पीड़न किया और बुरी तरह पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी थी। पिछले साल, अलबामा नाइट्रोजन गैस से मौत की सजा देने वाला पहला राज्य बन गया। इस विधि का इस्तेमाल अब तक छह मामलों में किया जा चुका है - पांच अलबामा में और एक लुइसियाना में। हंट ने मौत की सजा के लिए घातक इंजेक्शन या इलेक्ट्रिक कुर्सी जैसे अन्य विकल्पों के बजाय नाइट्रोजन गैस को चुना।

दक्षिण कोरिया ने प्रतिद्वंद्वी उत्तर कोरिया से लगी सीमा पर लाउडस्पीकर प्रसारण रोका

सियोल। दक्षिण कोरिया की सेना ने पड़ोसी देश उत्तर कोरिया के साथ तनाव कम करने की दिशा में एक कदम उठाते हुए सीमा पर लाउडस्पीकर के जरिए उत्तर कोरिया विरोधी दुष्प्रचार के प्रसारण पर रोक लगा दी है। उत्तर कोरिया ने मनोवैज्ञानिक युद्ध अभियान के तहत दक्षिण कोरिया की ओर अपशिष्ट से भरे गुब्बारे उड़ाए थे, जिसके बाद दक्षिण कोरिया ने पिछले साल जून में प्रसारण फिर शुरू कर दिया था।

जयशंकर ने मजबूत भारत-ईयू संबंधों को यूरोपीय संसद सदस्यों के समर्थन का स्वागत किया

ब्रसेल्स। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूरोपीय संसद के नेताओं से मुलाकात की और मजबूत भारत-ईयू संबंधों के लिए उनके समर्थन का स्वागत किया। जयशंकर ने बेल्जियम और लक्जमबर्ग की अपनी यात्रा में मंगलवार को नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ बचाव के भारत के अधिकार को लेकर उनकी समझ की प्रशंसा की।

विदेश मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उनकी यूरोपीय संसद के सदस्यों एंजेलिका नीबलर, उरमास पाएत, पिलर देल कास्तिलो, व्लादिमीर प्रोबिलिक और विंकलर ग्यूला के साथ अच्छा बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ के बीच मजबूत संबंधों के लिए उनके समर्थन का स्वागत किया। आतंकवाद के खिलाफ भारत के खुद की रक्षा करने के अधिकार के बारे में उनकी समझ की भी सराहना की। जयशंकर ने कहा कि उन्होंने 'वैश्विक घटनाक्रम और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।' इससे पहले दिन में, उन्होंने बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर और बेल्जियम के राजा फिलिप से भी मुलाकात की। जयशंकर ने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन से भी मुलाकात की और पहलगाम हमले की 'कड़ी निंदा' करने और आतंकवाद से लड़ने में एकजुटता के लिए उनकी प्रशंसा की। गत 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई, जिसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया। भारत ने इसके जवाब में छह-सात मई की रात को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचों पर सटीक हमले किए।

गाजा में राहत सामग्री हासिल करने की कोशिश कर रहे 36 फलस्तीनी मारे गए

दीर अल बलाह (गाजा पट्टी)। गाजा में सहायता सामग्री तक पहुंचने की कोशिश कर रहे फलस्तीनियों पर मंगलवार को फिर से गोलीबारी की गई जिसमें 36 लोगों की मौत हो गई जबकि 207 अन्य जख्मी हो गए। फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

विशेषज्ञों और मानवीय सहायता कार्यकर्ताओं का कहना है कि इजराइल की नाकाबंदी और 20 महीने के सैन्य अभियान ने गाजा को भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। इजराइली और अमेरिकी समर्थन वाले 'गाजा ह्यूमेनिटेरियन फाउंडेशन' द्वारा संचालित सहायता वितरण स्थलों के पास गोलीबारी में कम से कम 163 लोगों की मौत हो गई है जबकि 1495 लोग जख्मी हुए हैं। इजराइली सेना ने पहले उन लोगों पर चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाने की बात स्वीकार की है, जो उसके अनुसार संदिग्ध तरीके से उसकी सेना की ओर बढ़ रहे थे। फाउंडेशन का कहना है कि वितरण केन्द्रों में या उसके आसपास कोई हिंसा नहीं हुई है। लेकिन इसने लोगों को निर्धारित पहुंच मार्गों पर ही

रहने की चेतावनी दी है। नासेर अस्पताल के अनुसार, दक्षिणी गाजा में रफह के आसपास सहायता प्राप्त करने का प्रयास करते समय कम से कम आठ लोग मारे गए।

अल-अवदा अस्पताल के प्रवक्ता नादेर गरगून के अनुसार, उत्तरी गाजा में मंगलवार को दो पुरुष और एक बच्चे की मौत हो गई और कम से कम 130 लोग घायल हो गए। अस्पताल में ही घायलों को भर्ती किया गया था। उन्होंने बताया कि ज्यादातर लोगों को गोली लगी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि इजराइली सेना ने मध्य गाजा में सहायता स्थल से कई सौ मीटर की दूरी पर देर रात करीब दो बजे गोलीबारी की। लोग सहायता सामग्री लेने की उम्मीद में भोर से पहले ही सामग्री वितरण स्थल पर पहुंचना शुरू कर देते हैं। इजराइली सेना ने कहा कि उसने लोगों पर चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं और उसने लोगों को संदिग्ध बताया।

उसने कहा कि लोग सहायता स्थल के खुलने के समय से पहले ही वहां पहुंचने लगे थे और उसके सैनिकों से कुछ मीटर दूर थे। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, मंगलवार को गाजा शहर में इजराइली हमले में तीन फलस्तीनी चिकित्सक मारे गए। स्वास्थ्य मंत्रालय की आपातकालीन सेवा के चिकित्सक गाजा शहर के जाफा स्ट्रीट में एक घर पर हुए इजराइली हमले को लेकर प्रतिक्रिया दे रहे थे, तभी दूसरा हमला इमारत पर हुआ।

इजराइली सेना ने हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन कहा कि पिछले दिनों वायु सेना ने रॉकेट लांचरों सहित हमास के सैन्य ढांचे से संबंधित दर्जनों लक्ष्यों को निशाना बनाया है। इस बीच प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को कहा कि संभावित युद्ध विराम समझौते पर 'सार्थक प्रगति' हुई है, जिससे गाजा में बंधक के तौर पर रखे गए 55 लोगों में से कुछ को वापस लाया जा सकेगा, लेकिन उन्होंने कहा कि अभी उम्मीद करना जल्दबाजी होगी। विदेश मंत्री गिदोन सार ने भी मंगलवार को उल्लेख किया कि युद्ध विराम वार्ता में प्रगति हुई है। नेतन्याहू आगे के कदमों पर चर्चा करने के लिए मंगलवार शाम को इजराइली वार्ता दल और रक्षा मंत्री के साथ बैठक कर रहे थे।

अर्जेंटीना के उच्चतम न्यायालय ने पूर्व राष्ट्रपति क्रिस्टीना फर्नांडीज की जेल की सज़ा बरकरार रखी

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को पूर्व राष्ट्रपति क्रिस्टीना फर्नांडीज की भ्रष्टाचार के जुर्म में छह साल की जेल की सजा बरकरार रखी। इसके साथ ही उन्हें किसी भी सार्वजनिक पद पर काबिज होने से अयोग्य घोषित कर दिया गया है।

यह फैसला 'पेरोनिज्म' विचारधारा की प्रमुख नेता फर्नांडीज के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, जो पिछले दो दशकों में अर्जेंटीना की राजनीति की सबसे प्रभावशाली शख्सियतों में से एक रही हैं। अदालत के इस निर्णय के बाद उन पर गिरफ्तारी की तलवार भी लटक रही है। फर्नांडीज ने 2007 में अपने

पति नेस्टर किर्चनर के बाद देश की बागडोर संभाली और आठ वर्षों तक राष्ट्रपति रहीं। उनके कार्यकाल के दौरान सरकारी खर्चों की कोई सीमा नहीं रही और भारी बजटीय घाटा बढ़ता गया। वर्ष 2022 में एक संघीय अदालत ने उन्हें एक व्यवसायी को अनुचित तरीके से सरकारी निर्माण ठेके देने के मामले में दोषी पाया, जिससे राजकोष को लगभग सात करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ।

मार्च 2024 में फर्नांडीज ने इस सजा की समीक्षा के लिए उच्चतम न्यायालय में अर्जी दी थी, जिसे तीन न्यायाधीशों की पीठ ने खारिज कर दिया। इसके कारण अब वह इस वर्ष सितंबर में प्रस्तावित संसदीय चुनाव में भाग नहीं ले सकेंगी। फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए न्यायालय ने कहा कि यह सजा हमारे गणतांत्रिक और लोकतांत्रिक तंत्र की रक्षा करती है।

मशहूर टिकटॉक स्टार खाबी लेम ने अमेरिका छोड़ा

लास वेगास। मशहूर 'टिकटॉक' स्टार खाबी लेम को वीजा की अवधि खत्म होने के बावजूद अमेरिका में रहने के आरोप में आव्रजन अधिकारियों द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद अमेरिका छोड़ना पड़ा।

सेनेगल मूल के इतालवी इन्फ्लुएंसर लेम का वास्तविक नाम सेरिंगे खबाने लेम है। उनके सोशल मीडिया पर लाखों 'फॉलोअर' हैं। अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने एक बयान में लेम के अमेरिका से जाने की पुष्टि करते हुए कहा कि लेम को शुक्रवार को हैरी रीड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से हिरासत में लिया गया था लेकिन उन्हें निर्वासन आदेश के बिना देश छोड़ने की अनुमति दी गई। आईसीई प्रवक्ता ने कहा कि लेम 30 अप्रैल को अमेरिका पहुंचे और 'अपने वीजा की अवधि से ज्यादा समय तक रुके रहे।' 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) ने मंगलवार को लेम के इंस्टाग्राम अकाउंट पर सूचीबद्ध ईमेल पते पर टिप्पणी के लिए एक संदेश भेजा था। उन्होंने अपनी हिरासत पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। उनकी हिरासत और स्वेच्छा से अमेरिका छोड़कर जाना ऐसे समय में हुआ है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आव्रजन पर कार्रवाई तेज कर दी है, जिसमें लॉस एंजिलिस में छापेमारी की कार्रवाई भी शामिल हैं। पिछले महीने लेम न्यूयॉर्क सिटी में 'मेट गाला' में शामिल हुए थे।

ट्रंप के सैन्य हस्तक्षेप की वजह से लोकतंत्र पर हमला हुआ: गवर्नर न्यूसम

लॉस एंजिलिस। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी जीवनशैली के लिए खतरा बताते हुए, कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने लॉस एंजिलिस में संघीय सैन्य हस्तक्षेप को ट्रंप द्वारा देश के लोकतंत्र के मूल में स्थित राजनीतिक और सांस्कृतिक मानदंडों को उलटने के व्यापक प्रयास की शुरुआत बताया।

वहीं, आव्रजन छापेमारी के खिलाफ शुरू हुए प्रदर्शनों का दायर अब पूरे अमेरिका में फैल रहा है तथा इस सप्ताहांत और प्रदर्शन करने की योजना बनाई गई है। इन प्रदर्शनों की वजह से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 'नेशनल गार्ड' और नौसेनिकों को बुलाना पड़ा है। सिएटल और ऑस्टिन से लेकर शिकागो और वाशिंगटन डीसी तक, प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी की तथा वे आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) एजेंसी के खिलाफ बैनर लिए हुए थे और उन्होंने शहर के मुख्य मार्गों और संघीय कार्यालयों के बाहर यातायात को बाधित किया। कई प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे, लेकिन कुछ जगह प्रदर्शनकारियों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ झड़पें हुईं, क्योंकि

अधिकारियों ने गिरफ्तारियां कीं और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए रासायनिक पदार्थों का प्रयोग किया। कार्यकर्ता आने वाले दिनों में और भी बड़े प्रदर्शनों की योजना बना रहे हैं।

शनिवार को देश भर में 'नो किंग्स' कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और यह उस दिन किए जाएंगे जब वाशिंगटन में ट्रंप की सैन्य परेड प्रस्तावित है। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि वह विरोध प्रदर्शनों के बावजूद आव्रजन संबंधी छापेमारी और निर्वासन का अपना कार्यक्रम जारी रखेगा। आंतरिक सुरक्षा मंत्री क्रिस्टी नोएम ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि आईसीई कानून को लागू करना जारी रखेगी। इस बीच कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम ने मंगलवार को एक सार्वजनिक संबोधन के दौरान कहा कि ट्रंप के निर्देश पर लॉस एंजिलिस में 'नेशनल गार्ड' और मरीन सैनिकों का आना सिर्फ संघीय अधिकारियों द्वारा आव्रजन छापों के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों को दबाने का प्रयास नहीं है।

उन्होंने कहा कि यह एक सुनियोजित 'युद्ध' का हिस्सा है जिसका उद्देश्य समाज की नींव को उखाड़ फेंकना और सत्ता को व्हाइट हाउस में केंद्रित करना है। न्यूसम ने चेतावनी दी 'कैलिफ़ोर्निया पहले स्थान पर हो सकता है, लेकिन यह स्पष्ट रूप से यहीं समाप्त नहीं होगा। आने वाले वक्त में अन्य राज्यों का भी नबंर आ सकता है।' उन्होंने कहा कि पर हमारी आंखों के सामने हमला हो रहा है। जिस क्षण का हमें डर था, वह आ गया है। डेमोक्रेटिक पार्टी से संबंधित गवर्नर की यह टिप्पणी ट्रंप द्वारा देश के दूसरे सबसे बड़े शहर में नेशनल गार्ड और मरीन सहित लगभग 5,000 सैनिकों की तैनाती के आदेश के बाद आई है। उन्होंने यह टिप्पणी उसी दिन की है जब उन्होंने अदालत से संघीय आव्रजन एजेंटों को सुरक्षा देने के लिए आई सेना पर आपातकालीन रोक लगाने का आग्रह किया है।

अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) द्वारा मंगलवार को पोस्ट की गई तस्वीरों में नेशनल गार्ड के कर्मी उन अधिकारियों को सुरक्षा दे रहे हैं जो लोगों की गिरफ्तारियां कर रहे हैं। आईसीई ने एक बयान में कहा कि सैनिक संघीय भवनों पर सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं और संघीय अधिकारियों की रक्षा कर रहे हैं 'जो दैनिक प्रवर्तन कार्यों पर हैं।' इस बीच लॉस एंजिलिस की मेयर कैरेन बास ने मंगलवार को शहर के मुख्य क्षेत्र में 'तोड़फोड़ और लूटपाट को रोकने के लिए' कर्फ्यू लगा दिया है। बास ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्होंने स्थानीय आपातकाल की घोषणा कर दी है और कर्फ्यू मंगलवार रात आठ बजे से बुधवार सुबह छह बजे तक लागू रहेगा। बास ने कहा कि 23 व्यापारिक प्रतिष्ठानों में लूटपाट के बाद 'हम एक महत्वपूर्ण बिंदु पर पहुंच गए।' कर्फ्यू शहर के मुख्य क्षेत्र के एक वर्ग मील (2.59 वर्ग किलोमीटर) इलाके में लागू रहेगा, जिसमें वह क्षेत्र भी शामिल है जहां शुक्रवार से विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। लॉस एंजिलिस के पुलिस प्रमुख जिम मैकडॉनेल के अनुसार, शनिवार से शहर में 'गैरकानूनी और खतरनाक व्यवहार' की घटनाएं बढ़ रही थीं। उन्होंने कहा कि पूरे लॉस एंजिलिस में लगातार कई दिनों से बढ़ रही अशांति के बाद जान माल की रक्षा के लिए कर्फ्यू एक आवश्यक उपाय है।

प्रदर्शन मुख्य रूप से शहर के बीचोंबीच केंद्रित रहे हैं। ये राज्य के अन्य शहरों और देश भर में फैल गए हैं, जिनमें डलास और ऑस्टिन, टेक्सास, शिकागो और न्यूयॉर्क शहर शामिल हैं। न्यूयॉर्क सिटी में मंगलवार शाम को निचले मैनहट्टन में निर्वासन और संघीय आव्रजन नीति का विरोध करने के लिए बड़ी संख्या में लोगों ने रैली निकाली। प्रदर्शनकारी दो संघीय भवनों के बाहर एकत्र हुए, जहां आव्रजन अदालतें हैं, तथा भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच मार्च करने लगे। शिकागो में, मंगलवार को आव्रजन अदालत के बाहर लोग एकत्रित हुए और कैलिफोर्निया में ट्रंप प्रशासन की आव्रजन कार्रवाई तथा सैन्य उपस्थिति को समाप्त करने की मांग की। लॉस एंजिलिस में आव्रजन छापे के दौरान शुक्रवार को यूनियन नेता डेविड ह्यूर्टा को हिरासत में लिए जाने के विरोध में सोमवार को बोस्टन के सिटी हॉल प्लाजा में सैकड़ों लोग एकत्र हुए। वहीं, वाशिंगटन में छापेमारी के खिलाफ व ह्यूर्टा की रिहाई की मांग को लेकर सोमवार को कई यूनियन के लोग जमा हुए और न्याय विभाग की इमारत के सामने मार्च निकाला।

रूस ने यूक्रेन के खारकीव और अन्य इलाकों पर ड्रोन हमले किए, तीन की मौत

कीव। रूस के सुरक्षा बलों ने बीती रात यूक्रेन में व्यापक स्तर पर ड्रोन हमले किये जिनमें तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 60 से अधिक लोग घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि 85 शहीद ड्रोन और अन्य प्रकार के ड्रोन ने खारकीव शहर और दूसरे इलाकों को निशाना बनाया।

हालांकि वायु रक्षा प्रणाली ने 40 ड्रोन को रोक दिया। खारकीव सबसे अधिक प्रभावित इलाकों में से एक रहा है, जहां दो रिहाइशी जिलों में 17 ड्रोन हमले हुए। खारकीव के मेयर इहोर तेरेखोव ने यह जानकारी दी। तेरेखोव ने टेलीग्राम पर लिखा, "वे साधारण स्थान हैं, जहां आम लोग शांतिपूर्ण तरीके से रह रहे हैं। उन्हें निशाना नहीं बनाना चाहिए था।" स्थानीय प्रशासन के प्रमुख ओलेह सिनिहुबोव के अनुसार तीन लोगों की मौत की पुष्टि हुई है जबकि कम से कम 60 लोग घायल हैं। घायलों में दो से 15 साल की उम्र के नौ बच्चे भी शामिल हैं। हाल के महीनों में खारकीव को बार-बार निशाना बनाया गया है।

रूस ने इस क्षेत्र में असैन्य बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए हैं। रूस की सेनाओं ने हाल के दिनों में बड़ी संख्या में ड्रोन और मिसाइलों की तैनाती की है। इन हमलों से पहले सोमवार को लगभग 500 ड्रोन हमले और मंगलवार की रात में 315 ड्रोन और सात मिसाइल हमले हुए थे।